श्रावण मास की शुभकामनाएं

03 अगस्त 2024 शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

आरक्षण को 9वीं अनुसूची में डालना होगा, नहीं तो देंगे धरना : तेजस्वी
2

सीबीआई करेगी दिल्ली में हुए कोचिंग हादसे की जांच

एजेंसी/नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में हुए कोचिंग हादसे के मामले की जांच दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपने का फैसला लिया है। शुक्रवार को चली लंबी सुनवाई के बाद कोर्ट ने यह फैसला लिया। अदालत ने इस मामले में एमसीडी और दिल्ली पुलिस पर सख्त टिप्पणी की। दिल्ली पुलिस से कोर्ट ने कहा कि सड़क पर चल रहे आदमी को क्यों गिरफ्तार कर लिया गया था? पुलिस को माफी मांगनी चाहिए। पुलिस की तब इज्जत होती है जब वह अपराधी को पकड़े और निर्दोष पर कार्रवाई न करे। अगर आप निर्दोष को पड़कर दोषियों को छोड़ने लगेंगे तो यह बहुत ही खराब स्थिति होगी।

एमसीडी के वकील ने कहा कि राव इंस्टिट्यूट के बारे में क्योंकि दिल्ली पुलिस कार्रवाई कर रही है इसलिए उसको छोड़कर हम बाकी पर कार्रवाई कर रहे हैं। अदालत ने दिल्ली से पुलिस से पूछा कि अब तक आपने क्या किया। अदालत ने पूछा कि बाकी चीजों के लिए जो लोग जिम्मेदार हैं उनकी पहचान की गई? अदालत ने एमसीडी से कहा कि यह नहीं बताया गया कि स्टॉर्म वॉटर ड्रेन काम क्यों नहीं कर रहा था। यानी बड़ा नाला जिसके कारण ये घटना हुई। अदालत ने पूछा कि आपके अधिकारी कहां थे। उस इलाके में पानी क्यों जमा हो रहा था। अदालत ने कहा- क्रिमिनल क्रिया को छोड़ो प्रशासनिक रूप से भी आपके पास कुछ तो जवाब होना चाहिए। अगर अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं तो बताया जाना चाहिए।

जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों को मिलेंगे 50-50 लाख रुपये

दिल्ली कोचिंग हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों को राव आईएएस कोचिंग 50-50 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया है। पिछले दिनों राव आइएएस कोचिंग के बेसमेंट में बने लाइब्रेरी में अचानक पानी भर जाने की वजह से तीन छात्रों ने जान गंवा दी थी। कोचिंग की ओर से वादा किया गया है कि मुआवजे का भुगतान अगले छह महीने के भीतर कर दिया जाएगा। राव आईएएस के वकील मोहित सराफ ने बताया कि, जिन्होंने हादसे में अपनी जान गंवाई है, उन्हें 50 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। 25 लाख रुपए तुरंत और 25 लाख रूपए सीईओ अभिषेक के बाहर आने के बाद दिया जाएगा। बता दें कि दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आइएएस कोचिंग के बेसमेंट में 27 जुलाई को जलभराव होने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने कोचिंग सेंटर के मालिक अभिषेक गुप्ता समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही बेसमेंट में संचालित 20 कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया है।

नीट परीक्षा अब दोबारा नही कराई जाएगी: सुप्रीम कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट के अनुसार नीट यूजी पेपर लीक व्यापक स्तर पर नहीं हुआ है, ऐसे में देशभर की परीक्षा रद्द करना उचित नहीं होगा
- कोर्ट ने कहा- हजारीबाग और पटना को छोड़ दें तो कहीं भी नीट परीक्षा में मैनेजमेंट में सेंधमारी नहीं की गई थी

एजेंसी/नई दिल्ली

नीट यूजी पेपर लीक प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अब दोबारा नीट परीक्षा नही कराई जाएगी। इस फैसले के साथ ही बड़ी संख्या में पसोपेश में फंसे स्टूडेंट्स का इंतजार भी खत्म हो गया है। कोर्ट के मुताबिक नीट यूजी पेपर लीक व्यापक स्तर पर नहीं हुआ है। ऐसे में पूरा देशभर की परीक्षा रद्द करना उचित नहीं होगा। इसलिए दोबारा परीक्षा कराने की मांग खारिज की जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को लताड़ लगाते हुए कहा कि परीक्षा एजेंसी को अपनी जिम्मेदारी को लेकर गंभीर होना चाहिए। सेंट्रल एजेंसी होने के लिहाज से बार-बार फैसले बदलना अच्छा नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हजारीबाग और पटना को छोड़ दें तो कहीं भी नीट यूजी 2024 परीक्षा में मैनेजमेंट में सेंधमारी नहीं की गई थी। एनटीए की खराब पॉलिसी को लेकर भी कोर्ट ने एजेंसी को फटकार लगाई है। गलत प्रश्नपत्रों का वितरण, फिजिक्स के एक प्रश्न के गलत ऑप्शन पर अंक देने का मामले पर एनटीए को कोर्ट कड़ी चेतावनी दी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि नीट परीक्षा देश भर में आयोजित होने वाली बड़ी परीक्षा है। ऐसे में एनटीए और सरकार की गठित कमेटी को परीक्षा को लेकर गंभीरता दिखानी चाहिए। सरकारी कमेटी को परीक्षा में गड़बड़ी रोकने और उसका पता लगने के बारे में आवश्यक सुझाव भी शेयर करने चाहिए ताकि पेपर लीक जैसी समस्या पर रोक लग सके।

पेपर लीक सिस्टमैटिक नहीं: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पेपर लीक सिस्टमैटिक नहीं है। यह गड़बड़ी व्यापक स्तर पर नहीं हुई है। ऐसे में एनटीए को भविष्य में सुधार लाने की जरूरत है। सीजेआई ने कहा कि यदि फैसले को लेकर किसी को कोई संदेह हो तो वह फिर हाईकोर्ट जा सकता है।

राष्ट्रपति की अध्यक्षता में राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन का आगाज

केंद्र और राज्य के बीच प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं राज्यपाल: पीएम मोदी

- राष्ट्रपति ने राज्यपालों से आग्रह किया कि वे जनजातीय क्षेत्रों के लोगों के समावेशी विकास के लिए उपाय सुझाएं

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यपालों से शुक्रवार को आग्रह किया कि वे केंद्र और राज्य के बीच प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस तरह से संवाद करें, जिससे वंचित लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सके। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्यपाल का पद एक महत्वपूर्ण संस्था है, संविधान के दायरे के भीतर लोगों के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों के संदर्भ में। उद्घाटन सत्र को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और केंद्रीय गृह मंत्री ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में उन विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जो न केवल केंद्र-राज्य संबंधों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आम लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने में भी सहायक होते हैं।

राज्यों में बेहतर समन्वय से काम करें केंद्रीय एजेंसियां: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र के सुचारू संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने राज्यपालों को इस संबंध में विचार करने की सलाह दी कि वे अपने-अपने राज्यों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में इस समन्वय को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के एजेंडे में ऐसे मुद्दे शामिल हैं, जो राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी राज्यपाल जनता की सेवा और कल्याण में योगदान देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आपराधिक न्याय से संबंधित तीन नये कानूनों के लागू होने से देश में न्याय व्यवस्था का एक नया युग शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि कानूनों के नाम: भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, से सोच में बदलाव स्पष्ट है। राष्ट्रपति ने राज्यपालों से राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में इस सुधार प्रक्रिया में योगदान देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार गरीबों, सीमावर्ती क्षेत्रों, वंचित वर्गों और क्षेत्रों तथा विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने राज्यपालों से आग्रह किया कि वे जनजातीय क्षेत्रों के लोगों के समावेशी विकास के लिए उपाय सुझाएं। कहा कि यदि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों में लगाया जा सके, तो युवा विकास और युवा-नेतृत्व वाले विकास को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि मेरा भारत अभियान इस उद्देश्य के लिए एक सुविचारित प्रणाली प्रदान करता है।

लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए करें गांवों का दौरा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यपालों से एकता की भावना को और मजबूत करने में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं और राज्यपाल एक पेड़ मां के नाम अभियान को बड़े पैमाने पर जन आंदोलन बनाकर इसमें योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है और किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि राजभवन प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए उदाहरण पेश कर सकते हैं। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राज्यपालों से सामाजिक कल्याण योजनाओं और पिछले दशक के दौरान हुए उल्लेखनीय विकास के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आग्रह किया। शाह ने दो दिवसीय सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं की रूपरेखा बताई और राज्यपालों से आग्रह किया कि वे लोगों में विश्वास पैदा करने और विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए जीवंत गांवों और आकांक्षी जिलों का दौरा करें।

इलेक्टोरल बॉन्ड जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, याचिका के जरिए कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा राजनीतिक पार्टियों को दिए गए चंदों की जांच के लिए याचिका डाली गई थी, जिसको सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दिया है।

मामले की सुनवाई न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा की जा रही थी। इस दौरान पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मामले में दखलंदाजी करना अनुचित है। साथ ही कहा कि परस्पर फायदे की धारणा के आधार पर चुनावी बॉन्ड की खरीद की जांच का आदेश नहीं दिया जा सकता है। आपको बता दें इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की जांच के लिए गैर सरकारी संगठन कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन के साथ अन्य लोगों के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली गई थी। इसके अलावा डॉ. खेम सिंह भट्टी और सुदीप नारायण तमानकर व जयप्रकाश शर्मा ने भी याचिका लगाई थी। इस याचिका में राजनीतिक पार्टियां और कॉरपोरेट के बीच फायदे के लिए लेन-देन करने का आरोप लगाया गया था।

ज्ञानवापी के बाहर लगे गेट को लेकर मुस्लिम समाज का हंगामा

एजेंसी/वाराणसी

ज्ञानवापी के बाहर प्रशासन द्वारा लगाए गए अस्थाई गेट को लेकर शुक्रवार को मुस्लिम समाजजनों ने हंगामा शुरू कर दिया था। उन्होंने तब तक नमाज नहीं पढ़ने की चेतावनी दे दी थी जब तक कि गेट को हटाया नहीं जाएगा। इस मामले में काफी देर तक बहस चलने के बाद जब प्रशासन ने गेट हटाने का आश्वासन दिया, तब जाकर मामला शांत हुआ और करीब डेढ़ घंटे बाद जुमे की नमाज हुई।

जानकारी के अनुसार सावन का महीना चल रहा है। इसी के साथ शुक्रवार को जुमे की नमाज भी थी। इस कारण प्रशासन द्वारा अस्थाई गेट लगा दिया था, ताकि किसी को दिक्कत नहीं हो। लेकिन दोपहर में शहर मुफ्ती अब्दुल बातिन नोमानी अस्थाई गेट का विरोध करते हुए धरने पर बैठ गए थे। इस वजह से करीब डेढ़ घंटे तक कोई नमाज पढ़ने नहीं गया। सभी नमाजियों की मांग थी कि जब तक गेट का फ्रेम नहीं हटेगा, तब तक नमाज नहीं होगी। इसके बाद एसीपी सुरक्षा से आश्वासन मिलने के बाद नमाज पढ़ी गई। इस मामले में वादी मुकदमा मुख्तार अंसारी ने बताया एसीपी सुरक्षा ने भरोसा दिलाया है कि बिना अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद की परमिशन और सहमति के कोई गेट नहीं लगाया जाएगा।

मुस्लिम समाज और प्रशासन आमने सामने

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को ज्ञानवापी मामले में एक और नया विवाद सामने आया। यहां अस्थाई गेट लगाने की बात पर प्रशासन और मुस्लिम समाज आमने सामने था। जिसमें शहर ए मुफ्ती ने विरोध करते हुए धरना देना शुरू कर दिया था। उनके साथ करीब 500 से अधिक मुस्लिम समाजजन थे। उनका कहना था कि जब तक अस्थाई गेट हट नहीं जाएगा। तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा: सीएम योगी

एजेंसी/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या की दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की मां को आश्वस्त किया है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है। बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा उनपर कठोरतम कार्रवाई होगी। शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। सीएम से मिलने के बाद पीड़िता की मां ने मीडिया को बताया कि उनकी बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों के लिए उन्होंने सरकार से फांसी की सजा की मांग की है, इसपर मुख्यमंत्री जी ने भी आश्वस्त किया है कि बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। बच्ची की मां ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बात को लेकर भी आश्वस्त किया है कि आरोपित सपा नेता मोईन खान की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार को पीड़िता की मां से सीएम योगी की मुलाकात के दौरान बीकापुर के विधायक अमित सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

सपा सांसद का करीबी है आरोपित

बता दें कि अयोध्या के पूरा कलंदर थानाक्षेत्र में घटी शर्मनाक घटना में पिछड़ा वर्ग की 12 वर्षीय बच्ची के साथ सपा नेता मोईन खान और उसके नौकर पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का आरोप है। आरोपित मोईन खान फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है। एक दिन पहले ही सीएम योगी ने विधानसभा में इस मामले पर बोलते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की थी।

भारी बारिश व भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा पर रोक, कई फंसे

एजेंसी/देहरादून

उत्तराखंड की केदारनाथ घाटी में एक बार फिर तबाही मची है। पुल बहने, पैदल रास्ता और हाईवे जगह-जगह टूटने से केदारनाथ यात्रा ठप हो गई है। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे 2537 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया है। इस बीच 16 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इधर, मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक लगातार भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उधर, बुधवार रात को मची तबाही से राज्यभर में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, वाईएमएफ आदि टीमों को उतारा गया सरकार ने अग्रिम आदेश तक केदारनाथ यात्रा रोक दी है। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 16 लोगों के लापता होने की सूचना रुद्रप्रयाग एसपी कार्यालय को मिली है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को लापता लोगों के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी है। पुलिस का कहना है केदारघाटी में उपजे हालातों से मोबाइल नेटवर्क की समस्या है। इस कारण यात्रा पर आए लोगों का परिजनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। रुद्रप्रयाग पुलिस 7579257572 और 01364-233387 को हेल्पलाइन के तौर पर शुरू किया है।

कांग्रेस नेता बोले... वह इस मामले को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री के सामने उठाएंगे

वायनाड में 100 से अधिक घर बनवाएगी कांग्रेस: राहुल गांधी

एजेंसी/वायनाड

वायनाड में भूस्खलन से हुई तबाही का गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जायजा लिया था। उन्होंने इसे सबसे भयानक त्रासदी बताते हुए कहा कि ऐसी त्रासदी अब तक किसी भी राज्य ने नहीं देखी। वायनाड त्रासदी को अलग तरीके से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक मकान बनवाएगी। राहुल गांधी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ शुक्रवार को वायनाड में जिला प्रशासन और पंचायत के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान अधिकारियों ने उनको भूस्खलन में हुई मौतों, नष्ट हुए मकान और बचाव व तलाश अभियान के बारे में जानकारी दी। राहुल गांधी ने कहा कि वह इस मामले को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के सामने उठाएंगे। यह एक अलग स्तर की त्रासदी है। इसे लेकर अलग तरीके से पहल की जानी चाहिए।

राहुल गांधी का दावा... मेरे घर पर रेड की तैयारी में है ईडी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को सनसनीखेज दावा कर दिया। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई को संसद में दिए गए उनके 'चक्रव्यूह' भाषण के बाद ईडी उनके घर पर रेड मारने की प्लानिंग कर रही है। राहुल ने कहा कि वह खुली बांहों के साथ ईडी अधिकारियों का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि ईडी के 'अंदरूनी सूत्रों' ने उन्हें छापेमारी की जानकारी दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, जाहिर है, 2 में से 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का खुली बांहों से इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्कुट मैं खिलाऊंगा।

प्राकृतिक आपदा के कारण 300 से ज्यादा लोगों की मौत: केरल के वायनाड में मंगलवार को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी। इस भूस्खलन के कारण अबतक 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 219 घायल है। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में सेना का राहत व बचाव कार्य जारी है।

किशनगंज में मिड डे मील खाने से 35 बच्चे बीमार, चल रहा इलाज

- महीन गांव पंचायत के मड़ुआ टोली उत्क्रमित मध्य विद्यालय में हुई घटना
- गैर सरकारी संस्था द्वारा कराया जाता है बच्चों को एमडीएम उपलब्ध
- शिक्षकों ने देखा खाने में गिरी हुई थी छिपकली

केटी न्यूज/किशनगंज

किशनगंज में मिड डे मील खाने से 35 स्कूली बच्चे बीमार हो गए, जिससे विद्यालय में अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। पूरा मामला महीन गांव पंचायत के मड़ुआ टोली उत्क्रमित मध्य विद्यालय का है। जहां गैर सरकारी संस्था द्वारा भोजन मुहैया करवाया गया था। बच्चों को समय पर भोजन परोस दिया गया था। बच्चे लगभग आधा खाना खा चुके थे। उसके बाद शिक्षक ने छिपकली देखी और बच्चों को खाना खाने से मना किया। लेकिन तब तक अधिकांश बच्चे खाना खा चुके थे। ग्रामीणों और विद्यालय के शिक्षकों का कहना है कि खाने में छिपकली गिरी हुई थी। उसी खाने को बच्चों ने खा लिया, जिसकी वजह से बच्चों को उल्टी और पेट दर्द आदि की शिकायत होने लगी। बच्चों की स्थिति को बिगड़ती

देख ग्रामीणों और स्कूल प्रशासन ने आनन-फानन में सभी को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां बच्चों का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि 100 से अधिक बच्चों को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हालांकि राहत की बात है कि बच्चे खतरे से बाहर हैं। भोजन करने वाले बच्चों में मनीष कुमार यादव, अजीत यादव, इंतिखाब आलम, नशीमा परवीन, नुसरत परवीन, नजमीन निशा, सफकुल रहमान, लवली कुमारी, खुशी कुमारी, सरस्वती कुमारी, कंचन कुमारी, ज्योति कुमारी, महेश कुमार, सादिगी खातून, रौशन कुमार, राधा कुमारी, अंसारी खातून, बादल दास, माही परवीन, अफसाना, उजलेखा खातून, साजिदा खातून, नाजिरा खातून, साजिदा और सुंदरी परवीन आदि शामिल हैं। गौरतलब है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार जन चेतना संस्था जिसके द्वारा खाना मुहैया करवाया जा रहा है, उसकी शिकायत मिल चुकी है। बच्चों के बीमार होने से अभिभावक काफी परेशान हैं और खाना मुहैया करवाने वाली संस्था के ऊपर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीएम लतीफुर रहमान अंसारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, थाना अध्यक्ष संदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी सदर अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने बच्चों का हालचाल जाना। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि लगभग 35 बच्चे बीमार पड़े हैं, जिनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मामले में जो भी दोषी होंगे कार्रवाई की जाएगी।

एमडीएम खाने के बाद सात बच्चे बीमार, जहरीला पदार्थ की आशंका

केटी न्यूज/सासाराम

बिहार के सरकारी स्कूलों में छोटे बच्चों के परोसे जाने वाले मध्याह्न भोजन में गड़बड़ी की शिकायते नई नहीं हैं। अक्सर इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला रोहतास से सामने आया है, जहां करगहर के मध्य विद्यालय जलालपुर में मध्यान्ह भोजन खाने के बाद सात बच्चे बीमार हो गए। सभी को इलाज के लिए करगहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जब बच्चों को मध्याह्न भोजन परोसा जा रहा था, तब छोला की सब्जी में पोटली में बंधा कोई जहरीला पदार्थ पाया गया, जिससे तेज दुर्गंध भी आ रही थी। छोला को खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। कई बच्चों में सिर दर्द एवं उल्टी की शिकायत होने लगी। इसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद शिक्षा विभाग के मध्यान भोजन प्रभारी रविंद्र कुमार स्कूल पहुंचे और बीमार बच्चों का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि कुल सात बच्चों के बीमार होने की सूचना है।

केंद्र में नीतीश कुमार ताकतवर हैं, बात मनवाने के लिए एनडीए पर दबाव बनाना चाहिए

आरक्षण को 9वीं अनुसूची में डालना होगा, नहीं तो देंगे धरना : तेजस्वी

- भाजपा जातीय जनगणना के खिलाफ है
- अनुसूची -9 में डालने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार के पास है

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते हुए भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हम शुरू से कहते थे कि भाजपा जातीय जनगणना के खिलाफ है। राजद नेता ने कहा कि मनोज झा ने संसद में आरक्षण को 9वीं अनुसूची में डालने को लेकर प्रश्न पूछा था। लेकिन सरकार की ओर से जवाब आया कि नौंवी अनुसूची में डालने का अधिकार राज्य सरकार को है। आगे तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन की सरकार ने

देश में पहली बार किसी राज्य में जाति आधारित गणना करवाई और 65 फीसदी आरक्षण व्यवस्था लागू की। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने अपने आदमियों को कोर्ट में खड़ा कराकर इसे रोकने का प्रयास किया।

इनकी नियत नहीं है कि इसे शेड्यूल-9 में किया जाए

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने पहले कहा था कि अगर आरक्षण को अनुसूची 9 में नहीं डाला जाएगा तो हम धरना देंगे। ओबीसी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डलवाने की मांग रखते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र-बिहार में एनडीए की सरकार है और वे नहीं चाहते हैं कि जो आरक्षण की सीमा बढ़ाई गई है उसे अनुसूची -9 में डाले। हम सुप्रीम कोर्ट के जवाब का इंतजार कर रहे थे। और सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने अपने जवाब में झूठ बोल रही है। अनुसूची -9 में डालने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार के पास है। इनकी नियत नहीं है कि इसे शेड्यूल-9 में किया जाए। इसके अलावा तेजस्वी यादव ने कहा कि आरक्षण की सीमा 65 फीसदी बढ़ाने को लेकर हम लोगों ने केंद्र सरकार से अपील की थी इसे 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए। तमिलनाडु की तर्ज पर इसे भी 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए ताकि इसके साथ कोई छेड़छाड़ ना कर सकें। तेजस्वी ने कहा कि केंद्र में नीतीश कुमार ताकतवर हैं। ऐसे में उनको भाजपा पर दबाव बनाना चाहिए और बात नहीं मानी जाती है तो सरकार गिरा देना चाहिए ।

बोले सम्राट चौधरी... लालू यादव ने किसको दिया है आरक्षण का लाभ

पटना। आरक्षण को लेकर तेजस्वी के सवाल पर भड़के सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव बताएं किसको आरक्षण देने का काम किया है। तेजस्वी ने आरक्षण को नौंवी अनुसूचित में डालने के सवाल को लेकर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तेजस्वी और लालू यादव पर जोरदार हमला बोला है। सम्राट चौधरी ने कहा कि सिर्फ हल्ला करने से काम नहीं चलेगा। राजद के एक नेता को ये बताने का हिम्मत है कि उन्होंने एक भी व्यक्ति को आरक्षण दिया हो। मैं लालू यादव को चैलेंज करता हूं कि वह बताएं किसको आरक्षण देने का काम किया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव के पार्टी में मालिक कौन है। लालू यादव मालिक हैं, कि लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी मालिक हैं, कि लालू यादव का बेटा तेजस्वी यादव मालिक है, कि उनकी बेटी मीसा भारती मालिक है। पता तो बताओ राजद ना संगठन की पार्टी है वह सिर्फ एक व्यक्ति की पार्टी है। आपको मैं स्पष्ट तौर पर कहना चाहता हूं भाजपा कल भी आरक्षण के समर्थन में खड़ा था। कपूर्री ठाकुर के पीठ पर खड़ा रहने की बात हो तो भाजपा और जनसंघ के लोग खड़े थे। मैं स्पष्ट तौर पर कह रहा हूं उनके माता और पिताजी 15 साल तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे, किसको आरक्षण दिया। किसके लिए आरक्षण की बात की है। गरीबों का फिक्कर का दलितों का वोट लिया काम सिर्फ अपना किया भारतीय जनता पार्टी कल भी आरक्षण के साथ खड़ी थी और नीतीश कुमार जी के निर्णय के साथ खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी।

सुपौलः ट्रक में गिट्टी के नीचे दबाकर लायी जा रही थी चालीस लाख रुपये की शराब, जब्त

केटी न्यूज/सुपौल

शराब को बिहार की सीमा में प्रवेश कराने के लिए माफिया नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ताजा मामला सुपौल से सामने आया है जहां पुलिस ने ट्रक में गिट्टी के नीचे छिपाकर लाई गई 40 लाख की शराब को जब्त किया है। दरअसल, जदिया पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की बड़ी खेप जिले में पहुंची है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने वाहन चेकिंग शुरू किया। चेकिंग के दौरान एक हाईवा ट्रक को रूकने का इशारा किया गया, तो हाईवा तेजी से भागने लगा। जिसके बाद टीम द्वारा हाईवा को पीछा करते हुए जदिया पेट्रोल पम्प के सामने उसे धर दबोचा हालांकि इस दौरान तस्कर मौके से फरार हो गए। ट्रक की तलाशी लेने पर गिट्टी के अंदर छिपाकर रखे गये करीब 292 पेटी और 50 बोतल से कुल 2603.955 लीटर अवैध विदेशी शराब जब्त की गई। शराब का ब्लैक मार्केट मूल्य 40 लाख से अधिक आंकी जा रही है। पुलिस फरार तस्करों को गिरफ्तार करने की कोशिश में लगी हुई और और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लेने का भरोसा दिलाया है।सुपौल एसपी शैशव यादव ने बताया कि हमलोगों को गुप्त सूचना मिली थी कि 2 अगस्त 2024 को शराब की एक बड़ी खेप तस्कर द्वारा लाया जा रहा है। उस आधार पर एसएचओ जदिया द्वारा एक टीम गठित कर एनएच 327ई पर सघन वाहन चेकिंग किया गया। ट्रक की तलाशी ली गई तो गिट्टी

आईएएस संजीव हंस व गुलाब यादव पर केस करने वाली से भी होगी पूछताछ, ईडी ने बुलाया

- ईडी की टीम ने महिला को नोटिस भेजकर पटना स्थित कार्यालय में बुलाया
- आईएएस संजीव हंस के खिलाफ ईडी ने भ्रष्टाचार व आय से अधिक संपत्ति से जुड़े कई प्रमाण किया है हासिल
- अधिवक्ता से महिला आयोग का सदस्य बनाने के नाम पर गुलाब यादव ने किया था शारीरिक शोषण

केटी न्यूज/पटना

आईएएस अधिकारी संजीव हंस और राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व एमएलए गुलाब यादव केस में नया मोड़ आ गया है। अब प्रवर्तन निदेशालय ने केस करने वाली महिला को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी की टीम ने महिला को इसके लिए नोटिस भी भेज दिया है। उन्हें पटना स्थित ईडी कार्यालय में आना होगा और अधिकारियों के सवालों का जवाब देना होगा। ईडी के अनुसार, आईएएस अधिकारी संजीव हंस और राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला से पूछताछ होगी। ताकि इस केस में

सारे जानकारी स्पष्ट हो सके। किसी भी समय गिरफ्तारी हो सकती है। बताया जा रहा है कि सीनियर आईएएस अधिकारी संजीव हंस की किसी भी समय गिरफ्तारी हो सकती है। बिहार सरकार ने इस आशंका को देखते हुए उनसे सारे पद छीन लिए हैं। आईएएस संजीव हंस के खिलाफ ईडी ने भ्रष्टाचार व आय से अधिक संपत्ति से जुड़े कई प्रमाण हासिल किए हैं और दूसरी तरफ पटना पुलिस ने उनपर लगे बलात्कार के आरोप को भी सही पाया है। महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया था। इस केस की शुरूआत लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के विधायक रहे गुलाब यादव से हुई थी। जब बिहार में तेजस्वी यादव के साथ सीएम नीतीश कुमार की पहली बार महागठबंधन सरकार बनी थी, तब गुलाब यादव विधायक थे। एक महिला अधिवक्ता को राज्य महिला आयोग की सदस्य बनाने के झांसे में पटना बुलाकर गुलाब यादव ने उनका बलात्कार किया था।

तेज आंधी में पेड़ गिरा, दबकर दो युवकों की मौके पर मौत

नलांदा। नालंदा में अचानक आए आंधी और बारिश के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां बीच सड़क पर बाइक के ऊपर ताड़ का पेड़ गिर गया, जिसके नीचे दबकर दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दरअसल, यह दर्दनाक घटना बिहारशरीफ के कागजी मोहल्ला स्थित पौला पोखर के पास की है। जहां अचानक बाइक सवार के ऊपर ताड़ का पेड़ गिर गया, जिससे बाइक पर सवार दो युवक की मौत हो गई। मृतक इमादपुर मोहल्ला निवासी सजाउल इसलाम और सहवाज हैं। दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर आयुक्त, एसडीओ के अलावे कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे है। घटना से गुस्साए लोगों ने अस्पताल चौराहा के पास सड़क जाम कर दिया और जमकर हंगामा मचाया है। हालांकि बाद में पुलिस के समझाने के बाद मामला शांत हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पार्टी के नेताओं के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

बिहार में 4 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए जल्द घोषित होंगे प्रत्याशियों के नाम : अध्यक्ष

- बैठक में चारों विधानसभा क्षेत्र के अधिकारियों को बुलाया गया
- नरेंद्र मोदी का तीसरा काल संभाला है, उनका यह प्रतिबद्धता है कोई भी भ्रष्टाचारी देश में नहीं बचेगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा की चार सीटों पर उपचुनाव होने वाला है। इसे लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में चारों विधान सभा क्षेत्र के अधिकारियों को बुलाया गया। बैठक को लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चार विधानसभा का उपचुनाव होना है और उन चार विधानसभा के पदाधिकारी और कार्यकताओं के साथ एक समीक्षा बैठक हुई है कि आगे के रणनीति पर कैसे काम होना है। उम्मीदवारों को लेकर दिलीप जायसवाल ने कहा की किस सीट पर कौन लड़ेगा यह अंदरूनी तय हो गया है जल्द ही आपको बता दिया

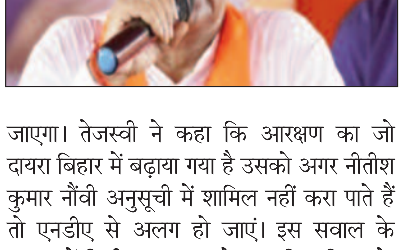

जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि आरक्षण का जो दायरा बिहार में बढ़ाया गया है उसको अगर नीतीश कुमार नौंवी अनुसूची में शामिल नहीं करा पाते हैं तो एनडीए से अलग हो जाएं। इस सवाल के जवाब में दिलीप जासवाल ने कहा कि प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और उनके परिवार को आरक्षण पर बोलने का कोई हक नहीं है क्योंकि जब तक वह लोग सत्ता में रहे उनको आरक्षण का याद नहीं आया। जब तक लालू यादव सत्ता में रहे तब तक कोई आरक्षण देने का काम किया क्या। जो व्यक्ति जो आज तक आरक्षण देने का काम नहीं किया वो अब दूसरे के बांसुरी पर ताल दे रहा हैं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही आरक्षण का मुद्दा आया। आरक्षण विधानसभा, विधान परिषद में पास हुआ और उसको कैसे अमली जामा पहनाना है उसकी चिंता भी नीतीश कुमार का नेतृत्व कर रहा है। मैं बार-बार बोल रहा हूं सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि अभी इस पर हम सितंबर में सुनवाई करके फैसला लेंगे। लालू यादव जी को या तेजस्वी यादव को आरक्षण पर बोलने का कोई हक नहीं है। यह लोग सिर्फ आरक्षण के नाम पर जाति को बांटने का काम करते हैं। इन लोगों को कोई भी पिछड़ों से प्यार नहीं है। तेजस्वी यादव विपक्ष में है उनके पास कोई काम नहीं है तो कोई रोजगार तो ढूंढेंगे। राहुल गांधी को ईडी का डर सताने पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि इस देश में जो भी गलत करेगा नरेंद्र मोदी का तीसरा जो काल जिसमें उन्होंने सत्ता संभाला है, उनका यह प्रतिबद्धता है कोई भी भ्रष्टाचारी देश में नहीं बचेगा। राहुल गांधी जी अपना खुद मूल्यांकन करें। संजीव हंस पर हो रही ईडी की कार्रवाई को लेकर दिलीप जायसवाल ने कहा कि कार्रवाई बिहार में शुरू हो गया है। अभी तो एक संजीव हंस है।

फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर मुखिया पंचायतों में करेंगे एमडीए राउंड की शुरूआत

- स्वास्थ्य विभाग व सहयोगी संस्थानों के द्वारा सभी पंचायतों के मुखियागणों का किया जा रहा उन्मुखीकरण

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में 10 अगस्त से शुरू होने वाले सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस बार एमडीए को सफल बनाने में जिला स्वास्थ्य समिति से लेकर जिला प्रशासन भी प्रयासरत है। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों के अंतर्गत स्थित पंचायतों के मुखिया, वार्ड सदस्य व सरपंचों को भी इस बार अभियान में शामिल किया जा रहा है। सभी पंचायतों के मुखियागणों का उन्मुखीकरण भी किया जा रहा है। ताकि, इस बार एमडीएम राउंड के दौरान पंचायतों और वार्ड में चलाए जाने वाले अभियान को सुदृढ़ किया जा सके।

इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि सरकार व जनता के बीच में मुखिया व पंचायत के अन्य जनप्रतिनिधि एक मजबूत कड़ी के रूप में काम करते हैं। जिसके कारण सरकार ने इस बार मुखियागणों को एमडीए राउंड में सहभागिता देने पर जोर दिया है। ताकि, गांवों में सामुदायिक स्तर पर लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करने के लिए जागरूक किया जा सके।

मुखिया गणों ने उठाई अपनी पंचायत को फाइलेरिया मुक्त करने की जिम्मेदारी : राज्य का हर पंचायत अब फाइलेरिया मुक्त होगा। सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम में अब मुखिया अपने पंचायत के सभी लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाने में आगे बढ़कर सहयोग करेंगे। हाल ही में इस संबंध में हुए राज्य स्तरीय बैठक में पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने स्पष्ट किया था कि एमडीए अभियान के दौरान राज्य के सभी पंचायत के मुखिया अपनी पंचायत के लोगों को जागरूक कर दवा सेवन के लिए प्रेरित करेंगे। सभी पंचायत के मुखिया जिला, प्रखंड तथा ग्राम स्तर पर जागरूक अभियान चलाएंगे। इसी क्रम में अलग-अलग जिले में पंचायत के जनप्रतिनिधियों का एमडीए अभियान से संबंधित उन्मुखीकरण किया गया है। मुखिया गणों ने भी ऐसे उन्मुखीकरण कार्यक्रमों में अपनी पंचायतों में सभी योग्य लाभार्थियों को दवा का सेवन करवाकर स्वस्थ एवं फाइलेरिया मुक्त पंचायत का उदाहरण प्रस्तुत करने का संकल्प व्यक्त किया है।

पंचायतों में मुखिया भी करेंगे एमडीए राउंड का प्रचार प्रसार

एसीएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत ने भी इस संबंध में पंचायती राज विभाग समेत सभी सहयोगी विभागों व संस्थानों को पत्र जारी किया है। जारी पत्र के अनुसार पंचायतों में मुखिया गणों द्वारा मुनादी एवं पीए सिस्टम के माध्यम से लोगों को 10 अगस्त से शुरू होने वाले एमडीए अभियान के बारे में सूचना प्रदान करेंगे। साथ ही समुदाय को जागरूक करने हेतु ग्राम व पंचायत पर ग्राम सभा तथा आम सभा का आयोजन कर एमडीए का प्रचार-प्रसार करेंगे। सबसे जरूरी बात यह है कि इस बार मुखिया गण स्वयं फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर पंचायत में एमडीए राउंड की शुरूआत करेंगे।

खबरें फटाफट

बंदूक का भय दिखा युवक ने लूटी महिला की अस्मत

बक्सर। एक युवक ने महिला को हथियार का भय दिखाकर जबरदस्ती उसकी अस्मत लूट ली। पीड़िता ने जब खुद के साथ हुई इस घटना को परिजनों से उजागर करने की बात कही तो आरोपी ने भेद खोलने पर महिला के पति को जान से मारने की धमकी देकर इसकी शिकायत नहीं करने पर मजबूर कर दिया। लिहाजा दो बार तो पीड़िता चुप रही और घरवालों को इसकी जानकारी नहीं दी। लेकिन तीसरी बार जब उससे जबरदस्ती करने का प्रयास किया तो वह शोर मचाने लगी। जिससे आरोपी आक्रोशित हो गया और उसके पति की हत्या करने की चेतावनी देते हुए भाग गया। यह वाकया ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जिसको लेकर पीड़िता ने भोला चौधरी के खिलाफ महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया गया है। शिकायत है कि दो माह पूर्व अकेले अपने घर में सोई थी। उसी समय रात को भोला आ धमका और कट्टा का भय दिखाकर उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद घटना का भेद खोलने पर उसके पति को जान से मारने की धमकी दिया। उसके साथ बलात्कार की घटना दो बार घटी। फिर 29 जुलाई को भी वह पहुंचा तो वह हो-हल्ला करने लगी। जिससे वह धमकी देकर वहां से फरार हो गया।

बराकर स्टेशन के पास धर्मशाला में तीन दिनों से रूके हुए थे बक्सर के तीनों कुख्यात

शेरघाटी कोर्ट में फोटू खां पर हमला करने वाले अपराधी बंगाल से गिरफ्तार

- घटना के दिन बक्सर के दो अपराधियों को स्थानीय पुलिस ने मौके से किया था गिरफ्तार
- गया पुलिस ने फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए रखा था ईनाम

गिरफ्तार सभी अभियुक्तों पर बक्सर जिले के विभिन्न थानों में दर्ज है कई आपराधिक मामले

केटी न्यूज/बक्सर

24 जुलाई को गया जिले के शेरघाटी कोर्ट में पेशी के लिए आए कुख्यात अपराधी फोटू खां पर जानलेवा हमला के तीन आरोपियों को गया पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। तीनों अपराधी बक्सर जिले के रहने वाले है। इसके पहले घटना के दिन भी बक्सर के दो अपराधियों की गिरफ्तारी स्थानीय पुलिस ने भागने के दौरान कर लिया था। उनकी गिरफ्तारी पश्चिम बंगाल के आसनसोल जिले के कुल्टी थाना क्षेत्र के बराकर से की गई है। गया पुलिस ने जिन तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है उनका बक्सर में अपराधि रिकार्ड हैं।

घटना के दिन गिरफ्तार राहुल उपाध्याय भी पूर्व में लूट व हत्या जैसे संगीन मामलों में संलिप्त रहा है। गया पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी या उनके संबंध में सूचना देने के लिए ईनाम भी रखा था। मिली जानकारी के अनुसार कोर्ट परिसर में घुस ताबड़तोड़ फायरिंग करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए गया पुलिस ने नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक टीम गठित किया था। इस टीम ने तकनीकी साधानों तथा अन्य आधार पर उनके आसनसोल के बराकर में छिपे होने की जानकारी हासिल की तथा छापेमारी कर तीन को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में बक्सर औद्योगिक थाना क्षेत्र के सारिमपुर के सिराज सिद्धीकी उर्फ पाली पिता अख्तर अली, इसी मोहल्ले के इदानी खां उर्फ ताकिर पिता भोला खां तथा सिकरौल थाना क्षेत्र के बेलाव गांव निवासी मेंहदी हसन उर्फ अंतिम पिता सदरूद्दीन के अलावे इस मामले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गोसाईपुर गांव निवासी राहुल उपाध्याय पिता घनश्याम उपाध्याय को गिरफ्तार किया है।

कुख्यात है गिरफ्तार सभी अपराधी : बक्सर पुलिस की माने तो शेरघाटी कोर्ट परिसर में कुख्यात फोटू खां पर गोलीबारी मामले में गिरफ्तार किए गए सभी अपराधी कुख्यात हैं तथा उनपर पूर्व से भी बक्सर जिले के कई थाना में हत्या, लूट, मारपीट, आर्म्स एक्ट जैसे संगीन धाराओं में मामले दर्ज है। पुलिस के अनुसार सिराज सिद्धीकी पर बक्सर नगर थाने समेत मुफस्सिल, औद्योगि, चक्की तथा रोहतास के कोचस थानों में कुल आठ मामले दर्ज है। सिराज के साथ मिल अपराध की दुनिया में पैर पसारने वाले इदानी खां उर्फ ताकिर पर जिले के विभिन्न थानों में सात मामले दर्ज है। इनमें दो मामलों में वह सिराज के साथ नामजद है। जबकि बेलाव के मेंहदी हसनउ र्फ अंतिम पर सिकरौल थाने में हत्या का जबकि राहुल उपाध्याय पर कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में सीएसपी संचालक से लूट के दौरान गोली मार हत्या तथा आर्म्स ऐक्ट के मामले दर्ज है। बक्सर पुलिस की मानें तो पाली हाल ही में बेल पर बाहर आया था।

कोर्ट परिसर में घुस फोटू को मारने का किया था प्रयास : बता दें कि गिरफ्तार अपराधियों ने 24 जुलाई को गया जिले के शेरघाटी कोर्ट में पेशी के लिए लाए गए कुख्यात फोटू खां को जान से मारने का प्रयास किया था। इस दौरान करीब आधा दर्जन अपराधियों ने पुलिस कस्टडी में ही फोटू पर पर गोलियां चलाई थी। जिसमें फोटू खां बाल बाल बच गया था। जबकि उसे कोर्ट लेकर आए एक सिपाही के हाथ में गोली लगी थी। पुलिस ने तत्काल नाकेबंदी कर भाग रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया था। उनकी निशानदेही पर ही इन चारों को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब हो कि फोटू खां रालोजपा नेता अनवर अली खां के हत्या का मुख्य आरोपी है।

तीनों ने एक माह के लिए बुक किया था रूम

पुलिस सूत्रों के अनुसार तीनों आरोपितों ने बराकर स्टेशन रोड स्थित अग्रशेन भवन धर्मशाला में एक महीने के लिये रूम बुक किया था। बराकर मनबड़िया के रहने वाले एक ऑटो चालक ने अपना रिस्तेदार बताकर रखवाया था और मेहंदी हसन ने अपना आधार कार्ड का फोटो कॉपी जमा कराया था और वह वहां तीन दिनों से रह रहे थे। बताया जा रहा है कि यह तीनों आरोपी धर्मशाला में रुकने से पहले बराकर बस स्टैंड में मौजूद औरिएंट लॉज में भी रुके थे। साथ ही, तीनों आरोपी नियामतपुर स्थित रेडलाईट इलाका दिशा यौनपल्ली में भी पिछले सात दिनों से जा रहे थे। जहां प्रति दिन वो शराब शवाब के साथ-साथ हर तरह के ऐसो आराम पर लाखों रुपये उड़ा रहे थे। बताया यह भी जा रहा की यह तीनों आरोपी बिहार पुलिस से छुपके रहने के अलावा आसनसोल में एक बड़े अपराध की घटना को अंजाम देने वाले थे।

शराब के नशे में धुत डॉक्टर अमित ने एमओआईसी को जड़ा थप्पड़, गिरफ्तार

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

शराब के नशे में धुत एक डॉक्टर ने चिकित्सा पदाधिकारी को थप्पड़ जड़ दिया है। चिकित्सा पदाधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने उक्त चिकित्सक को गिरफ्तार कर मेडिकल जांच कराया, जहां शराब पीने की पुष्टि होने के बाद उन्हें कोर्ट के समक्ष भेजने की तैयारी हो रही है। मामला रघुनाथपुर सीएचसी का है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सीएचसी में पोस्टेड डॉक्टर अमित कुमार अस्पताल पहुंचे तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी गोपाल कृष्ण यादव से पूर्व के अनुपस्थिति के दौरान का हाजिरी बनाने की जिद करने लगे। लेकिन, उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच तू-तू, मैं-मैं शुरू हुई। इसी दौरान डॉ. अमित ने उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। हो हल्ला सुन अस्पतालकर्मी चिकित्सा पदाधिकारी के कक्ष में पहुंचे तथा देखे कि डॉ. अमित चिकित्सा पदाधिकारी से भिड़े है। इसके बाद कर्मियों ने ही इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉक्टर अमित को हिरासत में लिया। थाना प्रभारी सुरेश प्रसाद सिंह ने बताया कि जांच में डॉक्टर अमित के शराब पीने की पुष्टि हो चुकी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। जिस कारण उनका पक्ष नहीं लिया जा सका। वैसे जानकारों का कहना है कि आरोपी डॉक्टर की करतूत से विभाग की किरकिरी हुई है तथा उनपर विभागीय कार्रवाई की गाज गिरनी तय है। वहीं, रघुनाथपुर में पूरे दिन इस घटना की चर्चा होते रही।

नौकरी की तलाश में दिल्ली गए कोपवां के युवक की संदेहास्पद परिस्थिति में हुई मौत, पसरा मातम

- गुड़गांव के हिरो होंडा चौक के पास गली में पड़ा था शव, गायब मिला बैग तथा सामान
- 30 जुलाई को डुमरांव से श्रमजीवी एक्सप्रेस पकड़ दिल्ली गया था मृतक

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के कोपवां गांव के एक युवक की दिल्ली से सटे हरियाणा के गुड़गांव शहर में संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई है। उसका शव गुड़गांव के हिरो होंडा चौक के पास एक गली में लावारिश हालत में पड़ा था। हरियाणा पुलिस ने ही 31 जुलाई की शाम करीब छह बजे घरवालों को फोन कर इस मनहूस घटना की जानकारी दी।

मृतक की पहचान कोपवां के स्व. हरिवंश सिंह के 36 वर्षीय पुत्र विजय सिंह उर्फ मुन्ना के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। उसके भाई तथा गांव के अन्य लोग दौड़े भागे गुड़गांव पहुंचे तथा पोस्टमॉर्टम के बाद शव लेकर पैतृक गांव आए। शुक्रवार की शाम उसका अंतिम संस्कार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार वह पहले दुबई में काम करता था। दो वर्ष पहले गांव आया था। बच्चों की अच्छी परवरिश की उम्मीद लेकर वह 30 जुलाई को श्रमजीवी एक्सप्रेस से दिल्ली के निकला था। दिल्ली में उतरने के बाद वह अपने दोस्त के पास गुड़गांव जा रहा था। उसके भाई ने बताया कि वह जिस दोस्त के पास जा रहा था उसका नंबर बंद था तथा वह पैदल ही हिरो होंडा चौक के पास से अपने दोस्त को खोजते जा रहा था। लेकिन उसकी मौत कैसे हुई, इस संबंध में किसी को कुछ जानकारी नहीं मिल सकी है। उसका सामान तथा बैग भी गायब है।

हरियाणा पुलिस ने उसके पॉकेट से 620 रूपए बरामद किए थे, जो परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से ही मृतक की पत्नी ममता देवी, बेटी शिवानी तथा दोनों बेटे भोलू और गोलू का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। कहा तो वह अपने बच्चों की अच्छी परवरिश तथा शिक्षा दिलाने की हसरत लेकर निकला था, लेकिन लौटकर लाश आई है।

आत्मा के द्वारा दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक वार्तालाप का आयोजन, कृषि वैज्ञानिकों ने दिये खेती के आधुनिक टिप्स

ऑनलाइन मोड में शुरू है कृषि योजनाओं का कार्यान्वयन: डीएओ

केटी न्यूज/बक्सर

किसानों को वैज्ञानिकों का साथ मिले तो हरित क्रांति का सपना खेतों में अवश्य दिखेगा। इस मद्येनजर आत्मा के तत्वावधान में संयुक्त कृषि भवन, बक्सर के सभागार में दिन शुक्रवार को दो दिवसीय कृषक वैज्ञानिक वातार्लाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक,आत्मा अविनाश शंकर, वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान डॉ. देव करण, पौधा संरक्षण विशेषज्ञ राम केवल व जिलास्तरीय पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। वहीं मंच संचालन आत्मा की उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने निभाई। जिला कृषि पदाधिकारी-सह-आत्मा के परियोजना निदेशक अविनाश शंकर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आपका हर दिन सूरज की पहली किरण के साथ शुरू होता है। आपके चेहरे पर मुस्कान बिखरने हेतु मैं सतत प्रयासरत रहूंगा। आगे उन्होंने कहा कि इस वार्तालाप का मुख्य उदेश्य एक मंच के माध्यम से कृषक एवं वैज्ञानिक के बीच संवाद कराना है, ताकि संवाद के दौरान खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली फसलों में हो रहे समस्याओं का समाधान किया जा सके।

कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अब सभी योजनाओं का कार्यान्वयन ऑनलाइन मोड में किया जा चुका है। इसका लाभ लेने हेतु कृषि विभाग के वेबसाईट www.dbtagriculture.gov.in पर जानकारी हासिल कर सकते हैं। योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी हेतु अपने सम्बंधित पंचायत के कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार, बीटीएम, एटीएम से संपर्क कर सकते हैं।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान किसानों ने खरीफ मौसम सम्बंधित समस्याओं से वैज्ञानिकों को अवगत कराया। कृषि विज्ञान केन्द्र,बक्सर के वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान डॉ. देवकरण ने बताया कि फसलों का ससमय प्रबंधन न होने से उत्पादन प्रभावित होता है। इस हेतु समयानुसार फसल प्रबंधन बेहद जरुरी है। उन्होंने 16 पोषक तत्वों के महत्व पर चर्चा की, जिसमें अधिकतर कृषक चार पोषक तत्वों नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश तथा जिंक के व्यवहार से अवगत हैं, शेष पोषक तत्वों के महत्व को जानने की आवश्यक्ता है ताकि उसकी ससमय भरपाई की जा सके। उन्होंने फसलों में रोग की पहचान कर कृषि वैज्ञानिक या प्रशिक्षित डीलर के सलाह से अनुशंसित मात्रा में कीटनाशक दवा प्रयोग करने की सलाह दी। केवीके के पौधा संरक्षण विशेषज्ञ रामकेवल ने बताया कि फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्व अत्यधिक पैदावार के कारक हैं। धान की फसलों में खैरा रोग से ग्रसित होने पर जिंक का प्रयोग फायदेमंद है वही आवश्यक्तानुसार मृदा जांच कराकर सूक्ष्म पोषक तत्वों की पूर्ति करना जरुरी होता है ताकि पैदावार में आशातीत बढ़ोतरी हो।

एक नजर

नैनीजोर के बिहार घाट पर मछली पकड़ने के दौरान डूबने से युवक की मौत, तलाश जारी

ब्रह्मपुर। नैनीजोर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव के बिहार घाट के पास गंगा में डूबने से एक युवक की मौत हो गई है। घटना गुरूवार शाम की है। रात को परिजनों को इसकी जानकारी मिली तथा स्थानीय पुलिस व प्रशासन को सूचना दी गई। शुक्रवसार को पूरे दिन प्रशासन तथा पुलिस द्वारा स्थानीय नाविको व गोताखोरों के माध्यम से शव की तलाश करवाई जा रही थी। लेकिन, समाचार लिखे जाने तक सफलता नहीं मिली थी। मृतक की पहचान नैनीजोर के भीम गोंड के 28 वर्षीय पुत्र राजकुमार गोंड के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वह गुरूवार की शाम करीब पांच बजे अपने घर से बिहार घाट पर गंगा नदी में मछली पकड़ने के लिए पिंजड़ा जाल डालने गया था। लेकिन रात तक जब घर नहीं लौटा तो परिजन उसे खोजते नदी के तरफ गए। बिहार घाट पर गंगा किनारे एक जगह पर उसका कपड़ा व मोबाईल मिला। जिससे परिजनों को उसके डूबने का अहसास हुआ तथा पुलिस और प्रशासन को इस घटना की जानकारी दी गई। इस घटना के बाद परिजनों में क्रंदन चित्कार मचा है। शव नहीं मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ गई है। पुलिस का कहना है कि शव की तलाश करवाई जा रही है।

एक दर्जन से अधिक स्कूलों का नहीं मिला बिजली का कनेक्शन, गर्मी में बच्चे परेशान

डुमरांव। स्कूलों में बिजली कनेक्शन देने का सरकारी आदेश के बाद भी विभाग इस पर तत्परता नहीं दिखा रहा है। डुमरांव प्रखंड के एक दर्जन से अधिक ऐसे स्कूल हैं, जहां बिजली का कनेक्शन हुआ ही नहीं है। बिजली का कनेक्शन स्कूलों में नहीं होने से उस पोषक क्षेत्र के अभिभावकों में काफी आक्रोश है। इस संबंध में जब बीआरपी अविनाश कुमार और अभिनंदन कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया की विभाग के जेई और एई को कईबार हेडमास्टरों के द्वारा आवेदन दिया गया और बीआरसी से भी सूचना दी गई, लेकिन कनेक्शन नहीं दिया गया। बताया जाता है कि जिस स्कूल में बिजली का कनेक्शन नहीं दिया गया है, उसमें गोपालडेरा, बांके बिहारी संस्कृत विद्यालय नेनुआ, प्राथमिक विद्यालय नेनुआ, मध्य विद्यालय नेनुआ, उर्दू विद्यालय कसियां, प्राथमिक विद्यालय बनकट, छतनवार, मठिया, सरौराडेरा, आचारीडेरा, संस्कृत स्कूल कोरानसराय, कोरानसराय मुसहरटोली, रामनाथ के डेरा, कचईनिया, सुघरडेरा, रामवृक्ष के डेरा स्कूल में बिजली का कनेक्शन नहीं मिल पाया है। इसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। जब ज्यादा गर्मी पड़ रही थी, तो जहां बिजली नहीं थी, उस स्कूल में बच्चों की उपस्थिति भी कम थी। उस पोषक क्षेत्र के अभिभावकों का कोपभाजन शिक्षकों को बनना पड़ता था। बता दें की भीषण गर्मी के कारण कई छात्र-छात्राएं बेहोश हो गए थे, जिन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ गया था। स्कूल के शिक्षक तत्पर हैं, लेकिन विभाग नहीं है।

मुगांव में बैठक के दौरान बीडीओ ने कर्मियों को स्वच्छता अभियान में तेजी लाने का दिया निर्देश

डुमरांव। मुंगांव ग्राम पंचायत के डब्लूपीयू में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संदीप पांडेय द्वारा सभी स्वच्छता कर्मी, स्वच्छता पर्यवेक्षक के साथ बैठक कर स्वच्छता के कार्य में और प्रगति लाने पर विचार किया गया। सभी स्वच्छता कर्मियों को निर्देश दिया गया कि अपने वार्ड में प्रतिदिन साफ सफाई का कार्य सही तरीके से करें, नियमित सफाई को बनाएं रखने के लिए प्रति परिवार से 30 रुपए उपयोगिता शुल्क के रूप में प्राप्त करने को कहा गया, ताकि स्वच्छता कर्मियों को नियमित मानदेय प्राप्त होता रहे तथा रिक्शा इत्यादि की मरम्मती का कार्य भी निर्बाध रूप में होता रहे। डब्लूपीयू के आस पास कुछ लोग भी मौजूद थे उन्होंने भी बीडीओ को भरोसा दिया कि यदि नियमित साफ सफाई होते रहे तो उपयोगिता शुल्क देने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। इसके बाद प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण कर अविलंब गुणवत्तापूर्ण कार्य कर निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया गया।

11वीं व 12वीं वर्ग के बच्चों को मिलेगी पाठ्य पुस्तक

डुमरांव। सरकार ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बच्चों को हमेशा प्रोत्साहित करने का काम किया है। पहले स्कूलों में मध्य विद्यालय तक ही पुस्तक का वितरण विद्यार्थियों में होता था। उसे दशवीं तक कर दिया गया। अब 12वीं वर्ग तक की पुस्तक उन्हें दिया जाएगा। विभाग ने हर बीआरसी में इन वर्गों के किताब को भेजना शुरू कर दिया है। किताब के साथ डिक्शनरी भी भेजी जा रही है। शुक्रवार को बीआरसी में किताबों को उतार सुरक्षित रखा जा रहा था। जो किताब भेजी गई है, उसके साथ तीन नोट बुक, एक्सफोर्ड की डिक्शनरी, एटलस के साथ पेन भी दिया जा रहा है। किताब को शीघ्र ही स्कूलों में भेज दिया जाएगा।

डुमरांव में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए लोगों में बढ़ रहा उत्साह, शहर में लगे आठ कैंप

डुमरांव। आयुष्मान कार्ड बनाने की तारीख बढ़ने के साथ ही इसे बनाने को लेकर लोगों की भीड़ स्थानीय शहर में लगे विभिन्न कैंपों में दिखने लगा हैं। इस अभियान के तहत राशन कार्ड धारकों को आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील स्थानीय प्रशासन द्वारा की जा रही हैं। इस दौरान शहर में कुल आठ मुख्य जगहों पर कैंप लगाये गये हैं। जहां कर्मियों द्वारा इसे बनाया जा रहा हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि योग्य लाभुकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 18 जुलाई से सात अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए दिये गए आवश्यक दिशा निदेर्शों के पालन में कोताही बरते जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को इलाज कराने में काफी सहूलियत होगी। लाभुकों को पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज कराने की सुविधा प्राप्त है। अधिकारियों द्वारा राशनकार्ड धारकों से पीडीएस दुकानों सहित विभिन्न जगहों पर लगे कैंप पर जाकर इसका लाभ लेने की अपील की।

हर हर महादेव के नारों से गूंजते रहे शिवालय, लाखों श्रद्धालुओं ने महादेव पर किया जलाभिषेक

- सावन माह के शिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब, बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर में उमड़ी सर्वाधिक भीड़

केटी न्यूज/बक्सर/ब्रह्मपुर

पवित्र सावन मास की शिवरात्रि के अवसर पर जिलेभर के शिवालयों में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था। अहले सुबह से दोपहर तक शिवभक्तों द्वारा विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक, रूद्राभिषेक, पार्थिव पूजन तथा अन्य विधानों से देवाधिदेव महादेव की पूजा अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भांग, धतूर, बेलपत्र, शमीपत्र, दूब, दूध तथा कई प्रकार के फूल चढ़ा महादेव को प्रसन्न करने का प्रयास किया गया। सबसे अधिक भीड़ ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ के दरबार में उमड़ी थी।

शिवरात्रि पर बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में लाखों लोगों ने जलाभिषेक किया। रात से ही रिमझिम बारिश हो रही थी, लेकिन श्रद्धालुओं का तांता दोपहर तक कम नहीं हुआ। एक अनुमान के मुताबिक एक लाख से ऊपर लोगों ने दर्शन व पूजन किए हैं। प्रत्येक साल की भांति इस साल भी दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा बरमेश्वर नाथ धाम पहुंचे। जिले के बाहर के श्रद्धालु एक दिन पहले ही ब्रह्मपुर पहुंच गए थे। जिले से सटे होने के कारण बलिया, गाजीपुर तथा भोजपुर से हजारों की संख्या में भक्त दर्शन को पहुंचे। सुबह 2रू00 बजे से मंदिर का पट खोल दिया गया था,उसी समय से जलाभिषेक होना शुरू हो गया। प्रशासनिक व्यवस्था भी काबिले तारीफ थी। मंदिर प्रबंधन द्वारा भी मुश्तैदी दिखाई गई।

मिनी देवघर के रूप में विख्यात है बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर : बता दें कि देवघर की भांति बाबा बरमेश्वर नाथ का मंदिर अति प्राचीन और विख्यात है। किवदंतियों के अनुसार स्वयं सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी ने इस मंदिर की स्थापना अपने हाथों से की थी, जिसके कारण इस नगरी का नाम ब्रह्मपुर पड़ा। सावन के महीने में बक्सर स्थित गंगा के रामरेखा घाट से श्रद्धालु जल भरकर 40 किलोमीटर की दुरी पैदल चलते हुए बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर पहुंचते हैं। मान्यता के अनुसार जो भी भक्त पूरी श्रद्धा भक्ति से यहां कावर चढ़ाता है, उसकी मनोकामना बाबा बरमेश्वर नाथ अवश्य पूरी करते हैं। इसी से इनका नाम मनोकामना लिंग के भी बारे में विख्यात है।

@डुमरांव : शिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

डुमरांव। स्थानीय शहर के विभिन्न शिवालयों में शिवरात्रि के अवसर पर जलाभिषेक को लेकर अप्रत्याशित भीड़ पूरे दिन कायम रही। अहले सुबह ही शहर के बाबा जंगलीनाथ महादेव मंदिर, महाकाल मंदिर, महरौरा शिव मंदिर, शहीद पार्क शिव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में जलाभिषेक को लेकर श्रद्धालु पहुंच गये और देर शाम तक जलाभिषेक किया। इस दौरान विभिन्न शिव मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जहां शाम को बाबा की महाआरती के साथ श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान मंदिरों में भी जलाभिषेक को लेकर पूरे दिन काफी चहल-पहल बनी रही। बाबा जंगलीनाथ मंदिर में अप्रत्याशित भीड़ के कारण दर्शन पूजा अर्चन को लेकर काफी मशक्कत करना पड़ा। मंदिर प्रबंधन द्वारा श्रद्धालुओं को पंक्ति में लगकर बारी बारी से दर्शन करने की अपील किया। जिससे अव्यवस्था कायम नहीं हो सके। शिवरात्रि के पर्व पर खास तौर पर महिलाए इस दिन वर्त रखती हैं। शिवरात्रि को लेकर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए विशेष तैयारी की जाती है। मान्यता है कि शिवरात्रि में भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। वहीं कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर फल-फूल के साथ विभिन्न तरह के दुकानों को भी लगाया गया था।

खबरें फटाफट

सांप के काटने से युवक की मौत

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के किसुनदासडीह गांव में एक सर्प के काटने से एक युवक की मौत हो गई। किशुनाथडीह निवासी जितेंद्र सिंह यादव के बेटे अंकित कुमार उर्फ गायबा को कल शाम में सांप ने काट लिया। जिस कारण से उसकी मृत्यु हो गई। बताया जाता है कि घटना के बाद ये लोग झाड़ फूंक के लिए मोथा ले गए। वहां से फिर गोडारी में स्थित बकस बाबा के पास ले गए। उसके बाद भोजपुर जिला के नवानगर के पास रूपसागर ले गए। स्थिति गंभीर होने के बाद रूपसागर में अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

घेराबंदी करने पर रोक सीओ ने लगाई

नोखा। नोखा थाना क्षेत्र के ठेकही टोला गुड़िया गांव के पास मुख्य सड़क पर ईट गिरकर के निर्माण कार्य करने पर सीओ ने रोक लगा दी। जिसको पर सीओ मधुसूदन चौरसिया ने बताया कि नोखा नोनसारी पथ से ठेकही रामपुर होते हुए पहाड़पुर जाबरा तक जाने वाली सड़क पर गुड़िया गांव के पास एक व्यक्ति द्वारा मुख्य सड़क पर ईट लगा कर पक्का निर्माण करते हुए मुख्य सड़क घेराबंदी शुरू कर दी। रस्सी बांधकर के यातायात बाधित कर दिया। आनेजाने लोगों से कहा कि यह मेरी निजी जमीन है। जिसको लेकर सीओ मधुसूदन चौरसिया को सूचना मिली तो घटनास्थल पहुंचे और जाकर निर्माण कार्य को रुकवाया।

अपर समाहर्ता ने भूमि उप समाहर्ता व सभी सीओ के साथ की समीक्षात्मक बैठक

दाखिल खारिज के लंबित मामलों का एक सप्ताह में निष्पादन कराएं: एडीएम

- अब तक नहीं हो पाया है शत प्रतिशत आधार सीडिंग का काम, सीओ को लगाई फटकार

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह की अध्यक्षता में राजस्व संबंधित प्राथमिकता वाले प्रगति के बिंदु पर सभी अंचल अधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता के साथ बैठक की गई। बैठक में सरकार के निदेर्शानुसार जून 2024 के समाप्ति तक शत प्रतिशत आधार सीडिंग का काम कर लेना था। जिसके विरुद्ध जिला का औसत आधार सीडिंग 72.40 प्रतिशत है। 60 प्रतिशत से कम प्रगति वाले सभी राजस्व कर्मचारियों से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया तथा एक माह के अंदर शत प्रतिशत आधार सीडिंग करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के अंदर आधार सीडिंग का काम पूरा नहीं होने पर संबंधित सीओ को फटकार भी लगाई।

भूमिहीनों का पर्चा तैयार कर अपलोड करने का दिया निर्देश : गरीब भूमिहीन परिवारों के लिए अभियान बसेरा- 2 सरकार का महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना है। परंतु अंचल अधिकारियों के द्वारा गंभीरता पूर्वक कार्य नहीं करने के कारण इसमें अपेक्षित प्रगति नहीं है। भूमि सुधार उप समाहर्ता द्वारा भी इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया के अभियान के रूप में पर्चा तैयार कर अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही बीपीपीएचटी का पर्चा भी प्रमुखता के साथ उपलब्ध कराएंगे।

दाखिल खारिज के लंबित मामलों का शीघ्र हो निष्पादन : समीक्षा के दौरान अपर समाहर्ता ने पाया कि दाखिल खारिज के 35 दिनों से ज्यादा वाले 1676 मामले तथा 75 दिनों से ज्यादा वाले 820 मामले लंबित हैं। सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि एक सप्ताह के अंदर सभी लंबित मामले का निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे। वही लगान वसूली की स्थिति में संतोषप्रद नहीं है। अभी तक केवल 7.63 प्रतिशत लगान की वसूली की गई है। जबकि माह जुलाई में 20 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 25 प्रतिशत की वसूली की जानी है। सबसे कम वसूली करने वाले अंचल के राजपुर, इटाढ़ी, नावानगर, सिमरी के सीओ से स्पष्टीकरण पूछा गया तथा निर्देश दिया गया कि सप्ताह में तीन दिन लगान वसूली के लिए कैंप लगाना सुनिश्चित करेंगे।

भूमि उप समाहर्ता को दिया गया अंचल के निरीक्षण का जिम्मेदारी : बैठक में उपर समाहर्ता ने बक्सर व डुमरांव के भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अपने स्तर से गंभीरतापूर्वक अंचल का निरीक्षण व अनुश्रवण करना सुनिश्चित करेंगे। ताकि अंचल स्तर पर राजस्व संबंधी प्रमुख कार्यों में अपेक्षित प्रगति दिखाई दे। इसके साथ ही नीलाम पत्र, मुख्यमंत्री जनता दरबार, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं सीपी ग्राम संबंधी परिवाद पत्र का निष्पादन उच्च प्राथमिकता के आधार पर करने हेतु सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया। साथ ही माननीय उच्च न्यायालय संबंधी सभी वादों में तथ्य विवरणी एक सप्ताह के अंदर समर्पित करने का निर्देश भी बैठक में दिया गया।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन में लाएं तेजी: डीएम

- डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई उद्योग विभाग की बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को उद्योग विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के महाप्रबंधक द्वारा बताया गया कि वर्तमान में शत प्रतिशत ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रिय निकायों का पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग करा लिया गया है। आवेदनों का प्रथम स्तर पर ग्राम पंचायत एवं स्थानीय शहरी निकाय द्वारा डेस्कटॉप वेरीफिकेशन किया जाता है तथा द्वितीय स्तर पर महाप्रबंधक द्वारा फील्ड वेरीफिकेशन कर आवेदनों का सत्यापन कर राज्य स्तर पर अग्रसारित किया जाता है। वर्तमान में 15 हजार 630 आवेदकों द्वारा योजना अंतर्गत आवेदन किया गया है। जिसमें से प्रथम स्तर पर ग्राम पंचाय व स्थानीय शहरी निकाय के 4103 आवेदनों को अग्रसारित किया गया है। जिसमें से 767 आवेदनों को जिला स्तर से राज्य स्तर पर अग्रसारित किया गया है।

द्वितीय स्तर के लंबित आवेदनों के निष्पादन का दिया निर्देश : जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि द्वितीय स्तर लंबित आवेदनों को प्रखण्ड स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवंटित करते हुए तीव्र गति से वेरीफिकेशन कराना सुनिश्चित करें एवं विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए अविलंब प्रशिक्षण की प्रक्रिया शुरू की जाय। पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत योजना के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन किया जाता है। इसमें 18 ट्रेड के शिल्पियों को आवेदन करना है। जिसमें कारपेंटर, नाव निमार्ता, आर्मटर, लोहार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी बनाने वाले, खिलौना बनाने वाले, नाई, माला निमार्ता, धोबी, दर्जी एंव मत्स्य पालन जाल निमार्ता सम्मिलित है।

एक नजर

श्रावण मास की शिवरात्रि को लेकर कंचनेश्वर शिव मंदिर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

केसठ। श्रावण मास की शिवरात्रि को लेकर क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालु भक्तों द्वारा भगवान शिव पर काफी हर्षोउल्लास के साथ जलाभिषेक किया गया। शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का पूजा अर्चना एवं दर्शन करने के लिए श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहा। केसठ प्रखंड के करीबी व डुमरांव प्रखंड अंतर्गत कचईनिया गांव स्थित कंचनेश्वर शिव मंदिर पर पूजा अर्चना एवं जलाभिषेक करने के लिए काफी संख्या में भक्तों की भीड़ रही। अहले सुबह से ही क्षेत्र के विभिन्न गांवों से महिला पुरुष भक्तों का आना-जाना लगा रहा। कई श्रद्धालु भक्त कांवर के साथ बक्सर से गंगाजल लेकर मंदिर पहुंच जलाभिषेक किये। जो यह काफी आकर्षक रहा है। साथ ही साथ रुद्राभिषेक कार्यक्रम भी जारी रहा। कई गांव से आए जजमानों द्वारा आचार्य के माध्यम से रुद्राभिषेक कार्य भी संपन्न कराया गया। कंचनेश्वर शिव मंदिर क्षेत्र का प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर काव नदी के किनारे बलुआही उच्चे स्थल पर जंगल झाड़ी के बीच अवस्थित है। लोग बताते हैं कि पूर्वजों के अनुसार इस शिव मंदिर पर दैत्य बाणासुर भी आकर भगवान शिव का पूजा अर्चना करता था। इस शिव मंदिर पर भगवान का दर्शन करने के लिए काफी दूर दराज से लोग पहुंचते हैं। शुद्ध मन भाव से भगवान शिव का पूजा अर्चना करने से लोगों की हर मनोकामनाएं पूर्ण होती है, ऐसी मान्यता है। मंदिर परिसर मेला का नजारा रहा। पूजा करने आए श्रद्धालु भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो जिसके लिए समिति के कार्यकर्ता तत्परता से जुटे रहे।

विधायक की पत्नी से जख्मी के भाई ने छह माह पहले लिखवाई थी साढ़े तीन बीघा जमीन

राजपुर। धनसोई थाना क्षेत्र के पर्वतचक गांव में जमीनी विवाद में एक युवक को गोली मार दी गई। गोली युवक के दाहिने हाथ में लगी थी। जख्मी युवक को तुरंत ही बक्सर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया। जहां गंभीर अवस्था में युवक का इलाज किया जा रहा है। बताया जाता है कि घायल युवक के भाई ने छह माह पहले राजपुर विधायक की पत्नी से साढ़े तीन बीघे जमीन लिखवाई थी। जिसको लेकर विवाद था। यह जमीन इस जमीन पर मालिकाना हक के लिए विवाद किया जा रहा था। इसी बीच गुरुवार की रात खेतों पर पानी चढ़ाने गए मो. असगर को बाइक पर सवार तीन युवकों ने गोली मार दी। जिससे वह घायल हो गया। जिसका इलाज सदर के बाद वाराणसी रेफर किया गया। बताया जाता है कि विधायक की पत्नी से जो साढ़े तीन बीघा कृषि योग्य जमीन खरीदी गई थी, उसके बगल में जख्मी युवक के भाई की पूर्व से पांच बीघे जमीन है। गुरुवार को पानी पटाने को लेकर कुछ नामजद लोगों से पहले झड़प भी हुई थी जिसके बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस घायल युवक के द्वारा दिए गए बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना की सूचना पर पहुंचे सदर एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि गगतन की जानकारी पर पुलिस टीम पहुंची वही, नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

बीडीओ ने लिया केसठ के विद्यालयों का जायजा

केसठ। जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में शुक्रवार को नावानगर बीडीओ मनोज कुमार ने प्रखंड के चार विद्यालयों का निरीक्षण किया।निरीक्षण में वे संतुष्ठ दिखे। इस दौरान उन्होंने मध्य विद्यालय केसठ,अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय केसठ, मध्य विद्यालय पश्चिम शिवपुर तथा उर्दू मध्य विद्यालय केसठ का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने विद्यालय के साफ सफाई,विधि व्यवस्था, कैश बुक, उपस्थित पंजी, नामांकन पंजी सहित कक्षा का संचालन किस तरह से चल रहा है, बच्चों की उपस्थिति कितनी है और वर्ग में जाकर बच्चों से पाठ्यक्रम संबंधित प्रश्न पूछे। सभी विद्यालय के प्रभारी प्रधानध्यापकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु कई आवश्यक निर्देश दिए उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों को सरकार द्वारा निर्धारित अवधि में विद्यालय पहुंच जाना है और विद्यालय का सुचारू रूप से संचालन करना है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बीडीओ मनोज कुमार ने बताया की जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में ये जांच की गई है।जांच के दौरान लगभग सभी चीजे ठीक पाई गई।

बर्खास्त होंगे फर्जी कागजातों पर बहाल शिक्षक, डीइओ ने जारी किया फरमान

केटी न्यूज/बक्सर

फर्जी कागजातों के आधार पर बहाल हुए ब्रह्मपुर व इटाढ़ी प्रखंड के एक-एक शिक्षकों पर बर्खास्तगी की गाज गिरेगी। डीईओ सारिक अशरफ ने इस मामले में पत्र जारी कर नियोजन इकाईयों को निर्देश दिया है। जिन शिक्षकों को बर्खास्त करने फरमान डीईओ ने सुनाया है उनमें एक मामला इटाढ़ी प्रखंड एवं एक ब्रह्मपुर प्रखंड का शामिल है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी व मध्य विद्यालय इटाढ़ी में पदस्थापित अमित कुमार का निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र फर्जी निकला है। जांच में मामला सामने आने के बाद विभाग ने कारवाई किया हैं अजित कुमार के आवास एवं जाति प्रमाण पत्र के गलत होने को लेकर लोक शिकायत पदाधिकारी के पास शिकायत की गई थी। जांच में शिकायत को सही पाया गया था। लोक शिकायत के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नियोजन इकाई को पत्र जारी कर यथाशीघ्र बर्खास्त करने करने का निर्देश जारी किया है। वहीं दूसरा मामला ब्रह्मपुर प्रखंड के उर्दू मध्य विद्यालय भरखर का है, जहां नासिर हसन ने लोक शिकायत में परिवाद दाखिल किया गया था कि जिसमें कहा गया था कि शिक्षिका जमीला खातून फर्जी महिला के नाम पर नौकरी कर रही है। डुमरांव नगर की रहने वाली जमीला खातुन रोहतास जिले के कोचस की रहने वाली राबिया प्रवीन के नाम पर फर्जी तरीके से नौकरी कर रही है। दाखिल परिवार की सुनवाई में परिवाद को सही पाया गया था।

आरा में घर से निकले रिटायर्ड आर्मी मैन का शव बरामद

- परिजन ने दोस्तों पर ही मारपीट कर व घसीट कर हत्या करने का लगाया आरोप

केटी न्यूज/आरा

शहर के नवादा थाना क्षेत्र क्षेत्र में घर से निकले एक रिटायर्ड आर्मी मैन का शव बरामद हुआ है। उनका शव नवादा थाना क्षेत्र के संकट मोचन नगर स्थित रेलवे लाइन के किनारे से शुक्रवार की सुबह बरामद किया गया है। शव के मिलने से आसपास की इलाके में सनसनी मच गई है।

घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष कमल जीत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए है।वहीं परिजन द्वारा उनके दोस्तों पर ही फोन कर घर से बुलाकर मारपीट कर व घसीट कर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक पीरो थाना क्षेत्र के गहबर टोला गांव निवासी स्व.जगमोहन सिंह के 63 वर्षीय पुत्र नंदकिशोर सिंह है। जो वर्तमान में जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल में प्राइवेट गार्ड के पद पर कार्यरत थे। इधर मृतक रिटायर्ड आर्मी मैन के पोते प्रिंस कुमार ने बताया कि वह गुरुवार की शाम जब अपने स्कूल से लौटा। तभी उसके मोबाइल पर उनके दोस्त का फोन आया और उनके द्वारा कहा गया कि मेरा मेडिसिन लेकर आओ। उनका फोन आने के वह उनका दवा लेकर उनके पास जाने के लिए घर से निकले थे। लेकिन देर शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटे।

करीब आठ बजे उसी दोस्त के द्वारा उन लोगों के मोबाइल पर फोन किया गया और कहा गया कि हम लोगों ने काफी ड्रिंक कर लिया है। तुम आकर अपने दादा को ले जाओ। जब यह लोग वहां पहुंचे तो वहां पर नहीं उसके दादा थे और नहीं वे लोग थे। जिसके बाद वे लोग वापस आ गए और उसके बाद उनकी काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। इसी बीच शुक्रवार की सुबह स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिली के उनका शव संकट मोचन नगर स्थित रेलवे लाइन के किनारे पड़ा हुआ है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। वहीं दूसरी ओर मृतक रिटायर्ड आर्मी मैन के पोते ने फोन कर घर से बुलाने वाले उनके दोस्त अंबेश ठाकुर पर मारपीट कर एवं घसीट कर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है।पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

चौसा में भू-अधिग्रहण में कम मुआवजा पर भड़के किसान, डीएम को सौंपा ज्ञापन

किसानों ने जिलाधिकारी से की पुन: दर निर्धारित करने की मांग

केटी न्यूज/चौसा

- एनएच 319 ए के निर्माण में अधिगृहित किया गया है जमीन
- बाजार रेट से कम दर कम मिलने से नाराज किसानों ने प्रदर्शन किया

एनएच 319 के निर्माण के लिए अधिगृहित भूमि का मुआवजा बाजार रेट से कम दर कम मिलने से नाराज किसानों ने प्रदर्शन किया है। अखौरीपुर गोला व चुन्नी गांव के किसानों द्वारा इसका विरोध जताया जा रहा है। इसको लेकर डीएम को ज्ञापन दी गई है। इस ज्ञापन में भूमि की वर्गीकरण के साथ पुनः दर निर्धारित करने की मांग की गई है। किसानों ने बताया कि जिला भू अर्जन कार्यालय से मुआवजा हेतु जो सूचना दिया गया है। उसमे जमीन का वर्गीकरण सही से नही किया गया है। जिसपर संबंधित अधिकारियों को आवेदन सौप जमीन का वर्गीकरण एवं दर पुनरू निर्धारित की जाय।

बता दें कि राज्य के विकास के लिए क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाने का कार्य तेजी से जारी है। इसके अंतर्गत बक्सर से चौसा तक एनएच 319 ए बाईपास सड़क का निर्माण प्रस्तावित है जिसको लेकर जगह जगह मिट्टी जांच का भी कार्य तेजी से किया रहा है। यह नेशनल हाइवे चुन्नी, चौसा नगर पंचायत के न्यायीपुर, कनक नारायणपुर और अखौरीपुर गोला से होकर गुजरेगी

चुन्नी गांव के राकेश राय ने बताया कि जिला पदाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि जिला राजस्व अधिकारी एवं भू अर्जन पदाधिकारी से उचित मूल्यांकन कराते हुए किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए क्योंकि जिले में किसी मौजा में निर्धारित की गई राशि के तहत एक बीघा जमीन की कीमत में कही भी उपलब्ध नहीं है। जब बाजार में ही उससे ज्यादा कीमत हमे मिल रहा तो हम इसमे कैसे भूमि दी जाय। वही शिकुमार सिंह ने बताया की जो जमीन अखौरीपुर गोला एवं कनक नारायणपुर मौजा में है। उसमे जो भूमि स्टेट हाइवे बक्सर कोचस रोड पर स्थित है जिसके भूस्वामियों का स्वयं का मकान, दुकान एवं कारखाना चल रहा है। जबकि जो मुआवजा संबंधित नोटिस मिला है। उससे स्पष्ट होता है कि नगर पंचायत चौसा के अंतर्गत जो भी गांव जैसे अखौरीपुर, कनक नारायणपुर, न्यायीपुर की जो जमीन अधिगृहीत की जा रही है वह ग्रामीण दर के (एमवीआर) 2014-2015 के आधार पर भुगतान किया जा रहा है पर नगर पंचायत क्षेत्र की जमीन को मुआवजा की राशि दो गुना या उससे भी कम करके दी जा रही है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में जमीन का मुआवजा चार गुना दिया जा रहा है। इससे भू-धारी को काफी नुकसान हो रहा है। अगर हमें नगर पंचायत क्षेत्र में माना जाता है तो शहरी भुमि अंतर्गत पुनरू मूल्यांकन करा कर दर का निर्धारण किया जाए या 2014-2015 के ग्रामीण क्षेत्र के एमवीआर के आधार पर ही भुगतान कराया जाय। ज्ञापन में चुन्नी के प्रभा शंकर राय, संजय कुमार चौबे, रोजन मिया, अंगद राय, सुनील राय, प्रकाश कुमार राय आदि, अखौरीपुर गोला के शंकर प्रसाद केसरी ,विजय प्रसाद वर्मा, ओमकेश्वर केसरी, दशरथ प्रसाद केसरी, शांति देवी, विक्रम सिंह, भोला सिंह, विजय कुमार केसरी, रामेश्वर सिंह, जगदीश प्रसाद, राधेश्याम सिंह, भूपेंद्र चौरसिया, संजय चौरसिया, राजू कुमार केसरी, सभापति सिंह आदि लोग शामिल है।

जिलाधिकारी का निरीक्षण अभियान जारी, अनुपस्थित मिले 11 कर्मी, वेतन रोकने का आदेश

- जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय व कृषि भवन का किया निरीक्षण
- अनुपस्थित कर्मियों का स्पष्टीकरण तलब

केटी न्यूज / बलिया

सभी कार्यालयों में समय से उपस्थिति व सही ढ़ंग से कार्य सुनिश्चित कराने को लेकर जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार का निरीक्षण अभियान जारी रहा। उन्होंने शुक्रवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय व कृषि भवन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुल कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जिनका स्पष्टीकरण लेने के साथ एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये गये। एक बार फिर चेतावनी दी कि समय से सभी कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए सही ढंग से कार्य कराया जाए। जिलाधिकारी ने डीपीओ कार्यालय में उपस्थिति पंजिका की जांच की तो प्रधान सहायक अर्चना राय, कनिष्ठ सहायकक सुमित सिंह व चालक रामाशंकर यादव अनुपस्थित मिले। यह भी पाया गया कि कर्मचारियों का परिचय पत्र तो बना है, लेकिन कोई लेकर नहीं मिला। इसके लिए डीपीओ को निर्देशित किया गया। वहां से जिलाधिकारी कृषि भवन पहुंचे तो वहां वरिष्ठ सहायक रीता देवी अनुपस्थित मिले, जबकि कनिष्ठ सहायक शशिकांत चौहान व सुष्मिता सिंह तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रामदुलारे हस्ताक्षर बनाकर गायब थे। हेल्पडेस्क पर काम कर रहे अनिल प्रजापति का नाम उपस्थिति पंजिका में नहीं होने पर सवाल किया तो बताया गया कि ये फील्ड के कर्मचारी हैं। इस पर जिलाधिकारी कहा कि कार्यालय में सम्बद्ध भी कोई है तो उसका नाम पंजिका में दर्ज होना चाहिए। भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय में निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ सहायक सुनील गुप्ता, कनिष्ठ सहायक विश्व विश्वास प्रकाश गुप्ता, मानचित्रक ऋचा कुमारी व चतुर्थ श्रेणी कर्मी दयाशंकर सिंह गैरहाजिर मिले। सभी का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया गया।

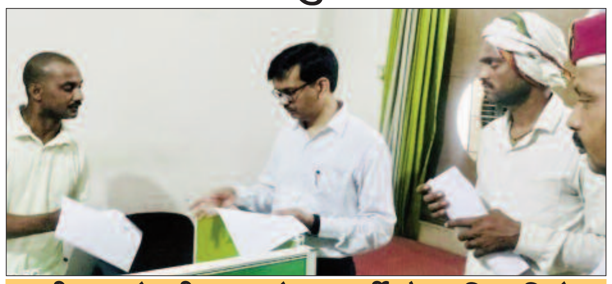

सीआरओ की जांच में 4 कर्मी गैरहाजिर मिले

जिलाधिकारी के निर्देश पर सीआरओ त्रिभुवन ने शुक्रवार को जिला प्रोबेशन कार्यालय व डीएफओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इसमें कनिष्ठ सहायक जयप्रकाश यादव व सहायक लेखाकार प्रदीप चौबे अनुपस्थित मिले। कनिष्ठ सहायक शशिकांत तिवारी भी विलम्ब से पहुंचे, जिस पर समय से कार्यालय आने की चेतावनी दी गयी। वहीं प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग में निरीक्षण किया तो माली दत्तात्रेय सिंह व चौकीदार रघुपति राम गैरहाजिर मिले।

लोनिवि कार्यालय में भी अनुपस्थित मिले 22 कर्मी

जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी डीपी सिंह ने लोक निर्माण कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान अधीक्षक अभियंता कार्यालय व लोनिवि प्रांतीय खण्ड में प्रधान सहायक कन्हैया लाल यादव, वरिष्ठ सहायक अमित प्रजापति, कविन्द्रनाथ तिवारी, सर्वेन्दु पाठक, धर्मेन्द्र यादव, कंचन यादव, सोनू यादव, कृष्णा कुमार, कनिष्ठ सहायक अनुज सिंह, कुमारी बब्ली, श्यामजीव भारती, अखिलेश वर्मा, अमीन संतोष कुमार, स्पीपर रामकेवल व चपरासी संदीप यादव अनुपस्थित मिले। लोनिवि निर्माण खण्ड पहुंचे तो वहां भी जेई शैलेश कुमार, कनिष्ठ सहायक रूपा पाण्डेय, सुलेमान, सोनू कुमार, रविशेखर द्विवेदी, शिल्पा देवी व दफ्तरी विनोद यादव गायब मिले।

एक नजर

परीक्षा नियंत्रक ने किया औचक निरीक्षण, मानक के अनुरूप मिली तैयारियां

गाजीपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के नवागत परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं की तैयारी को लेकर औचक निरीक्षण किया। इस क्रम में गाजीपुर के अलग-अलग परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इसके साथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर भी पहुंचे। बताते चलें कि बीएड सेकेंड सेमेस्टर एवं अन्य विषयों के सेमेस्टर की परीक्षाएं वर्तमान में चल रही है। सुचिता पूर्ण परीक्षा संपन्न हो, इसके दृष्टिगत डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने संबद्ध कॉलेजों का औचक निरीक्षण किया। पीजी कालेज में दूसरी पाली में हो रही परीक्षाओं का परीक्षा नियंत्रक द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रोफे० (डॉ०) एस० डी० सिंह, प्रोफे० (डॉ०) अवधेश सिंह, प्रोफे० (डॉ०) एस एन सिंह, डॉ० लवजी सिंह, डॉ० रामदुलारे, डॉक्टर योगेश कुमार, डॉक्टर अमरजीत सिंह, डॉक्टर धर्मेन्द्र, डॉक्टर अशोक कुमार, डॉक्टर मनोज कुमार मिश्र, अरूण कुमार सिंह के साथ ही परीक्षा विभाग से संबद्ध अन्य प्राध्यापक भी मौजूद रहे।

मच्छर जनित बीमारियों के खात्मा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने चलाया अभियान

गाजीपुर। जनपद में मच्छर जनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया आदि से बचाव के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से सक्रिय है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. देश दीपक पाल के निर्देशन में पूरे जुलाई माह चलाए गए विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान के तहत ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विभाग की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा चुकी हैं। अब जिले में मच्छरों के लार्वा को खोजने के लिए डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स (डीबीसी) यानि घरेलू प्रजनन जांचकर्ता घर-घर भ्रमण कर रहे हैं। एक सप्ताह से अधिक जमा पानी को खाली करवा रहे हैं। सीएमओ डॉ. देश दीपक पाल ने जनपदवासियों से अपील किया कि संचारी रोगों से बचाव के लिए सभी अपने घरों के आस-पास साफ-सफाई रखें। झाड़ियां न उगने दें, जलजमाव न की स्थिति पैदा होने दें, रुके हुए पानी में जला हुआ मोबिल ऑयल या लार्वा रोधी रसायन डालें, कूलर आदि का पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदलें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, कोई भी बुखार का लक्षण दिखे तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच एवं इलाज कराएं।

फार्मासिस्ट व वार्ड बॉय आपस में भिड़े, दो घंटे तक इमरजेंसी में बंद रहा इलाज

बलिया। जिला अस्पताल में शुक्रवार को फार्मासिस्ट और वार्ड बॉय बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद नाराज फार्मासिस्ट व डॉक्टर मरीज का इलाज बंद कर सीएमएस के चेंबर में जाकर बैठ गए। फार्मासिस्ट अशोक सिंह का आरोप है कि वार्ड बॉय कौशल सिंह शराब के नशे में था, वह बाहरी व्यक्ति को स्टाफ रूम में लाकर हो हल्ला कर रहा था। जिसका मैं विरोध किया तो वह मुझे गालियां देने लगा। उसके बाद गोली मारने की धमकी दी। फार्मासिस्ट का कहना है कि इसका यह रोज का काम है, ये प्रत्येक दिन किसी न किसी कर्मचारी, डॉक्टर यहां तक कि सीएमएस के साथ भी दुर्व्यवहार करता है। इस दौरान लगभग दो घंटे तक मरीजा का इलाज इमरजेंसी में बंद रहा। इस दौरान मरीज भी इधर–उधर भटकते नजर आए। बाद में सीएमएस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। उधर इस संबंध में सीएमएस डॉक्टर एसके यादव ने बताया कि सभी डॉक्टर व कर्मचारियों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया गया। इमरजेंसी पुःन बहाल हो गई है। फार्मासिस्ट अशोक सिंह के तरफ से शिकायत मिली है, इसमें जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी।

निजी गौशाला में अज्ञात कारणों से लगी आग, चार झोपडियां जलकर राख

गाजीपुर। नगसर हाल्ट थाना अंतर्गत अवंती गांव में बीते गुरुवार की देर रात रीता देवी के एक निजी गौशाला में अज्ञात कारणों से आग लगने के कारण चार झोपडियां जलकर राख हो गई। जबकि आग की चपेट में आने से तीन भैंस और छह बकरियां झुलसकर मर गई। भीषण अगलगी में जानवरों का चारा, कपडा आदि अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। इस अगलगी में पीड़ित परिवार को करीब तीन लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। आग लगने की सूचना पर शुक्रवार को लेखपाल आशुतोष कुमार मौके पर पहुंचे और नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित किया।उधर पीड़ित व ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सक शशिभूषण कुमार ने मौके पर मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद मृत जानवरों को सुरक्षित जगहों पर दफन कर दिया गया। घटना के बाद पीड़िता रीता देवी पूरी तरह से बदहवाश हैं। अंवती गांव निवासी पीड़िता रीता देवी ने बताया कि वह रोज की तरह शाम को जानवरों को चारा खिलाने एवं दूध दूहने के बाद अपने निजी गौशाला में जानवरों को बांधने के बाद और खुद भी भोजन कर सोने चली गई। बताया कि इस दौरान देर रात को शोर सुनकर जब वह कमरे से बाहर आई तो देखा की उसके निजी गौशाला की झोपड़ियां धू-धू कर जल रही है।बताया कि उसके शोर पर अगल- बगल के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इसके बाद निजी संसाधनों के जरिए आग पर काबू पाने में जुट गए। कड़े मशक्कत के करीब घंटे भर बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन उसमें बांधे गए तीन भैंस, छह बकरियां झुलसकर मर गई। आग में उसका अन्य सामान भी जल गया। तहसीलदार रामनारायण वर्मा ने बताया कि आग लगने की सूचना मिली है। जिस पर काबू पा लिया गया है। बताया अगलगी के नुकसान के सर्वे रिपोर्ट लेखपाल के द्वारा मिलते ही पीड़ित परिवार को जल्द सरकारी सहायता दी जाएगी।

फेफना में दूसरे दिन भी जारी रहा धरना

फेफना (बलिया)। क्षेत्रीय संघर्ष समिति के तत्वावधान में फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने, रेलवे क्रासिंग पर ऊपरगामी सेतु का निर्माण एवं वरिष्ठ नागरिकों को पहले जैसी सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर फेफना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर फेफना पुलिस, आरपीएफ एवं जीआरपी के सिपाही तैनात रहे। क्षेत्रीय संघर्ष समिति के संयोजक जनार्दन सिंह ने कहा कि हमारी मांगे पूरी तरह से जायज है और जनहित से जुड़ी है। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी, तब तक यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा। कहा कि बलिया जनपद के एकमात्र जंक्शन रेलवे स्टेशन फेफना पर पांच प्लेटफार्म का निर्माण तो करा दिया गया, लेकिन प्लेटफार्मों पर यात्री सुविधाओं का घोर अभाव है। यात्रियों विशेष कर महिलाओं एवं बुजुर्गों को टिकट लेने के लिए प्लेटफार्म संख्या एक से ओवरब्रीज होकर प्लेटफार्म संख्या दो पर जाना पड़ता है। इस अवसर पर शिवकुमार सिंह, अवध नारायण यादव, हरेन्द्र यादव, समरबहादुर, विजय ओझा, संतोष सिंह, शिववचन यादव, रामाकांत सिंह, राजेश कुमार, रमेश चंद्र प्रसाद, गंगेश्वर सिंह, छोटेलाल चौरसिया, संजय आदि शामिल थे।

खबरें फटाफट

बलिया वसूली कांड में एक महिला व एक पुरुष को पुलिस ने उठाया

बलिया। चर्चित यूपी बिहार की सीमा स्थित भरौली चौराहा पर अवैध वसूली प्रकरण में गुरुवार को पुलिस ने भरौली गांव से एक महिला व एक पुरुष को उठाया। उधर, पुलिस ने गुरुवार की देररात में कोरंटाडीह चौकी के निलंबित प्रभारी राजेश कुमार के आवास का ताला खोल कर जांच की और कई सामानों को कब्जे में लेकर चली गई। आए दिन किसी न किसी गांव से पुलिस वसूली में शामिल लोगों को पूछताछ के लिए उठा रही है। बताया जाता है कि पुलिस को मौके से वसूली से जुड़ा एक रजिस्टर के अलावा निलंबित एसओ के आवास से डायरी हाथ लगा है। इसके आधार पर दलालों को चिह्नित कर कार्रवाई कर रही है।

धनराशि की डिमांड करने पर दो कर्मियों के विरूद्ध मुकदमा

बलिया। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनान्तर्गत लाभार्थी से अनुचित रूप से धन मांगने पर समाज कल्याण विभाग के पर्यवेक्षक विनोद कुमार वर्मा व ग्राम फुलवरिया के रोजगार सेवक रणधीर सिंह के विरूद्ध बांसडीह रोड थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। दुबहड़ ब्लॉक के टघरौली निवासी नेहा सिंह पत्नी स्व0 कन्हैया सिंह के आवेदन की जांच के बाद समाज कल्याण अधिकारी दीपक श्रीवास्तव की तहरीर पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई हुई है। नेहा सिंह ने ऑडियो रिकार्डिंग के साथ शिकायत की, जिसकी जांच समाज कल्याण अधिकारी ने की। जांच में पाया कि फुलवरिया के रोजगार सेवक रणधीर सिंह ने फोन के माध्यम से पहले एक हजार, और बाद में 9 हजार की मांग की थी। इस बावत पूछताछ की गयी तो रणधीर सिंह ने लिखित रूप में बयान दिया कि पर्यवेक्षक विनोद शर्मा के कहने पर फोन करके पैसे की मांग की तथा लाभार्थी के पेपर उनके व्हाट्अप पर भेजा। नेहा सिंह के आवेदन का स्थलीय सत्यापन भी पर्यवेक्षक विनोद शर्मा ने ही किया था।

सीएम योगी के आदेश की धज्जियां उड़ा रहे एआरटीओ व यातायात प्रभारी

बलिया: एनएच 31 के ऊपर जहां तहां बन गए हैं अवैध बस स्टैंड

- अवैध वसूली के मामले में पुलिस विभाग से कम नहीं है परिवहन विभाग

तिलक कुमार/ बलिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए एआरटीओ अरूण कुमार राय व यातायात प्रभारी के संरक्षण में शहर में जहां–तहां अवैध बस स्टैंड खुल गए हैं। भले ही शासन अभी पुलिस विभाग के अवैध वसूली का भंडा फोड़ने में जुटा हुआ हो, लेकिन जनपद में परिवहन विभाग भी अवैध वसूली के मामले में पीछे नहीं है। बस इस पर नजरें इनायत करने की जरूरत है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहर के भीतर अवैध रूप से संचालित वाहन अड्डे लोगों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। प्रशासन की अनदेखी के चलते वाहन अड्डों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इससे रोजाना जाम लगता है। इन अड्डों पर दबंग वसूली कर डग्गामार वाहनों का संचालन कराते हैं। उन पर कोई रोकटोक नहीं है। जबकि ऐसे सभी वाहन स्टैंडों को तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्देश एक साल पहले ही मुख्यमंत्री योगी दे चुके हैं। सरकार के तमाम आदेशों को जिम्मेदारों ने फाइलों में कैद कर रखा है। इसके चलते शहर में संचालित वाहन अड्डे लोगों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। शहर में कुंवर सिंह चौराहा, मालगोदाम, महुआ मोड़ समेत अन्य स्थानों पर सुबह से शाम तक डग्गामार वाहनों की धमाचौकड़ी के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन वाहन अड्डों को शहर से बाहर संचालित करने की कवायद भी फेल हो गई। जिम्मेदारों के बनाए गए नियमों को कोई भी मानने के लिए तैयार नहीं है। नगरपालिका प्रशासन के अलावा यातायात विभाग व एआरटीओ कार्यालय की टीम अवैध वाहन अड्डों से छुटकारा दिलाने मे नाकाम रही है। इसके पीछे अवैध वाहन अड्डो से होने वाली वसूली अहम कारण है। अवैध वाहन अड्डों की वजह से लगने वाले जाम में कई बार अधिकारी भी फंसते हैं, लेकिन उनका ध्यान इस ओर नहीं जाता है। एक तरफ शासन की ओर से अवैध वाहन स्टैंडों को शहर से समाप्त करने का निर्देश है। दूसरी तरफ जहां–तहां खासकर एनएच–31 के उपर से संचालित वाहन मुख्यमंत्री योगी के आदेश को मानो मुहं चिढ़ा रहा है।

महुआ मोड में खड़ी बस।

चंद्रशेखर नगर मुख्य द्वार के ठीक सामने एनएच 31 पर खड़ी बस

यहां चल रहे वाहनों के अड्डे

एनसीसी तिराहा, महुआ मोड, रेलवे कालोनी के सामने, बहेरी, कटहल नाला पुल के समीप, चितू पांडेय चौराहा, स्टेशन के समीप, मालगोदाम रोड, जापलिनगंज, सतीशचंद्र कालेज चौराहा, चंद्रशेखर नगर के मुख्य द्वार के ठीक सामने और जगदीशपुर तिराहा पर वाहनों के अवैध अड्डे बन गए हैं।

क्या बोले एआरटीओ

एआरटीओ अरूण कुमार राय ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में है। स्थान भी चिह्नित कर लिया गया है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

घाघरा नदी में डूबने से एक युवक की मौत, मातम

केटी न्यूज / सिकंदरपुर

थाना क्षेत्र के खरीद घाट स्थित निमार्णाधीन पक्का पुल के समीप घाघरा नदी में नहाते समय शुक्रवार की दोपहर मुस्तफाबाद निवासी तीन युवक एक साथ नदी में डूबने लगे आसपास मौजूद लोगों ने नदी में कूद कर तीनों को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया वही दो का इलाज करने के बाद छोड़ दिया। हास्पिटल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद गांव निवासी नीतीश कुमार उम्र 18 वर्ष पुत्र राजेश राम अपने दोस्त प्रिंस उम्र 17 वर्ष पुत्र प्रेमचंद व सुमित उर्फ लक्की उम्र 16 वर्ष पुत्र शंभू राम के साथ शुक्रवार की दोपहर घाघरा नदी में खरीद घाट के समीप निर्माणधीन पक्का पुल के समीप स्नान कर रहा था इसी दौरान देखते ही देखते तीनों युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे उन्हें डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने तीनों को नदी से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने नीतीश को मृत घोषित कर दिया। वहीं प्रिंस व सुमित को इलाज के बाद घर भेज दिया। जैसे ही घटना की जानकारी गांव व परिजनों को मिली पूरे गांव व परिवार में कोहराम मच गया। देखते ही देखते सैकड़ो की संख्या में लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर पहुंच गए। वहीं सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सिकंदरपुर कमला शंकर गिरी अस्पताल पहुंच मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया।

घर का इकलौता चिराग था नीतिश

मृतक युवक नीतीश घर का इकलौता चिराग था मृतक की मां ममता व छोटी बहन नेहा का रो–रोकर बुरा हाल है। उनके रोते चिल्लाते देख लोगों की आंखों से आंसू आ जा रहे थे। गांव के लोगों की माने तो तीनों युवक मिलनसार और बहुत ही करीबी दोस्त थे जहां भी जाते थे एक साथ जाते थे।

अवकाश के अभाव में पत्नी का नहीं करा सका इलाज, मौत

- छह माह के बच्चे के सिर से मां का उठा साया, कौन जिम्मेदार?

केटी न्यूज / बलिया

सिकन्दरपुर थाने में तैनात सिपाही को थानाध्यक्ष द्वारा अवकाश नहीं दिए जाने के कारण उसकी पत्नी की मौत हो गई। पत्नी की असामयिक मौत और छह माह की पुत्री के सिर से मां का साया उठने से मर्माहत सिपाही का रो-रोकर बुरा हाल है।पीड़ित सिपाही ने थानाध्यक्ष के विरुद्ध कार्रवाई की मांग पत्र एसपी बलिया को सौंपा है जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार कौशांबी जिले के शहजादपुर निवासी सिपाही प्रदीप कुमार सोनकर 2019 बैच के हैं। पत्नी की मौत से दुःखी प्रदीप की स्थिति भी ठीक नहीं है। प्रदीप के छोटे भाई और मां की माने तो 27 जुलाई को अचानक सिपाही की पत्नी मनीषा की तबियत खराब हो गई। जिसकी सूचना प्रदीप को दी गई। सूचना के आधार पर प्रदीप ने थानाध्यक्ष से अवकाश की गुहार लगाई, लेकिन उन्होंने अवकाश के प्रार्थना पत्र को न सिर्फ अस्वीकार कर दिया, बल्कि सिपाही को डांट कर भगा भी दिया। उधर मनीषा की तबियत बिगड़ती चली गई। परिजन स्थानीय स्तर पर एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराए, लेकिन चिकित्सकों ने मनीषा को अन्यत्र ले जाने की सलाह दी। परिजन मनीषा को लेकर स्वरूपरानी अस्पताल प्रयागराज पहुंचे, जहां मनीषा ने दम तोड़ दिया। अंततः 29 जुलाई को प्रदीप घर के निकला, लेकिन घर पहुंचने से पूर्व ही पत्नी के मौत की मनहूस सूचना उस तक पहुंच गई। पत्नी की मौत के बाद सिपाही ने थानाध्यक्ष द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को रेखांकित करते हुए एसपी समेत अन्य उच्चाधिकारियों को पत्रक व ट्वीट कर न्याय की गुहार लगाई है।

विश्व स्तनपान सप्ताह को लेकर गोष्ठी का हुआ आयोजन, स्तनपान के महत्व व बाल मृत्यु दर में कमी लाने पर हुई चर्चा

मां का दूध नवजात बच्चे को कई बीमारियों से बचाता है: सीएमओ

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देश दीपक पाल ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

केटी न्यूज / गाजीपुर

विश्व स्तनपान सप्ताह जो एक से सात अगस्त तक चलाया जाना है, इसे लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देश दीपक पाल ने गोष्ठी का मुख्य थीम अंतर्गत काम करना व जागरूकता लाना इस दिशा में सहायता करना है। इस गोष्ठी में स्तनपान के महत्व तथा शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी के लिए उसके प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए गोष्ठी में आए हुए लोगों को कई तरह की जानकारियां दी गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने बताया कि दुनियाभर में हर साल अगस्त महीने का पहला हफ्ता 'वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक' या 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के तौर पर मनाया जाता है। इसे 1 अगस्त से 7 अगस्त तक सेलिब्रेट किया जाता है। इस सप्ताह का उद्देश्य, स्तनपान के फायदों और इसकी जरूरत के बारे में लोगों को जागरुक करना है। साथ ही, ब्रेस्टफीडिंग को नॉर्मल और सहज बनाना भी इस हफ्ते का मकसद होता है।

स्तनपान को सभी मां के लिए आसान बनाना है उद्देश्य

डॉ देश दीपक पाल ने कहा कि हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह अलग–अलग थीम पर सेलिब्रेट किया जाता है। यह थीम, वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन (डब्ल्यूएबीए) चुनती है। इस साल, इस हफ्ते का थीम, 'क्लोजिंग द गैप- ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल' है। आम भाषा में इसे समझा जाए तो ब्रेस्टफीडिंग को सभी मां के लिए आसान बनाना, इस बार इस खास हफ्ते का उद्देश्य है। ब्रेस्फीडिंग जर्नी सभी मां के लिए अलग–अलग चैलेंजेस से भरी हुई हो सकती है। इस सफर में किस तरह परिवार, समाज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल नई मां को सपोर्ट कर सकते हैं, इसे समझना जरूरी है। इस दौरान उन्होंने स्तनपान को लेकर क्या है फायदे इसके बारे में बताया कि वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक का मकसद ब्रेस्टफीडिंग के महत्व के बारे में सबको समझना है। मां का दूध नवजात बच्चे के लिए पूरा आहार होता है। इससे बच्चों को जरूरी पोषण मिलता है। साथ ही, उनकी इम्यूनिटी विकसित होती है और कई बीमारियों से बचाव होता है। नई मां के लिए भी बच्चे को ब्रेस्टफीड करना बहुत जरूरी है। पोस्टपार्टम रिकवरी जल्दी होती है और औरे ब्रेस्ट कैंसरे से भी बचाव होता है। इस पूरे सप्ताह दुनिया भर में कई वर्कशॉप और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं ताकि ब्रेस्टफीडिंग के चैलेंजेस पर बात हो सके और इससे जुड़ी सही जानकारी दी जा सके। गोष्ठी में मुख्य रूप से डॉमनोज सिंह, डॉ. एसके मिश्रा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, समस्त अधीक्षक प्रभारी अधिकारी, डीसीपीएम प्रभुनाथ के साथ ही बीपीएम, बीसीपीएम उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालय के बच्चों को नहीं मिली कार्य पुस्तिका, कैसे बच्चे करेंगे अभ्यास

केटी न्यूज / चंदौली

♦ जनपद के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर जल्द ही भेज दी जाएगी कार्य पुस्तिका

जनपद के परिषदीय विद्यालय मैं पढ़ने वाले बच्चों को तमाम दुश्वारियां के साथ जूझना पड़ रहा है। कक्षा एक व दो बच्चों को अभी तक कर पुस्तिका नहीं मिलने के कारण उन्हें अभ्यास करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं शिक्षक भी कर पुस्तिका ना मिलने के कारण अभ्यास नहीं कर पा रहे हैं जिससे बच्चों के बौद्धिक क्षमता का विकास है। वही सब पढ़े, सब बढ़े स्लोगन पर भी सरकार पर सवाल अभिभावक खड़े कर रहे हैं कि कार्यपुस्तिका ही नहीं तो बच्चे कैसे अभ्यास करेंगे। वहीं विभाग का दावा है कि सभी ब्लॉकों में कार्यपुस्तिकाएं जल्द ही भेज दी जाएगी। जनपद में कुल 1185 परिषदीय विद्यालय संचालित होते हैं। जहां पर ढाई लाख से अधिक बच्चे पठान-पाठन का कार्य करते हैं। जनपद में 9 ब्लॉक है।जहां पर सभी ब्लॉकों में पुस्तकों वितरण के साथ-साथ अन्य खिलाड़ियों के लिए लाभ संसाधन के लोग की स्थापना की गई है। कक्षा एक और दो के बच्चों के शिक्षा में गुणवत्ता के सुधार के लिए कार्य पुस्तिकाएं शासन की ओर से उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन स्कूल खुले एक माह बीत जाने के बाद भी कार्य पुस्तिका अभी तक नहीं मिल पाए। इससे उन्हें अभ्यास करने में तमाम तरह की परेशानी हो रही है। विभागीय अधिकारियों के कर पुस्तिका भेजने की कार्रवाई चल रही है संसाधन केंद्र पर कार्य पुस्तिकाएं पहुंच जाएगी,ताकि वहां से विद्यालयों को वितरण किया जा सके।

> “ जनपद के जिला पुस्तक केंद्र पर कार्य पुस्तिकाएं आ रही हैं।वहीं पुस्तक के अंदर में सुरक्षित रखकर वहां से उन्हें भेजने का सिलसिला भी जारी है। जनपद के सभी नौ ब्लॉक के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर कार्य पुस्तिकाएं भेज दी जाएगी, ताकि वहां से कर पुस्तिका वितरण की जा सके।
>
> महेंद्र प्रसाद,
> जिला पुस्तक केंद्र प्रभारी
> चंदौली। ”

खबरें फटाफट

पढ़ाई के साथ विशेष कौशल से लैस होंगे विद्यार्थी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल छात्रों को कार्यबल के लिए महत्वपूर्ण कौशल से लैस करने के लिए सप्ताह में तीन दिन विशेष प्रशिक्षण दे रहा है। इसकी शुरूआत कुलपति प्रो. वंदना सिंह के निर्देश पर की गई है. इस प्रशिक्षण का सीधा फायदा विद्यार्थियों को जॉब के लिए सफलतापूर्वक इंटरव्यू देने के लिए होगा। गौरतलब है कि प्लेसमेंट सेल द्वारा पिछले सत्र में अधिकतम 6 लाख तक के पैकेज पर 68 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्लेसमेंट के लिए कंपनियों से अभी से संपर्क प्रारंभ कर दिया गया है। गत वर्ष प्लेसमेंट हेतु विश्वविद्यालय में कई कंपनियों की प्लेसमेंट ड्राइव ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कराई गयी जिसमें प्रमुख रूप से
ब्लिंकिट, क्रेनाई सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, फ्यूचर गुरुकुलस,
केवीबी स्टाफिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ओसियन टेक्नोलॉजीज/सनकैप टेलीकॉम प्रा. लिमिटेड, आई सी आई सी आई (एनआईआईटी) एक्सिस (एनआईआईटी), एबीआईएस एक्सपोर्ट्स (इंडिया) प्रा. लिमिटेड, आदि थी।

इस साल एमबीबीएस की 675 सीटों पर पढ़ाई होगी इस मंडल में

योगी सरकार ने गोरखपुर मंडल को बनाया चिकित्सा शिक्षा का हब

♦ मंडल में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए एम्स और पांच मेडिकल कॉलेज
♦ एक ही साल में तीन नए मेडिकल कॉलेजों में कुल मिलाकर 300 सीटों का इजाफा

केटी न्यूज/ गोरखपुर

गोरखपुर मंडल में मेडिकल की नवीनतम स्थिति

एमबीबीएस कॉलेज	सीट
बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर	150
एम्स गोरखपुर	125
देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया	100
श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज गोरखपुर	50
राज्य स्वा. मेडिकल कॉलेज कुशीनगर	100
केएमसी मेडिकल कॉलेज महराजगंज	150

जिस गोरखपुर मंडल में इलाज और चिकित्सा शिक्षा के लिए एकमात्र मेडिकल कॉलेज था, बीते सात साल में योगी सरकार ने उसे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल एजुकेशन का हब बना दिया है। इस मंडल में इस साल एमबीबीएस की 300 नई सीटों पर दाखिला शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही गोरखपुर मंडल में एमबीबीएस की 675 सीटों पर पढ़ाई शुरू हो जाएगी। सरकार के प्रयास से इस मंडल में सात साल में एमबीबीएस की करीब सात गुना सीटें बढ़ गई हैं।

सात साल पहले तक गोरखपुर को केंद्र मानकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के माथे पर बदहाली की पहचान चस्पा थी। चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में तो और भी। गोरखपुर समेत आसपास के कई मंडलों, सीमाई बिहार और नेपाल तक के लोगों के इलाज के लिए उम्मीद की एकमात्र किरण बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर ही था। इस पूरे अंचल में एमबीबीएस की पढ़ाई का भी एकमात्र केंद्र यही था। अव्यवस्था के चलते बीआरडी मेडिकल कॉलेज खुद बीमार नजर आता था तो कई बार इसकी एएमबीबीएस की मान्यता पर तलवार लटकती रही। पर, सिर्फ सात साल में ही गोरखपुर मंडल चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा के लिहाज से रोल मॉडल बनता जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को लेकर अपने संसदीय कार्यकाल से ही बेहद संवेदनशील और रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूं तो पूरे प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल एजुकेशन की तस्वीर बदल दी है लेकिन गोरखपुर मंडल में आया बदलाव कभी-कभी अकल्पनीय लगता है। कभी एक मेडिकल कॉलेज वाले इस मंडल के चार जिलों में आज पांच मेडिकल कॉलेज हैं तो विश्व स्तरीय एम्स भी है। एक लंबे दौर तक यहां सिर्फ बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ही एमबीबीएस की सौ सीटों पर पढ़ाई होती थी। इसमें 125 सीटों की वृद्धि गोरखपुर में एम्स खुलने के साथ तथा 100 सीटों का इजाफा देवरिया में महर्षि देवरहा बाबा राज्य स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज की स्थापना से हुई। मंडल में इस साल से तीन नए मेडिकल कॉलेजों में कुल 300 एमबीबीएस सीटों पर दाखिला और पढ़ाई शुरू होने जा रही है। इनमें कुशीनगर में राज्य स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज को 100, महराजगंज में पीपीपी मॉडल पर संचालित केएमसी मेडिकल कॉलेज को 150 और निजी क्षेत्र के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित श्रीगोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को एमबीबीएस की 50 सीटों के लिए मान्यता और लेटर ऑफ परमिशन नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से प्राप्त हुआ है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में बीएएमएस की सौ सीटों के लिए पहले से ही मान्यता प्राप्त है। गोरखपुर में इस साल के अंत तक राज्य के पहले आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य भी पूरा हो जाने की उम्मीद है। आयुष विश्वविद्यालय के पूर्णतः क्रियाशील होने के बाद आयुर्वेद, होम्योपैथ, यूनानी आदि चिकित्सा पद्धतियों से इलाज व इन पद्धतियों में शिक्षा का भी प्रसार और विस्तार होगा।

चंदौली में यातायात पुलिस ने काटा 260 वाहनों का चालान

चंदौली। जनपद इन दिनों यातायात पुलिस पूरी तरह से सक्रिय हो गई। जनपद में वाहन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही। इसमें शुक्रवार को यातायात पुलिस ने 260 वाहनों का अभियान चलाकर चालान किया और 554100 रुपए जुमार्ना आरोपित किया है। यही नहीं चार वाहनों को सीज भी कर दिया है। इसे लेकर जनपद के वाहन स्वामियों में हड़कंप मच गया है। जनपद पुलिस एसपी के निर्देश क्षेत्राधिकारी यातायात रघुराज व यातायात निरीक्षक सुरेन्द्र यादव की ओर से वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को यातायात नियमों का उल्घन करने वाले व मानक के अनुरूप नम्बर प्लेट न लगाये जाने पर कुल 260 वाहनों का चालान करते हुए 5,54,100 रुपए का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। इसी प्रकार प्रमुख चौराहों पर यातायात अपराधों के विरूद्ध विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों के पालन के लिये जागरुक किया गया।वहीं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में जनपद के प्रमुख चौराहों तिराहों व सार्वजनिक मार्गो, पर लगातार भ्रमणशील रहकर यातायात पुलिस ने यातायात नियमों के पालन के लिए सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम के तहत रोड़ पर लोगों को जागरुक किया गया।

एक नजर

विधानसभा में डॉ. रागिनी सोनकर के सवालों का जवाब नहीं दे सके औद्योगिक मंत्री

जौनपुर। औद्योगिक विकास मंत्री सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के सवालों का विधानसभा में जवाब गुरुवार को नहीं दे सके। उन्होंने जवाब देने की बजाय विभाग की उपलब्धियां गिनाने लगे। साथ ही लिखित जवाब को पढ़ना शुरू किया। इस पर स्पीकर ने बार- बार कहा कि यह लिखित जवाब आ गया है। आप अनुपूरक दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए। इस पर सपा सदस्यों ने शोरशराबा शुरू कर दिया तब संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने स्थिति संभाली। सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर औद्योगिक विकास मंत्री से पूछा कि जो कंपनियां निवेश करने आई वह उत्तर प्रदेश छोड़कर क्यों भाग रही है? आप यह मत बताइये की कौन नई कंपनियां आई। इंड्रस्टियल समिट मीट हुआ है कितनी कंपनियां बंद हो गई और कितनी जो निवेश करना चाहती थी वह छोड़कर चली गई। उन्होंने कहा कि सरकार कहीं न कहीं औद्योगिक विभाग पर मेहरबान रही। अनउपयोगी भूमि को औद्योगिक विभाग ने उपयोगी बनाने का दावा कर रही है।

शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर खण्ड शिक्षा अधिकारियों का हुआ फेरबदल

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने जिलाधिकारी के अनुमोदन से जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में कार्यरत 18 खण्ड शिक्षा अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित योजनाएं, निपुण भारत मिशन, कायाकल्प, डी0बी0टी0, डिजिटाइजेशन, नामांकन, बच्चों के ठहराव के लिए शैक्षिक वातावरण एवं बालिका शिक्षा के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अरविंद कुमार पाण्डेय को वि0ख0 सुजानगंज से बदलापुर, राजेश कुमार वैश्य को वि0ख0 सुईथाकला से धमापुर, कन्हैयालाल को वि0ख0 रामनगर से मुफ्तीगंज, अजीत कुमार सिंह को वि0ख0 मड़ियाहू से सिकरारा, अमरदीप जायसवाल को वि0ख0 शाहगंज से मछलीशहर, डॉ0 किरण पाण्डेय को वि0ख0 महराजगंज से सुजानगंज, रमेशचन्द्र पटेल को वि0ख0 धमापुर से महाराजगंज, श्रीमती शिखा मिश्रा को वि0ख0 बदलापुर से बक्शा, आनंद प्रकाश सिंह को वि0ख0 सिकरारा से करंजाकला, बसंत कुमार शुक्ला को जिला मुख्यालय से शाहगंज, श्रवण कुमार यादव को वि0ख0 करंजाकला से सुईथाकला, उदयभान कुशवाहा को वि0ख0 बक्शा से मडियाहूँ, सुभाष गुप्ता को नगरक्षेत्र से वि0ख0 रामनगर, अश्वनी कुमार सिंह को वि0ख0 खुटहन से रामपुर, गौतम प्रसाद को वि0ख0 रामपुर से बरसठी, विपुल कुमार उपाध्याय को वि0ख0 मछलीशहर से खुटहन, राजीव रंजन को वि0ख0 बरसठी से नगर क्षेत्र तथा नीरज कुमार श्रीवास्तव को वि0ख0 मुफ्तीगंज से जिला मुख्यालय आवंटित किया गया है।

फसलों का बीमा कराने के लिए किसानों को मौका, तिथि 10 अगस्त तक बढ़ी

गाजीपुर। किसानों के लिए अपनी फसलों का बीमा कराने की तिथि अब 10 अगस्त 2024 तक बढा दी गई है, जो पहले 31 जुलाई तक निर्धारित थी। फसलों में आने वाली दैवीय आपदा से सुरक्षा के लिए फसल बीमा अतिआवश्यक है। जिससे दैवीय जोखिम को कम कर सकते हैं। जनपद में अब तक 5832 कृषकों ने ही अपनी फसलों का बीमा कराया है। किसान क्रेडिट कार्ड से आच्छादित कृषकों का स्वतः ही बीमा हो जाएगा। जबकि बिना किसान क्रेडिट कार्ड वाले कृषकों को अपनी फसल का बीमा नजदीकी सहज जनसेवा केन्द्र से आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी व बुवाई प्रमाण पत्र लेकर करा सकतें हैं। इसके लिए कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों से भी मदद ले सकते हैं। जनपद गाजीपुर में खरीफ सीजन के लिए धान व बाजरा की फसल बीमा के लिए अधिसूचित है। किसानों को केवल बीमित राशि का 2 प्रतिशत (धान के लिए रू0 1634 व बाजरा के लिए 706 प्रति हें0) प्रीमियम ही देय होगा।

इंडिया गठबंधन ने बिजली विभाग के खिलाफ किया धरना प्रदर्शन

जौनपुर। शनिवार को समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जौनपुर के जिला उपाध्यक्ष अजहर रहमान समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के साथ मछली शहर में बिजली विभाग के खिलाफ चल रहे धरना प्रदर्शन में कम्युनिस्ट पार्टी को अपना समर्थन दिया। अजहर रहमान ने कहा कि यदि बिजली विभाग के और सिंचाई विभाग के लोगों ने अभी भी नहीं चेता तो आने वाला दिन उनके लिए कठिन होने जा रहा है। अगर इस देश का किसान परेशान होगा तो कर्मचारी और सरकार दोनों को परेशान होना पड़ेगा। मैं समस्या को घास की तरह जड़ मूल सहित उखाड़ कर फेंकना जानता हूं अभी तो यह केवल प्रतीकात्मक धरना प्रदर्शन कार्यक्रम है अगली बार इंडिया गठबंधन व्यापक रूप में प्रदर्शन करेगा। सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव अनिल यादव ने कहा की यह सरकार किसान विरोधी है इस सरकार ने वादा किया था कि किसानों की आय दोगुनी की जाएगी उन्हें फसलों की एमएसपी दी जाएगी किंतु सरकार ने किसानों को उसके बदले में आंसू गैस की गोली दिए उन पर लाठियां चलवाने का काम किया हमें और आपको मिल कर इस सरकार को हटाना ही होगा।

चंदौली डीएम का निर्देश... आवासीय क्षेत्रों में एक बार और व्यावसायिक क्षेत्रों में दो बार कराई जाए सफाई

♦ जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन की हुई बैठक

केटी न्यूज / चंदौली

जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई।इसमें जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को नगरीय क्षेत्रीय में साफ सफाई के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी एमआरएफ सेंटर की क्रियाशीलता के बारे में जानकारी मांगी।उन्हे अवगत कराया गया कि चकिया को छोड़कर सभी जगहों पर एमआरएफ सेंटर क्रियाशील हैं।जिलाधिकारी ने चकिया के अधिशासी अधिकारी को चेतावनी देते हुए प्रत्येक दशा में कूड़ा निस्तारण केंद्र क्रियाशील कराने का निर्देश दिया।इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा डोर टू डोर कलेक्शन को लेकर सभी अधिशासी अधिकारियों को लेकर कड़े निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने रेजिडेंशियल एरिया में कम से कम एक बार एवं कमर्शियल एरिया तथा सभी बाजारों में दो बार सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चंदौली में हाइवे के किनारे की गंदगी को यथाशीघ्र साफ कराने का निर्देश देते हुए कहा कि सड़क के किनारे कहीं भी कूड़ा इकठ्ठा नहीं होना चाहिए। अपर जिलाधिकारी अभय कुमार पांडेय ने सभी वार्डों में बारी बारी से अभियान चलाकर समन्वित सफाई कार्यक्रम प्रारंभ कराया जाए।इस दौरान कूड़ों के निस्तारण के साथ झाड़ियों एवं नालियों की सफाई कराई कराई जाए। अपर जिलाधिकारी ने सिंगल यूज प्लास्टिक को अभियान चला कर रोकने का निर्देश देते हुए कहा कि आम जन में कपड़े के थैले यूज करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए।इस दौरान जॉइंट मजिस्ट्रेट हर्षिता सिंह, उप जिलाधिकारी व प्रभारी ईओ मुगलसराय अविनाश कुमार एवं सभी अन्य अधिशासी अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने शिविर पुलिस लाइन का किया औचक निरीक्षण

चंदौली। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने शुक्रवार को शिविर पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर, परिवहन शाखा, बैरक, शौचालय में साफ-सफाई व पानी की व्यवस्था आदि का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि सरकार की जो मंशा है उसी के हिसाब से कार्य किया जाए साफ-सफाई के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाएं भी सुदृढ़ रखें इसमें किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। अगर थोड़ी भी लापरवाही पाई गई तो कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारी तैयार रहें।

बेलसड़ी व पड़िता गांव में लगाया गया ग्राम चौपाल

...और कागजों पर ही दौड़ रही ग्राम चौपाल योजना

केटी न्यूज / गाजीपुर।

उत्तर प्रदेश में गांवों के विकास को गति देने के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाना है। वर्तमान में यह योजना धरातल पर कम और कागजों पर ही ज्यादा दौड़ रही है। आलम यह है कि गांव की चौपाल में स्थानीय जनप्रतिनिधियों दर्जनों विभागीय अधिकारियों को बुलाया जरूर जा रहा है, लेकिन वहां की सतही सच्चाई कुछ और है। चौपाल की वास्तविक सच्चाई से सरकार को अवगत नहीं कराया जा रहा है। हालांकि प्रशासन स्तर से ग्राम चौपाल को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ताकि बड़ी संख्या में ग्रामीण इसका हिस्सा बनें। लेकिन सिर्फ ग्राम विकास, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग के द्वारा ही इस योजना को दौड़ाया जा रहा है। इससे ग्रामीणों का मोहभंग हो चुका है। शुक्रवार को विकास खंड के बेलसड़ी व पड़िता गांव में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में ग्रामीणों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई। किसी तरह छह लोगों ने अपनी समस्याएं सामने रखा। सभी का निस्तारण भी कर दिया गया। दोनों ग्राम पंचायत में मनरेगा के कार्यों, मजदूरी भुगतान, महिला सहेलियों, समूह गठन, बीओ, सीएलएफ, बीसी सखी, विद्युत सखी, लखपति महिला सहित अन्य कार्यों के निरीक्षण और उनके द्वारा किए गए सभी कार्यों की समीक्षा की गई। पड़िता गांव में एडीओ आईएसबी भूपेंद्र कुमार सिंह ने चौपाल में आए छह मामले का समाधान करके राशन वितरण, उज्ज्वला गैस योजना, वृद्धावस्था,विधवा एवं विकलांग पेंशन व छात्रवृत्ति का सत्यापन भी किया गया। ग्रामीणों के साथ आयुष्मान भारत,किसान सम्मान निधि, कृषि और कृषि संरक्षण, प्राकृतिक और जैविक खेती और हर घर नल जैसी योजनाओं पर गहन चर्चा हुई। बेलसड़ी गांव चौपाल में एडीओ एजी राममिलन गौड़ ने आएं पांच मामलों का निस्तारण कर कहा कि गांवों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास? है,प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनभागीदारी से व्यापक सफाई अभियान चलाकर संचारी रोग अभियान को सफल बनाया आवश्यक है। प्रदेश सरकार राज्य के गांवों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास कर रहे हैं और राज्य के विकास इंजन के रूप में गांवों के विकास पर ध्यान दे रहे हैं, जिसका असर धरातल पर जल्द दिखाई देगा। ग्राम चौपाल इसी श्रृंखला का हिस्सा है। सरकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए पहल कर रही है। इसके लिए लोगों को जागरूक होकर योजनाओं का लाभ लेना चाहिए।इस मौके पर ग्राम प्रधान रामविजय यादव, अर्चना देवी, सचिव ज्योति सिंह, धर्मेंद्र यादव मौजूद रहे।

सुभाषितम्

लगन का अर्थ उन्नीस बार विफल होने के बाद 20वी बार सफल होना। -जे एंड्र्यूज

सुप्रीम कोर्ट का आदेश,आरक्षण में क्रीमी लेयर को लागू करे, सरकार

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की खंडपीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। यह फैसला 6:1 से सामने आया है। छह जजों की खंडपीठ ने कहा है, आरक्षित कोटे में से पिछडेपन के आधार पर जातियों के आधार पर कोटा तय किए जाने की जरूरत है। पिछड़े वर्ग में अभी 8 लाख वार्षिक की आय सीमा लागू है। एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण में ऐसी कोई सीमा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, जातियों के अंदर उपजातियां की कैटिगरी बनाने में संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का कोई उलझन नहीं होता है। जिन परिवारों और जिन जातियों को आरक्षण का लाभ मिल गया है। उसकी दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का हक नहीं मिलना चाहिए। सभी वर्ग के आरक्षण में यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए। केंद्र एवं राज्य सरकारों को आय की सीमा को आधार बनाकर आरक्षण लागू करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारें राजनीतिक लाभ और मर्जी से सब कैटेगीरी नहीं बना सकती हैं। यदि ऐसा करती हैं, तो उसकी न्यायिक समीक्षा समय-समय पर की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 2004 में दिए गए अपने फैसले को बदल दिया है। जिसमें कहा गया था, राज्य सरकार आरक्षित कोटे में सब कैटिगरी नहीं बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान आदेश से अब राज्य सरकारें एससी, एसटी कोटे मे पिछड़े वर्ग के आधार पर सब कैटिगरी बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की देशभर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। बिहार की लोजपा ने इसका विरोध करते हुए पुनर्विचार की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक आधार पर पिछड़ी जातियों और पिछडी उपजातियां का सर्वेक्षण कराकर आरक्षण व्यवस्था का युक्तिकरण किया जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से राज्यों को अब यह अधिकार मिल गया है। वह आर्थिक शैक्षणिक और सामाजिक आधार पर आरक्षण लागू कर सकें। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अब राज्यों के ऊपर है। वह जल्द से जल्द आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की जाए। अभी तक आरक्षण के लाभ से जो लोग वंचित हैं। उन्हें आरक्षण दिया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में राज्यों को 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण देने पर रोक लगा रखी थी। सात सदस्यों की बेंच ने जो आदेश दिया है। उसके बाद नई आरक्षण व्यवस्था में सभी वंचित वर्ग को इसका लाभ सभी वर्ग को हासिल हो। इसके लिए यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के दल केंद्र सरकार से जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। 2021 की जनगणना पिछले 4 वर्षों से लंबित है। ऐसी स्थिति में यदि केंद्र सरकार जनगणना करते समय इन्हीं तीन विषयों पर जनगणना करायेगी, तो राष्ट्रीय स्तर पर एससी एसटी और पिछड़े वर्ग के साथ-साथ सामान्य वर्ग की भी जानकारी सामने आ जाएगी। केंद्र एवं राज्य सरकारें इन आंकड़ों के आधार पर योजना बना सकेगी। केंद्र सरकार जाति आधारित जनगणना कराने के लिए विपक्ष की मांग पर अभी सहमत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को आधार पर अब केंद्र सरकार को निर्णय लेना है। एक आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है, केन्द्र सरकार जाति जनगणना करने के बिल्कुल पक्ष में नहीं है। ऐसी स्थिति में राज्यों को अधिकार होगा, कि वह सर्वे के माध्यम से आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्तर पर डाटा एकत्रित करें। आरक्षण को लेकर जो बवाल सारे देश में बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सभी राजनीतिक दलों में भी सहमति बनना संभव हो गया है। 1985 के बाद जब से राम मंदिर आंदोलन शुरू हुआ। उसके जवाब में मंडल कमीशन को सामने लाया गया। वोटों की राजनीति मे कांग्रेस अलग-अलग पड़ गई थी। जिसका फायदा 1989 से लेकर अभी तक भारतीय जनता पार्टी और क्षेत्रीय दलों को पिछले 30 वर्षों में राजनैतिक रूप में मिला है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो।

वैदिक काल में सामाजिक स्थिति

- संजय गोस्वामी

ऋग्वैदिक काल में समाज चार वर्णों में विभक्त था । ये वर्ण थे : ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र । ब्राह्मण का मुख्य कार्य पूजा-पाठ यज्ञ अध्ययन-अध्यापन तथा दान लेना इत्यादि था। क्षत्रिय मुख्य रूप से योद्धा वर्ग था जो प्रशासन का कार्य देखते थे। वैश्य कृषि व्यापार- वाणिज्य इत्यादि से संबंधित कार्य करते थे और शूद्र सेवा प्रदान करने का कार्य करते थे। समाज का यह वर्गीकरण अनुवांशिक ना होकर व्यक्ति के व्यवसाय यानी काम पर आधारित था । उत्तर वैदिक काल आते आते यह वर्णाश्रम व्यवस्था अपने सबसे मजबूत स्वरूप में आ गई। इसी काल में गोत्र की अवधारणा भी उजागर हुई। एक ही मूल पुरुष से उत्पन्न व्यक्ति एक गोत्र के कहे जाने लगे। मौलिक रूप से गोत्रों की संख्या 7 बताई गई : कश्यप, वशिष्ठ, भृगु, गौतम, भारद्वाज, अत्रि, एवं विश्वामित्र। अगस्त को आठवां गोत्र माना जाता है। इस युग की दूसरी विशेषता थी ह्लआश्रम व्यवस्थाह्व। आश्रम व्यवस्था के चार चरण बताए गए हैं : पहला, ब्रह्मचर्य -जन्म से 25 वर्ष तक। यह विद्या- अर्जन एवं बौद्धिक विकास से संबंधित था। दूसरा, गृहस्थ आश्रम, जो 25 वर्ष से प्रारंभ होकर 50 वर्ष तक रहता था। इस दौरान व्यक्ति द्वारा महत्वपूर्ण पारिवारिक- सामाजिक उत्तरदायित्व का वाहन किया जाता था। तीसरा, वानप्रस्थाश्रम -50 से 75 वर्ष तक था। यह पारलौकिक जीवन से संबंधित था एवं अंतिम चरण सन्यास था जो 75 वर्ष के उपरांत का जीवन था। इस अवस्था में मनुष्य संसार का त्याग कर एक सन्यासी जीवन व्यतीत करता था।इस युग में लोगों द्वारा व्यवसाय चुने जाने का आधार अपनी योग्यता तथा पसंद था , न कि जन्म या आनुवंशिक रूप से, जैसे कि आगे चलकर अपनाए जाने लगे थे। एक ही परिवार के लोगों द्वारा इच्छानुसार अलग-अलग पेशा या व्यवसाय अपनाए जाने के उदाहारण मिलते हैं। जैसा कि ऋग्वेद के सूक्त 9. 112 में एक व्यक्ति कहता है : ह्लमैं कवि/गायक हूँ; पेरे पिता वैद्य हैं; मेरी माता चक्की चलाने वाली है; भिन्न-भिन्न व्यवसायों से जीविकोपार्जन करते हुए हम एक साथ रहते हैं; जैसे पशु (अपने बाड़े में) रहते हैं।ह्व इस युग में एक -विवाह प्रथा प्रचलित थी। बालविवाह का प्रचलन नहीं था। विवाह के लिए वरण की स्वतंत्रता का भी कहीं-कहीं उल्लेख मिलता है। विधवा स्त्री अपने मृतक पति के छोटे भाई (देवर) से विवाह कर सकती थी । पिता की संपत्ति साधारणतः उत्तराधिकार में पुत्र को प्राप्त होती थी। किंतु यदि कोई पुत्री अपने माता-पिता की एकमात्र संतान होती थी तब यह संपत्ति उसे प्राप्त होती थी । ऋग्वेदिक काल में स्त्रियों की स्थिति सम्मानजनक थी। ऋग्वैदिक काल में बाल विवाह नहीं होते थे, प्रायः 16झ17 वर्ष की आयु में विवाह होते थे। पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था। सती प्रथा का भी प्रचलन नहीं था। हालाँकि स्त्रियों को राजनीति में भाग लेने का अधिकार नहीं था। उन्हें शिक्षा दी जाती थी। अपाला, लोपामुद्रा, विश्ववारा, घोषा आदि नारियों के मन्त्र द्रष्टा होकर ऋषिपद प्राप्त करने का उल्लेख प्राप्त होता है। लेकिन उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में गिरावट आई। अब सभा व समिति में उन्हें प्रवेश का अधिकार नहीं रहा। पुत्रों की तुलना में पुत्रियों को संपत्ति से वंचित किया जाने लगा तथा कई बार तो पुत्रियों के जन्म को भी हतोत्साहित किया गया। लोग मिट्टी एवं घास फूस से बने मकानों में रहते थे। ऋग्वेदकालीन संस्कृति ग्रामझप्रधान थी। नगरीकरण ऋग्वेद काल की विशेषता नहीं है। ऋग्वैदिक काल में दास प्रथा विद्यमान थी। वैदिक कालीन सूत्र साहित्य 1.कल्पसूत्र : विधि एवं नियमों का प्रतिपादन। 2.श्रौतसूत्र : यज्ञ से संबंधित विस्तृत विधि-विधानों की व्याख्या। 3.शुल्बसूत्र : यज्ञ स्थल तथा अग्नि वेदी के निर्माण तथा माप से संबंधित नियम,जिसमें भारतीय ज्यामिति अपने प्रारंभिक रूप दिखाई देती है। 4.धर्मसूत्र : सामाजिक-धार्मिक कानून तथा आचार संहिता । 5.ग्रह सूत्र : मनुष्य के लौकिक एवं पारलौकिक कर्तव्य। वैदिक काल में आर्थिक जीवन ऋग्वैदिक काल में आर्थिक जन-जीवन मुख्यतः कृषि, पशुपालन और वाणिज्य एवं व्यापार पर निर्भर था । गायें, भेड़-बकरियाँ, गधे, कुत्ते, भैंसे आदि उपयोगी पालतू पशु थे। हल जोतने और गाड़ी खींचने में बैलों का उपयोग किया जाता था और रथ खींचने में घोड़े उपयोग में लाये जाते थे। कृषि में खाद का भी प्रयोग किया जाता था,ऐसे प्रमाण मिले हैं । ऋग्वेद के कई प्रसंगों से ऐसा प्रतीत होता है कि सिंचाई की प्रथा भी थी। खाद्यान्नों को सामूहिक रूप से यव और धान्य कहा जाता था। वैदिक साहित्य में दस प्रकार के अन्न उगाए जाने का उल्लेख है। अन्य व्यवसायों में मिट्टी के बर्तन बनाना, बुनाई, बढ़ईगीरी, धातु का काम, चमड़े का काम आदि उल्लेखनीय हैं। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है की ऋग्वैदिक काल में धातु के तौर पर केवल ताँबे का ही प्रयोग होता था, जिसे अयस् कहा जाता था। बाद में लोहा प्रचलन में आया जिसे श्याम अयस् कहा जाने लगा। ऋग्वैदिक काल में वाणिज्य-व्यापार होता था और व्यापारियों को वणिक कहा जाता था। लेन-देन में वस्तु-विनिमय की प्रणाली प्रचलित थी। साहूकारी, यानी ब्याज पर धन उधार देने की प्रथा भी प्रचलित थी। उत्तर वैदिक काल आते आते कृषि ने पशुपालन की जगह मुख्य पेशे का स्थान ग्रहण कर लिया। वैदिक काल में धर्म व दर्शन ऋग्वैदिक काल में साधारणतया प्राकृतिक शक्तियों की ही विभिन्न देवताओं के रूप में पूजा की जाती थी। ऋग्वेद में मन्दिर अथवा मूर्तिपूजा का उल्लेख नहीं है। तथापि कर्मकाण्ड का विशेष महत्त्व था । देवतों की आराधना मुख्यतः स्तुतिपाठ एवं यज्ञाहुति से की जाती थी। वैदिक देवताओं को स्थान के अनुसार तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है । 1.पृथ्वी झ स्थानीय देवगण, 2.अंतरिक्ष-स्थानीय देवगण और 3.वायु - स्थानीय देवगण । पृथ्वी, अग्नि, सोम, बृहस्पति और नदियाँ प्रथम श्रेणी में आती हैं; इंद्र, अपाम्-नपात, रुद्र, वायु-वात, पर्जन्य और आपः द्वितीय श्रेणी के देवगण हैं; और वरुण, मित्र, सूर्य, सावित्री, पूषन्, विष्णु, आदित्य, उषा और अश्विन् तृतीय श्रेणी में आते हैं। इंद्र और वरुण को इन देवगणों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है, वे बाकी सबसे बड़े माने गए हैं। इंद्र का स्थान सभी देवताओं में सर्वोच्च था। मुख्यता यह युद्ध के देवता माने जाते थे। ऋग्वेद के 250 सूत्र अकेले इंद्र को ही समर्पित हैं। अग्नि और सोम भी लोकप्रिय देवता थे। सोम वनस्पति के देवता थे जबकि अग्नि को पृथ्वी और स्वर्ग के बीच संदेशवाहक के रूप में आदर दिया जाता था । वे मनुष्य द्वारा दिए गये चढ़ावे को देवता तक ले जाने का कार्य करते थे। इसके अलावा, अग्नि ही ऐसे एकमात्र देवता थे जो देवताओं की तीनों श्रेणियों में विद्यमान थे । देवताओं की उत्पत्ति तो मानी गई है किंतु अंत नहीं। अर्थात वे अमर माने गये थे ।

ताकि न्यायपालिका की गरिमा बनी रहे...

- निखिल भट्ट

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री जीएस अहलूवालिया ने नर्मदा पुरम की कलेक्टर सोनिया मीणा के खिलाफ चीफ सेक्रेटरी को कार्यवाही करने का जो आदेश जारी किया है वो न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखने के लिए जरूरी था,इसी तारतम्य में न्यायमूर्ति ने सिवनी मालवा के एडिशनल कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह और तहसीलदार राकेश खजूरिया की सभी मजिस्ट्रियल शक्तियां तत्काल वापस लेने के साथ उन्हें ट्रेनिंग पर भेजे जाने के आदेश करते हुए इस आदेश को सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज करने के निर्देश भी दिए हैं।

पिछले लंबे समय ये देखा जा रहा है की हाई कोर्ट के आदेशों के बावजूद नौकरशाह इन आदेशों की नाफरमानी कर देते हैं और जब अदालत की अवमानना के मामले में उन्हें हाजिर होना पड़ता है तो वे माफी मांग कर अपने आप को सुरक्षित कर लेते हैं।

स्थिति ये है कि शासन-और उसके नुमाइंदों द्वारा हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना के कारण पिछले साल तक हाई कोर्ट में लंबित मुकदमों की संख्या चार लाख के पार हो चुकी है और इसके साथ साथ अदालत की अवमानना के मामले भी लगातार बढ़ोतरी में हैं एक समाचार पत्र की खबर के मुताबिक 2018 में 3605 2019 में 3315 ,2020 में 3118, 2021 में 3212, 2022 में 1518 अवमानना के मामले हाइकोर्ट में दर्ज किए गए है।

दरअसल नौकरशाही में बढ़ती राजशाही की मनोवृत्ति इस समस्या की मुख्य वजह है कहने को तो सरकारी अफसर जनता की सेवा के लिए तैनात किए जाते हैं लेकिन आम नागरिकों के साथ उनका व्यवहार कैसा होता है इसका उदाहरण किसी भी सरकारी दफ्तर में जाकर महसूस किया जा सकता है, न्यायालय में मामलों की बढ़ती संख्या के पीछे भी यही कारण है कि सरकारी अफसर आम जनता के आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं करते और उसके बाद उसे मजबूर होकर न्यायपालिका की शरण में जाना पड़ता है क्योंकि उसकी निगाह में न्याय के लिए अंतिम सीढ़ी न्यायपालिका ही होती है लेकिन दुखद तथ्य ये भी है कि न्यायपालिका द्वारा दिए गए आदेशों को भी सरकार में बैठे उच्च स्तरीय अफसर गंभीरता से नहीं लेते इसके अलावा ये भी सर्वविदित तथ्य है कि न्यायालय में अधिकतर मामले सरकार के खिलाफ दायर होते हैं यदि शासन और प्रशासन इन आवेदनों पर अपने स्तर पर ही कार्यवाही कर कर उन्हें निपटा दें तो न्यायालयों पर मुकदमों का बोझ शायद कम हो सकता है लेकिन जिस तरह की मनोवृत्ति सरकारी अफसरों की हो चुकी है उसको देखते हुए यह सोचना अपने आप को झूठी सांत्वना देना होगा कि वे संवेदनशीलता दिखाते हुए एक पीड़ित को न्याय दिलाने में अपनी तरफ से पहल करेंगे इस मसले पर न्यायपालिका भी अधिकांश मामलों में नरम रुख अपनाती है अधिकारी द्वारा उपस्थित होकर माफी मांग लेना या फिर निदेर्शों का तत्काल पालन करने का वचन दे कर वे कार्यवाही से बच जाते हैं जबकि आम जनता ये चाहती है कि हाई कोर्ट के आदेशों का पालन समय पर न करने वाले अधिकारियों पर हाई कोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा कड़ी कार्यवाही की जाए और अगर ऐसा होता है तो अफसर शाही का यह भ्रम टूटेगा कि वे न्यायपालिका से भी ऊपर है शायद यही बात नर्मदा पुरम की कलेक्टर सोनिया मीणा के खिलाफ कुछ महीने पूर्व टिप्पणी करते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश श्री विवेक अग्रवाल ने कहा था कि क्या आप अपने आप को हाई कोर्ट से भी ऊपर समझती हैं, दो दो, तीन तीन बार हाई कोर्ट के बुलावे के बावजूद आप कोर्ट में हाजिर नहीं हुई और अपनी सफाई में ये कह रही है कि जिस दिन हाई कोर्ट ने उन्हें उपस्थित होने का आदेश दिया था उसी दिन उनके इलाके में एक मंत्री जी का दौरा था, न्यायमूर्ति श्री विवेक अग्रवाल ने इस पर भी गुस्सा जाहिर करते हुए कहा था कि क्या मंत्री हाई कोर्ट से भी ऊपर हो गए हैं पूर्व में हाई कोर्ट के न्याय मूर्ति द्वारा सोनिया मीणा को फटकार लगाने के बाद भी उनके रवैए में कोई फर्क नहीं आया और पिछले दिनों न्यायमूर्ति श्री जी एस अहलूवालिया की अदालत में एक मामले में उपस्थित ना होकर कलेक्टर सोनिया मीणा ने अपने एडीएम के माध्यम से एक चिट्ठी सीधे जज के नाम पर भेज दी जिस पर न्यायमूर्ति बेहद नाराज हुए उन्होंने उसी वक्त कह दिया था कि वे इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं और यह जरूरी है कि ऐसे मसलों पर कार्यवाही की जाए ताकि न्यायपालिका की गरिमा बनी रहे और अपने इसी आदेश के तहत आपने प्रदेश के मुख्य सचिव को नर्मदा पुरम कलेक्टर पर कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं।

शासन में बैठे जनप्रतिनिधियों को ये सोचना होगा कि जिस आम जनता ने उन्हें वोट देकर सत्ता के सिंहासन पर बैठाया है उनकी समस्याओं का निराकरण उनके अधीनस्थ आने वाले अधिकारी तत्परता से करें उन्हें इस तरह के कड़े निर्देश देने होंगे कि यदि उनके रवैए से निराश होकर किसी व्यक्ति को मजबूर होकर न्यायपालिका की शरण में जाना पड़ेगा तो वे खुद संबंधित अफसर के खिलाफ कड़ा एक्शन लेंगे। नर्मदा पुरम की कलेक्टर के खिलाफ हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने उन पर कार्यवाही करने के जो निर्देश मुख्य सचिव को दिए है उससे इस बात की आशा बंधती है कि भविष्य में कोई भी सरकारी अफसर उच्च न्यायालय की गरिमा पर आघात करने के पहले सौ बार सोचेगा और आम जनता के मामलों पर त्वरित कार्यवाही कर उन्हें न्याय प्रदान करते हुए न्यायपालिका के बोझ को कम करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करेगा।

पक्ष -विपक्ष को टकराव की राजनीति से दूर रहना चाहिए

-डा. भरत मिश्र प्राची

वर्तमान में संसद में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच अनर्गल, बेलगाम बोल के कारण दिन पर दिन अपसी टकराव की स्थिति बढ़ती जा रही है जो लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों को जनता ने जनमत आपस में टकराकर संसद काल का स्वर्णिम अवसर गवाने के लिये नहीं दिया बल्कि सकरात्मक बहस कर देशहित में सही कदम उठाने के लिये दिया है। सत्तापक्ष यदि मनमानी करता है, जनहित में उचित कदम नहीं उठाता है तो विपक्ष को विरोध करने का पूरा पावर जनता ने दे रखा है। विपक्ष की मांग पर पहल करना सत्तापक्ष का नैतिक दायित्व है। पर आजकल दोनों का नजरिया ही बदल गया है। जिसके वजह से आपसी टकराव की स्थिति दिन पर दिन बढ़ती जा रही है जिसें जनता के द्वारा चुने गये जनप्रतिधि सांसद के बेलगाम बोल आग में घी का काम कर रहे है। अभी हाल हीं में संसद में चल रही चर्चा के दौरान विपक्ष नेता राहुल गांधी द्वारा जातीय जनगणना कराये जाने के मुद्दे पर सत्ता पक्ष के केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का किसी की भावना को ठेस पहुंचाने वाला बयान कि जातीय जनगणना की बात करने वाले को अपनी जाति का ही पता नहीं, आपसी टकराव का कारण बन गया है। इस मुद्दे पर देश भर में विरोध की लहर उठ खड़ी हुई है जो देशहित में कदापि नहीं। इस तरह के अनर्गल बयान से जो किसी की भावना को ठेस पहुंचाये, सम्मानीय जनप्रतिनिधि सांसद को बचना चाहिए। जनता ने इस बार सत्ता पक्ष का जनमत का आकड़ा पहले से कम कर दिया है तथा विपक्ष को पहले से ज्यादा जनमत देकर मजबूत विपक्ष बनने का सुअवसर दिया है, इस बात को विपक्ष को नजरअदांज नहीं करना चाहिए। सत्ता पक्ष को मालूम है कि आज सत्ता वैसाखी पर टिकी है जो कभ भी धराशायी हो सकती है, उसके सामने एक तगड़ा विपक्ष सीना ताने खड़ा है। इस तरह के हालात में लोकतंत्र तभी सही रह सकता जब सांसद अपनी मयार्दा में रहें, अनर्गल बोल से बचे, पक्ष - विपक्ष टकराव की राजनीति से दूर रहें, सत्ता पक्ष के सही कदम पर विपक्ष समर्थन देकर सकरात्मक विपक्ष की भूमिका निभाए, सत्ता पक्ष भी विपक्ष की बातें सुने , विचार करें एवं उसपर अमल करे तभी जनादेश का सही आदर हो सकेगा, लोकतंत्र सही चल सकेगा। सत्ता तो आज इधर है तो कल उधर, इस यर्थात को सभी को समझना होगा। देश एवं जनहित में जरूरी है कि पक्ष विपक्ष आपसी टकराव की राजनीति से दूर रहें।

आज का राशिफल

मेष आज आपको रुपये-पैसे के मामले में लाभ होगा। आपका समय अच्छे कार्य में व्यतीत होगा।

तुला आज भाग्य साथ देगा और आपकी सुख सुविधाओं में वृद्धि होने के योग हैं।

वृषभ आज मेहनत करने से लाभ होगा। आपके राजनीतिक प्रतिद्वन्दी आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे।

वृश्चिक आज भाग्य साथ नहीं दे रहा है और दिन आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा।

मिथुन आज दिन सामान्य है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपका दिन सफलता से भरा होगा।

धनु आज दिन सफलता से भरा होगा और किस्मत हर मामले में आपका साथ देगी।

कर्क आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे चलकर लाभप्रद होगा।

मकर आपके सुख में वृद्धि होगी। आज अच्छे लोगों का साथ मिलने से लाभ होगा।

सिंह दिन शुभ है और आपको हर कार्य में भाग्य का साथ मिलेगा। विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

कुंभ आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। कहीं से कमा कमाया धन मिलने के योग हैं।

कन्या आज कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा और आपके लिए भौतिक सुख सुविधाएं बढ़ेंगी।

मीन दिन आय के नए स्रोत सामने आएंगे और करियर में तरक्की होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

विशेष

राहुल गांधी पर अनुराग ठाकुर का जवाबी हमला

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में इन दोनों आर पार की लड़ाई चल रही है।जिस तरह से महाभारत के युद्ध में योद्धाओं ने अपने मन माने तरीके से युद्ध के नियम बनाने शुरू कर दिए थे। वैसे ही हालात अब संसद के अंदर पक्ष और विपक्ष में देखने को मिल रहे हैं। राहुल गांधी ने संसद के अंदर अदानी और अंबानी का नाम लेकर सरकार पर जो हमला किया था। तुरंत दान, महा-कल्याण की तर्ज पर अनुराग ठाकुर ने संसद में राहुल गांधी को जवाब देते हुए बिना उनके नाम लिए उनकी जाति पूछ ली है। उन्होंने सदन में कहा उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया है। राहुल गांधी यदि अपनी जाति से जोड़ रहे हैं, तो राहुल गांधी जाने।

एलओपी का नया फुल फॉम,लीडरऑफ प्रोपेगेंडा

अनुराग ठाकुर भाजपा के तेजतर्रार सांसद है। पूर्व में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने राहुल गांधी को जवाब देते हुए कहा, वह शिव भगवान के बारात की बात कर रहे थे। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई तरह से घेरना चाहते हैं। मैं राहुल गांधी को यही कहना चाहता हूं। वह नए-नए एलओपी बने हैं। उनके एलओपी बनने के बाद ,अब इसका फुल फॉर्म लीडर ऑफ अपोजीशन नहीं, लीडर आप प्रोपेगेंडा हो गया है। वहीं राहुल गांधी ने अनुराग ठाकुर की बेहद आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कहा, उन्हें अनुराग ठाकुर की माफी नहीं चाहिए। वह जितनी गाली देंगे, उतना मुझे फायदा होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1347: अलाउद्दीन हसन गंगू उर्फ जफर खान ने अलाउद्दीन प्रथम के नामस से गद्दी पर बैठ गुलबर्गा को राजधानी बनाया. 1577: तुर्की ने ग्यारह माह की नाकेबंदी के बाद 'फामगुस्ता साइप्रस पर कब्जा किया 1645: ब्रोमोसबोरों संधि के तहत डेनमार्क को अपना कुछ इलाका स्वीडन को देना पड़ा. 1780 :ग्वालियर पर अंग्रेजों का कब्जा. 1886: राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त का जन्म. 1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मिलान जेनेवा और उत्तरी इटली के अन्य शहरों में नाजी विरेधी प्रदर्शन हुए. 1958: अमरीका की परमाणु चालित पनडुब्बी नाटिलस ने समुद्र के भीतर ही भीतर उत्तरी ध्रुव पार किया. 1988: इंदिरा गांधी हत्याकांड में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सतवंत सिंह व केहरसिंह के मृत्युदंड की पुष्टि व बलबीर सिंह रिहा. 1990: अमरीका और सोवियत संघ ने कुवैत पर इराकी कब्जे की संयुक्त रूप से निंदा की.

दैनिक पंचांग

03 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

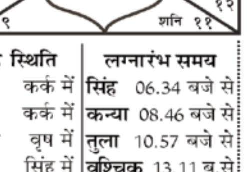

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.34 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	08.46 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	10.57 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.11 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	15.27 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	17.33 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.19 बजे से
राहु	मीन में	मीन	20.52 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	22.22 बजे से
		वृष	00.02 बजे से
		मिथुन	02.01 बजे से
		कर्क	04.14 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2024 वर्ष का 216 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 15.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 11.59 बजे को समाप्त।
योग वज्र 11.01 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 15.51 बजे तदनन्तर चतुष्पद 04.14 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872060
जूलियन दिन 2460525.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम
तारीख 27

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

भगवान शिव को क्यों चढ़ाया जाता है भांग-धतूरा, समुद्र मंथन से जुड़ा है रहस्य

भगवान शिव को भांग-धतूरा चढ़ाने का विशेष महत्व है। बेलपत्र के अलावा ये दो अन्य वस्तुएं भी हैं, जो पूजा के दौरान शुभ मानी जाती हैं। यहां आपको बताते हैं भगवान शिव को भांग-धतूरा क्यों चढ़ाया जाता है और इसकी परंपरा कब से शुरू हुई थी।

इन दिनों पवित्र सावन माह चल रहा है। शिव पूजा के लिए मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है और महादेव के विशेष अनुष्ठान किए जा रहे हैं। शिव पूजा के दौरान भांग धतूरे का विशेष महत्व है। यहां आपको बताते हैं भगवान शिव पर भांग धतूरा क्यों चढ़ाया जाता है और इसका क्या महत्व है।

ये है पौराणिक कथा

हिंदू पौराणिक कथा के अनुसार, जब अमृत प्राप्ति के लिए देवताओं और दानवों द्वारा समुद्र मंथन किया गया था, तो उसमें से 14 रत्न निकले थे। जो अलग-अलग देवताओं को दिए गए थे। इन्हीं रत्नों में से एक हलाहल यानी विष भी था, जो अत्यंत प्रभावशाली था। मान्यता है कि इस विष के प्रभाव के कारण दसों दिशाएं जलने लगी थी। ऐसे में धरती को इस संकट से उबारने के लिए भगवान शिव ने हलाहल को पिया और इसे कंठ में धारण कर लिया था।

अचेत हो गए थे महादेव

कहा जाता है इस विष के प्रभाव के कारण भगवान शिव अचेत हो गए थे और उनका शरीर गर्म हो गया। विष के इस असर से मुक्ति दिलाने के लिए उनके सिर पर भांग और धतूरा रखा गया था, जिससे उन्हें ठंडक मिली और विष का प्रभाव खत्म हो गया था। इसके बाद से ही शिवलिंग को भांग-धतूरा चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है।

नीलकंठ कहलाए भगवान शिव

मान्यता के अनुसार, हलाहल को कंठ में धारण करने के बाद भगवान शिव का गया नीला पड़ गया था। इसके कारण महादेव को नीलकंठ भी कहा जाता है।

शिवलिंग पर चढ़ाए हुए जल का क्या करना चाहिए?

सावन का पावन महीना चल रहा है। सावन में शिव पूजन और शिवलिंग अभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि सावन भगवान शिव को इतना प्रिय है कि इस माह में अगर महादेव को मात्र एक लोटा जल भी श्रद्धा से चढ़ाया जाए तो शिव शंभू प्रसन्न हो जाते हैं और भक्त पर अपनी कृपा बरसाते हैं। सावन बल्कि रोजाना भी जो शिव जी की पूजा के दौरान शिवलिंग पर जल चढ़ाता है वह बहुत चमत्कारी होता है। ऐसे में उस जल को कभी भी यूं नहीं जाने देना चाहिए।

जब भी आप शिवलिंग पर जल चढ़ाएं तो आखिर में शिवलिंग से टपकने वाली कुछ बूंदों को हाथों में लेकर उन्हें ग्रहण कर लें। इससे भगवान शिव का आशीर्वाद आप पर बना रहता है और आपके भीतर की नकारात्मकता भी उस जल की दिव्यता से खत्म हो जाती है। इसके अलावा, शिवलिंग पर चढ़े हुए जल को एक पात्र में दोबारा इक्कट्ठा कर उसे घर में रखना भी अच्छा माना जाता है। अगर आपके घर में गंगाजल नहीं है तो आप शिवलिंग पर चढ़े हुए जल को भी रख सकते हैं। इसके प्रभाव से घर को लगी बुरी नजर भी उतर जाती है। शिवलिंग पर चढ़े हुए जल के साथ आप एक काम और भी कर सकते हैं। अगर जिस मंदिर में जाते हैं वहां शिवलिंग थोड़ी ऊंचाई पर है और उस शिवलिंग पर चढ़ा हुआ जल ऐसे स्थान पर गिरता है जहां निचे खाली जगह हो तो उस जल को एक पात्र में भरकर पेड़-पौधों में डाल दें।

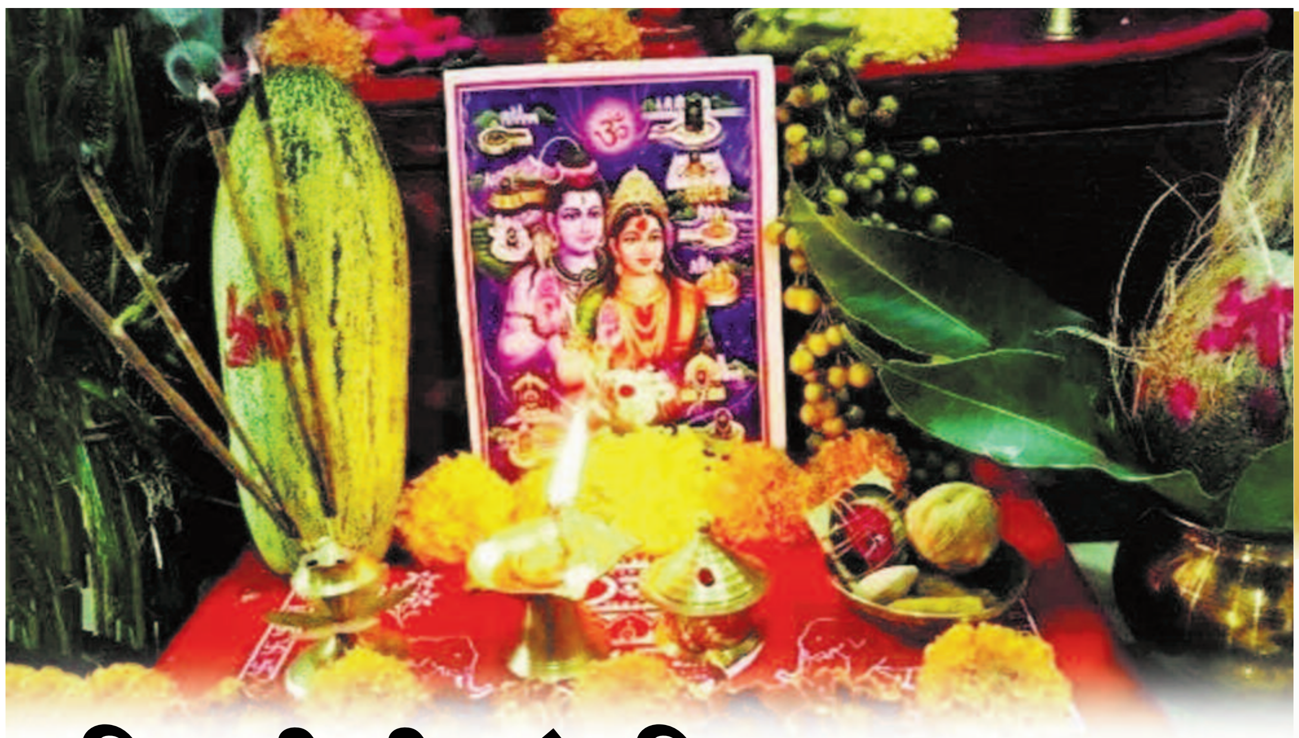

हरियाली तीज के दिन सौभाग्य प्राप्ति के लिए क्या करें और क्या न करें?

हरियाली तीज को सावन तीज के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और पूजा-पाठ करती हैं। हरियाली तीज के दिन विशेष रूप से हरे रंग के वस्त्र पहनने की मान्यता है। आइए इस लेख में जानते हैं कि हरियाली तीज के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

सनातन धर्म में हरियाली तीज के पर्व का विशेष महत्व बताया गया है। पंचांग के हिसाब से सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज का व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पावन अवसर पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना विशेष रूप से करने का विधान है। इस व्रत को विशेषकर सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। हरियाली तीज का व्रत अविवाहित महिलाएं मनचाहा वर पाने के लिए रखती हैं। हरियाली तीज के दिन विशेष रूप से हरे रंग के वस्त्र पहनने की मान्यता है। अब ऐसे में हरियाली तीज के दिन सौभाग्य प्राप्ति के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

हरियाली तीज के दिन क्या करना चाहिए?

- हरियाली तीज सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। यह पति-पत्नी के बीच प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। इस दिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती से सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं।
- हरियाली तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विशेष रूप से करें।
- हरियाली तीज के दिन व्रत करने वाली महिलाएं उन्हीं सामग्री का इस्तेमाल करें जो उन्हें मायके से दी गई है।
- हरियाली तीज के दिन व्रती महिलाएं जमीन पर ही सोएं।
- हरियाली तीज के दिन हरे रंग के वस्त्र जरूर पहनें। साथ ही इस दिन सोलह श्रृंगार करने का विशेष महत्व है।
- हरियाली तीज के दिन मेंहदी लगाने की परंपरा है। इसलिए महिलाएं मेंहदी जरूर लगवाएं।

हरियाली तीज के दिन क्या नहीं करना चाहिए?

- हरियाली तीज के दिन व्रती महिलाएं खासकर हरे रंग के वस्त्र पहनें। इस दिन काले, भूरे या फिर सफेद रंग के वस्त्र भूलकर भी नहीं पहनना चाहिए।
- हरियाली तीज के दिन सुहागिन महिलाएं काले रंग की चूड़ियां भी पहनने से बचें। इस दिन हरे रंग की चूड़ियां विशेष रूप से पहनने की मान्यता है। बता दें, हरा रंग खुशियों और पति की लंबी उम्र का प्रतीक माना जाता है।
- हरियाली तीज के दिन व्रती महिलाएं अपनी पति से लड़ाई-झगड़ा करने से बचें।
- अगर आप हरियाली तीज का सामान खरीद रही हैं, तो मंगलवार के दिन खरीदने से बचें।
- हरियाली तीज के दिन व्रती महिलाएं सोने से बचें। इस दिन भजन-कीर्तन करें।
- हरियाली तीज के दिन भूलकर भी जल या फिर दूध का सेवन करने से बचना चाहिए। साथ ही तीज व्रत पारण से पहले न खोलें। इससे व्रत का पूर्ण फल नहीं मिलता है।

हरियाली तीज व्रत का महत्व क्या है?

हरियाली तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिलत रूप से करने का विधान है। इस दिन जो महिलाएं व्रत रखती हैं और पूजा-पाठ करती हैं। उन्हें अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है। हरियाली तीज सुख-समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करने से सुहागिन महिलाओं का दांपत्य जीवन भी सुखमय रहता है।

हरियाली तीज के दिन घर के मुख्य द्वार पर लगाएं इन चीजों की छाप

सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पड़ने वाली हरियाली तीज इस बार 7 अगस्त, दिन बुधवार को मनाई जाएगी। हरियाली तीज के दिन एक छोटा सा उपाय करने से वैवाहिक जीवन को प्रभावित करती नकारात्मक ऊर्जा दूर हो सकती है।

पंचांग के अनुसार, साल में तीन बार तीज का पर्व मनाया जाता है। इन्हीं में से एक है सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पड़ने वाली हरियाली तीज जो इस बार 7 अगस्त, दिन बुधवार को मनाई जाएगी। हरियाली तीज के दिन एक छोटा सा उपाय करने से वैवाहिक जीवन को प्रभावित करती नकारात्मक ऊर्जा दूर हो सकती है और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बन सकते हैं। आइये जानते हैं इस छोटे और सरल उपाय के बारे में।

घर के मुख्य द्वार पर लगाएं हल्दी की छाप

हरियाली तीज के दिन घर के मुख्य द्वार पर हल्दी की छाप भी लगानी चाहिए। हल्दी में न सिर्फ नकारात्मकता को दूर करने की शक्ति होती है बल्कि हल्दी के प्रभाव से सकारात्मकता बढ़ने लगती है और गुरु ग्रह मजबूत होते हैं। इसलिए हरियाली तीज के दिन हल्दी की छाप मुख्य द्वार पर अवश्य लगानी चाहिए।

घर के मुख्य द्वार पर लगाएं मेहंदी की छाप

सुहाग के सामान में मेहंदी का भी एक स्थान होता है। हरियाली तीज के दिन श्रृंगार करने से पूर्व सुहागिन महिलाएं पति के नाम की मेहंदी हाथों में रचाती हैं। ऐसे में अगर उसी मेहंदी की छाप घर के मुख्य द्वार पर सुहागिन स्त्री द्वारा लगाई जाए तो इससेवैवाहिक जीवनमें मौजूद नकारात्मकता खत्म होने लगती है।

घर के मुख्य द्वार पर लगाएं कुमकुम की छाप

कुमकुम का रंग लाल होता है और इसका संबंध मंगल ग्रह से होता है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनाए रखने का काम मंगल ग्रह का होता है। ऐसे में मंगल ग्रह को मजबूत करने के लिए हरियाली तीज के दिन सुहागिन महिलाएं घर के मुख्य द्वार पर कुमकुम से अपने हाथों की छाप बना सकती हैं।

रुद्राक्ष धारण करने के लिए सावन का महीना है सबसे अच्छा, ध्यान रखें सही समय और नियम

रुद्राक्ष पहनने से व्यक्ति को भगवान शिव की कृपा की प्राप्ति होती है। भगवान शिव के प्रिय माह सावन में रुद्राक्ष धारण करने पर इससे जुड़े कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। रुद्राक्ष पहनने वाले व्यक्ति को दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है और उसके तेज की वृद्धि भी होती है।

सावन का महीना भगवान शिव को प्रिय माना जाता है। इस साल सावन महीने की शुरुआत 22 जुलाई से हो चुकी है। कहा जाता है कि भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सावन का महीना सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस महीने उन्हें आसानी से प्रसन्न किया जा सकता है। सावन का महीना और कई कारणों से बहुत शुभ होता है। ऐसे में यदि आप रुद्राक्ष धारण करने की सोच रहे हैं, तो इस महीने धारण कर सकते हैं। रुद्राक्ष शिवजी का प्रिय आभूषण माना जाता है। सावन में रुद्राक्ष धारण करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं, लेकिन ऐसे ही रुद्राक्ष धारण नहीं किया जाता है। पूरी विधि के साथ इसे धारण करना चाहिए।

इस दिन धारण करें रुद्राक्ष

सावन में शिवरात्रि के दिन रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। इस दिन शिव जी की विशेष पूजा के साथ रुद्राक्ष धारण करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इसके अलावा सावन सोमवार के दिन भी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है, इसलिए इस दिन रुद्राक्ष धारण करने से शिव कृपा प्राप्त होती है।

इस समय धारण करें रुद्राक्ष

रुद्राक्ष धारण करने का सबसे अच्छा समय प्रातः काल होता है। इस समय वातावरण शुद्ध और शांत होता है। ऐसे में रुद्राक्ष की ऊर्जा आसानी से अवशोषित की जा सकती है। आप सुबह के समय रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं। रुद्राक्ष धारण करने से पहले इसे पंचामृत और गंगाजल से शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद इसे साफ कपड़े से पोछें। इस पर तिलक लगाएं, धूप दिखाएं फिर ओम नमः शिवाय मंत्र का 108 बार जाप करें और रुद्राक्ष धारण कर लें। कहा जाता है कि रुद्राक्ष पहनने पर इससे जुड़े नियमों का पालन जरूर करना चाहिए धार्मिक मान्यता है कि सावन में रुद्राक्ष पहनना शुरू किया जाए, तो बहुत ही शुभ होता है।

रुद्राक्ष धारण करने के नियम

- सबसे पहले रुद्राक्ष को एक लाल कपड़े में रखकर पूजा स्थल या शिवलिंग के पास रखें। पंचाक्षरी ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। फिर इसे गंगाजल से धोकर पंचामृत में डुबोएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद गंगाजल को हाथ में लेकर संकल्प में और फिर गंगाजल को हाथ से छोड़ दें। रुद्राक्ष को फिर से गंगाजल से धोने के बाद उसे धारण कर लें।
- रुद्राक्ष धारण करते समय सफेद या हल्के रंग के कपड़े ही पहनना चाहिए। एक बार रुद्राक्ष धारण करने के बाद नियमित रूप से हर दिन ध्यान और साधना करनी चाहिए।
- इससे रुद्राक्ष की ऊर्जा बढ़ती है और लाभ मिलता है। साथ ही मानसिक शांति भी बनी रहती है।
- रुद्राक्ष को हाथ और गले में धारण करने का महत्व है। अगर आप इसे हाथ में पहनना चाहते हैं, तो उसमें 12 दाने होने चाहिए फिर यदि गले में धारण करना चाहते हैं, तो 54 दोनों की संख्या होनी चाहिए।
- रुद्राक्ष बहुत ही पवित्र माना जाता है, इसलिए इसे कभी भी अशुद्ध हाथों से न छुएं और रुद्राक्ष को लाल धागे में ही पहनें।
- रुद्राक्ष धारण करने के बाद व्यक्ति को सात्विक भोजन ही करना चाहिए। ऐसे व्यक्ति को कभी भी मांसाहार या मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- रुद्राक्ष को हमेशा विषम संख्या में धारण किया जाता है। अगर आप रुद्राक्ष की माला धारण कर रहे हैं, तो ध्यान रखें कि माला में 27 से कम रुद्राक्ष ना हो। ऐसा होने पर शिव दोष लगता है।

सावन माह में जरूर लगाएं शिव प्रिय शमी का पौधा, घर में होगा सुख-समृद्धि का प्रवेश

सावन के महीने में कुछ पेड़-पौधे लगाने से आपके घर में सुख-समृद्धि आती है। वास्तु की दृष्टि से से भी सावन के महीने में कुछ पौधे लगाना शुभ माना जाता है। आज हम आपको उन्हीं पौधों के बारे में बताने जा रहे हैं। इनमें से कुछ पौधे आप अपने घर पर ही लगा सकते हैं।

भगवान प्रिय महीना 22 जुलाई से शुरू हो चुका है। यह 19 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान पांच सोमवार पड़ रहे हैं। सावन के महीने में शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। हर कोई अपने प्रकार से भगवान शिव को प्रसन्न करने की कोशिश करता है। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जो भगवान शिव को बहुत प्रिय हैं। यदि सावन में इन पौधों को लगा लिया जाए, तो भगवान की विशेष कृपा बरसती है। यह पौधे बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। आइए, जानते हैं कि वह पौधे कौन-से हैं, जिन्हें सावन के महीने में लगाना शुभ माना जाता है।

शमी का पौधा

हम सभी जानते हैं कि शमी का पौधा भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। धार्मिक कार्यों में भी यह पौधा सबसे खास माना जाता है। इसके अलावा सेहत के लिए भी यह बहुत उपयोगी है। इस पौधे के उपयोग से कीटनाशक औषधि बनती है। शमी की पत्तियों में एंटीमाइक्रोबॉयल गुण पाए जाते हैं। साथ ही शमी की पत्ति भगवान शिव को अर्पित करने से भी वे प्रसन्न होते हैं।

पीपल का पौधा

पीपल के पेड़ की पूजा भारतीय संस्कृति में कई सालों से होती आ रही है। यह पेड़ अत्यंत पवित्र माना जाता है। ऑक्सीजन का सबसे अच्छा स्रोत पीपल को माना जाता है। आयुर्वेद में भी पीपल के पत्तों को बहुत गुणकारी बताया गया है। ऐसे में आप सावन के महीने में पीपल का पौधा किसी भी जगह रोपित करते हैं, तो आपको बहुत फायदा मिलेगा।

बेलपत्र का पौधा

बेलपत्र भगवान शिव को बहुत प्रिय होता है। सावन के महीने में इसे मुख्य रूप से अर्पित किया जाता है। ऐसे में यदि आप सावन के महीने में बेलपत्र का पौधा लगाते हैं, तो आपको दोगुना लाभ मिलता है। इस पौधे की पत्तियां, फल औषधीय गुणों से भरपूर माने जाते हैं। पुराणों में भी इस पौधे के बारे में वर्णन किया गया है।

चंपा का पौधा

चंपा का पौधा भी औषधीय गुणों से भरपूर होता है। यदि सावन के महीने में इसे आप रोपित करते हैं, तो भगवान शिव प्रसन्न होकर अपनी कृपा आप पर बरसाते हैं। इसकी खुशबू बहुत ही अच्छी होती है। यह फूल सफेद और पीले रंग से मिला हुआ होता है। इन फूलों से निकलने वाली खुशबू तनाव को दूर करने में मददगार होती है।

केले का पौधा

केले का पौधा सावन में जरूर लगाना चाहिए, क्योंकि इससे भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं।

केले का पौधा भगवान विष्णु को भी अत्यंत प्रिय माना जाता है। ऐसे में भगवान शिव के साथ-साथ भगवान विष्णु की भी कृपा प्राप्त होती है। कहा जाता है कि केले की जड़ में भगवान विष्णु का वास होता है। ऐसे में सावन के महीने में इसे जरूर लगाएं।

संक्षिप्त समाचार

विकास दर के मामले में कोई हमारी बराबरी नहीं कर रहा, सेबी प्रमुख ने देश की अर्थव्यवस्था पर कही यह बात

नईदिल्ली, एजेंसी। विकसित भारत के लिए अर्थव्यवस्था, वास्तविक अर्थव्यवस्था, वित्तीय अर्थव्यवस्था और बाजार एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। बुच ने कहा कि अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चालक वह तरीका है जिसमें हमारी पूरी बाजार प्रणाली एक अच्छी तरह से संतुलित और प्रगतिशील तरीके से कार्य करती है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि वैश्विक तालिकाओं में हम अग्रणी हैं। भारत दुनिया में आईपीओ जारी करने की कुल संख्या के मामले में नंबर एक पर है। यह लगभग हर ट्रेडिंग सत्र में जारी हो रहा है। पूंजी जुटाने और स्टॉक एक्सचेंजों की राशि के मामले में, हम नंबर 5 पर हैं। यदि आप हमें अधिकार क्षेत्र के दृष्टिकोण से देखते हैं, तो हम नंबर 3 परहैं। जुटाई गई धनराशि की मात्रा अब भी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं-अमेरिका और चीन को चीन को टक्कर देने की स्थिति में । यदि आप पिछले पांच वर्षों में वृद्धि दर को देखें तो तो कोई भी हमारी विकास दर की बराबरी नहीं कर रहा है।

वाहन बिक्री : मारुति, ह्यूंडई व टाटा मोटर्स में गिरावट ; दोपहिया वाहनों की बिक्री में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। मांग में नरमी के बीच प्रमुख कार विनिर्माता कंपनियों मारुति सुजुकी व ह्यूंडई की थोक बिक्री जुलाई में घट गई और कंपनियों ने खुदरा विक्रेताओं को वाहनों की आपूर्ति कम कर दी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा, पिछले माह उसकी घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 9.64 फीसदी घटकर 1,37,463 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसने 1,52,126 यात्री वाहन बेचे थे। मारुति की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी ह्यूंडई मोटर इंडिया की थोक बिक्री जुलाई में तीन फीसदी गिरकर 49,013 इकाई रह गई।?इसी तरह, टाटा मोटर्स ने कहा, उसकी कुल घरेलू बिक्री 11 फीसदी घटकर 70,161 इकाई रही।?जुलाई, 2023 में कंपनी ने 78,844 यात्री वाहन बेचे थे।

जोमोटो के शेयर में 17 प्रतिशत का उछाल, 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। होटल तथा रेस्तरां से खाद्य पदार्थों की खरीद का विकल्प पेश करने वाले ऑनलाइन मंच जोमोटो के शेयर शुक्रवार को रॉकेट बना हुआ है। कंपनी का शेयर आज अपने 52 हफ्तों के हाई पर पहुंच गया है इसमें 17 प्रतिशत की तेजी आई और ये 278 रुपए के हाई पर पहुंच गया है। कल स्टॉक 234 रुपए के लेवल पर बंद हुआ था और आज इसकी ओपनिंग 244 रुपए पर हुई थी। स्टॉक अपने अपर सर्किट लेवल से कुछ ही देर था। हालांकि, इसके बाद से स्टॉक थोड़ा नीचे आकर 261 रुपए के आसपास ट्रेड कर रहा था।

आईआरडीएआई ने एचडीएफसी लाइफ पर 2 करोड़ का जुर्माना लगाया, कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एचडीएफसी लाइफ पर विभिन्न आईआरडीएआई नियमों का उल्लंघन करने के लिए कुल 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। कंपनी के अनुसार, सितंबर 2020 में आईआरडीएआई की ओर से किए गए ऑनसाइट निरीक्षण के बाद जुर्माना लगाया गया था। उस दौरान वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 से जुड़े मामलों की जांच की गई थी।

बीमा कंपनी एचडीएफसी लाइफ पर पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके अतिरिक्त, कंपनी की ओर से

सेवाओं की आउटसोर्सिंग से जुड़ी अनियमितताओं के लिए एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

कंपनी ने गुरुवार को नियामकीय फाइलिंग में बताया, ÷आईआरडीएआई ने 01 अगस्त, 2024 को एक आदेश जारी किया, जिसमें लागू नियमों के उल्लंघन के लिए कुल 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित कुछ पहलुओं के संबंध में एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, कंपनी की ओर से की गई सेवाओं की आउटसोर्सिंग से जुड़े मामलों में 1 करोड़ रुपये (एक करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई कमीशन, पारिश्रमिक या इनाम का भुगतान से जुडी थी। बीमा क्षेत्र की नियामक आईआरडीएआई ने वित्तीय दंड के अलावा, बीमा प्रदाता कंपनी एचडीएफसी लाइफ को निर्देश और सलाह भी जारी की है। कंपनी को निर्धारित समय सीमा के भीतर इन दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने को कहा गया है ताकि पहचान की गई कमियों को दूर किया जा सके और विनियामक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण भारत के बीमा क्षेत्र की निगरानी और विकास के लिए बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (आईआरडीए अधिनियम, 1999) के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। आईआरडीएआई का लक्ष्य पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करना और उद्योग के व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देना है।

महंगाई की चुनौती, अब 38 चीजों के दामों पर नजर रखेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई पर काबू पाने की कोशिशों के तहत सरकार अब 38 जरूरी चीजों की कीमतों की रोजाना मॉनिटरिंग करेगी। अब तक 22 चीजों पर नजर रखी जाती थी। नई चीजों में बैंगन, बाजरा, रागी, अंडा, सूजी, बेसन, मैदा, घी जैसे 16 आइटम हैं। गुरुवार को प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम मोबाइल ऐप वर्जन 4.0 लॉन्च करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। मई में 4.8 प्रतिशत रहने के बाद जून में रिटेल इंफ्लेशन 5.08 प्रतिशत पर चली गई थी। खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर लगातार आठवें महीने 8 प्रतिशत से ऊपर रहते हुए जून में 9.36 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। होलसेल इंफ्लेशन जून में 3.36 प्रतिशत के साथ 16 महीनों के ऊंचे स्तर पर थी और होलसेल फूड इंफ्लेशन 10.85 प्रतिशत रही। जोशी ने बताया कि पहली अगस्त से डेली प्राइस मॉनिटरिंग की व्यवस्था में अब 16 और खाद्य वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी, मैदा, बेसन, घी, मक्खन, बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी और केले की कीमतों पर भी रोजाना नजर रखी जाएगी। कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 550 सेंटरों के जरिए जरूरी चीजों की कीमतों पर रोज नजर रखता है। कंज्यूमर अफेयर्स सेक्रेटरी निधि खरे ने कहा कि कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में 38 चीजों का वेटेज करीब 31 प्रतिशत है। वहीं, चावल, गेहूं, आटा और चना दाल सहित 22 चीजों का वेटेज 26.5 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने विभाग से कहा था कि ज्यादा चीजों की डेली प्राइस मॉनिटरिंग की जाए। जोशी ने

कहा कि ज्यादा फूड आइटम्स पर नजर रखने से कीमतों में उतार-चढ़ाव और इंफ्लेशन पर काबू पाने में बेहतर मदद मिलेगी। खरे ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में 2 अगस्त से ह्लष्टष्टस्न की वैन के जरिए 50 रुपये किलो के भाव पर टमाटर बेचे जाएंगे। मंत्रालय ने 29 जुलाई को दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये किलो पर टमाटर बिक्री शुरू की थी। जोशी ने कहा कि इस कदम के बाद दाम घटे हैं।

राज्यों 2800 रुपये क्विंटल में चावल

कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री ने राज्यों को यह छूट दी है कि वे अपनी जरूरत के लिए स्नष्टढ्ढ से 2800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर चावल खरीद सकते हैं और इसके लिए उन्हें नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेना होगा। स्नष्टढ्ढ के पास देश की वेलफेयर स्कीम्स के लिए जरूरी मात्रा से अधिक चावल का भंडार है और नए सीजन में खरीदारी शुरू होने से पहले राज्यों को यह ऑफर दिया गया है। जोशी ने बताया कि राज्य कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी अपनी जरूरत के लिए सीधे फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से इस भाव पर चावल खरीद सकते हैं। राज्यों को पहले 2900 रुपये क्विंटल का भाव देना होता था।

लिस्ट नहीं होगी टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने अनिवार्य लिस्टिंग से छूट मांगी है। इसके लिए उसने आरबीआई को एक रिस्ट्रक्चरिंग योजना सौंपी है। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय बैंक कंपनी की इस योजना से सहमत है। टाटा संस ने पहले ही इस योजना के कुछ हिस्सों को लागू कर दिया है। इसमें कंपनी का कर्ज खत्म करना भी शामिल है। इस योजना के बाद टाटा संस को अपर लेयर गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। हालांकि इसके लिए कंपनी को कुछ रेगुलेटरी शर्तों को पूरा करना होगा। इसके बाद टाटा संस को स्टॉक एक्सचेंजों में खुद को लिस्ट करने की आवश्यकता नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि योजना के अनुरूप टाटा संस ने आरबीआई के नियमों के मुताबिक अपनी बैलेंस शीट को जीरो-डेट वाली कंपनी के रूप में पुनर्गठित किया है।

क्रिसिल रेटिंग्स की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 30 सितंबर, 2023 को कंपनी पर 15,200 करोड़ रुपये का कर्ज था। साथ ही उसके पास 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की स्टैंडअलोन कैश और कैश इक्विवेलेंट था। अक्टूबर 2021 में आरबीआई के एक सर्कुलर में कहा था कि एनबीएफसी-अपर लेयर के रूप में क्लासीफाई कंपनियों को तीन साल के भीतर अनिवार्य रूप से लिस्ट किया जाना चाहिए। केंद्रीय बैंक ने 2022 में टाटा संस को अपर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया था। इसका मतलब था कि उसे सितंबर

2025 तक लिस्ट होना था। सूत्रों का कहना है कि ग्रुप की सभी कंपनियों में टाटा संस की भविष्य में फंडिंग कैश रिजर्व से की जाएगी। इस बारे में आरबीआई और टाटा संस ने सवालों का जवाब नहीं दिया।

कितनी है मार्केट वैल्यू

पीएनबी के खताधारकों ने केवाईसी अपडेट नहीं किया तो खाता हो जाएगा बंद

पीएनबी के सवा तीन लाख ग्राहकों पर लटकी तलवार

नईदिल्ली, एजेंसी। यदि आपका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है तो सावधान हो जाइए। इस बैंक के करीब सवा तीन लाख खाताधारकों ने अभी तक अपना केवाईसी अपडेट नहीं किया है। ऐसे खाताधारकों को 12 अगस्त 2024 तक का समय दिया गया है। यदि वे उक्त तारीख तक ऐसा नहीं करते हैं तो उनका खाते में ऑपरेशन रोका जा सकता है।

क्या है मसला

बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप सभी बैंक अपने खाताधारकों से नो योर कस्टमर्स या केवाईसी अपडेट करवा रहे हैं। यदि कोई ग्राहक

केवाईसी अपडेट नहीं करवाता है तो बैंक के उस खाते में ऑपरेशन को रोक सकता है। पीएनबी में अभी भी करीब सवा तीन लाख खाताधारक ऐसे हैं, जिन्होंने इस साल 31 मार्च तक केवाईसी अपडेट नहीं कराया था। उन्हें ही बैंक ने शीघ्र केवाईसी अपडेट करनाने को कहा है।

कब तक का मिला है समय

पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों से 12.08.2024 तक अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) जानकारी अपडेट करने के लिए कहा है। ऐसा इसलिए, ताकि उनके खातों का कामकाज पहले की तरह सुचारु रूप से हो सके। बैंक का कहना है कि यह निर्देश केवल उन ग्राहकों के लिए लागू है, जिनके खातों में 31.03.2024 तक केवाईसी अपडेट होना शेष था।

केवाईसी अपडेट नहीं होगा तो क्या होगा

बैंक का कहना है कि जो व्यक्ति आगामी 12 अगस्त तक केवाईसी नहीं करवाएंगे, उनका अकाउंट अनऑपरेटिव हो जाएगा। इसे इस तरह से समझ सकते हैं कि उनका अकाउंट फ्रिज हो जाएगा। फिर वह अपने अकाउंट से ही अपना पैसा भी नहीं निकाल पाएंगे। हालांकि, वह चाहें तो अपने खाते में रकम जमा कर सकते हैं। लेकिन, उस अकाउंट से लोन नहीं ले पाएंगे।

कैसे कराएं केवाईसी

पीएनबी का कहना है कि वह अपनी जानकारी नवीनतम पहचान प्रमाण, पते का प्रमाण, नवीनतम फोटो, पैन, आय का प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि उपलब्ध हो तो) या कोई अन्य केवाईसी जानकारी अपने ब्रांच में जा कर जमा करें। उसे ब्रांच मैनेजर अटेस्ट कर के केवाईसी कर देंगे। ग्राहक चाहें तो वह पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सर्विसेज (आईबीएस), पंजीकृत ईमेल/पोस्ट भेज कर भी ऐसा कर सकते हैं। यदि वह चाहें तो अपने घर के नजदीक पीएनबी की किसी अन्य शाखा में भी 12.08.2024 तक व्यक्तिगत रूप से जाकर केवाईसी करा सकते हैं।

18 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है इंटेल, खर्च में 20 अरब डॉलर की कटौती करने की तैयारी

अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी इंटेल ने गुरुवार को एलान किया कि वह अपने परिचालन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से अपने कुल स्टाफ में से 15 प्रतिशत की कटौती करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंटेल में अभी एक लाख चौबीस हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। ऐसे में कंपनी के एलान के मुताबिक करीब 18 हजार कर्मचारियों की छंटनी की जा सकती है।

खर्चों में 20 अरब डॉलर की कटौती करेगी कंपनी

इंटेल की योजना है कि वह अपने इस साल के खर्च में करीब 20 अरब डॉलर की कटौती कर सकती है। कंपनी को हालिया तिमाही में करीब 1.6 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा है। कंपनी के सीईओ पैट गेलसिंगर ने बयान जारी कर कहा है कि हमारे दूसरी तिमाही में प्रदर्शन काफी खराब रहा जबकि हमने प्रमुख उत्पाद और प्रौद्योगिकी में मील का पत्थर हासिल किया है। दूसरी छमाही के रुझान हमारी पिछली उम्मीद से कहीं ज़्यादा चुनौतीपूर्ण हैं। मुख्य वित्तीय अधिकारी डेविड जिन्सनर ने कहा, अपने खर्च में कटौती करके, हम अपने

मुनाफ़े को बेहतर बनाने और अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं।

इस्राइल में भी कंपनी ने अपने निवेश पर लगाई रोक

घाटे से परेशान इंटेल ने जून में घोषणा की थी कि वह इस्राइल में एक प्रमुख फैक्ट्री परियोजना के विस्तार को भी अभी रोक रही है। कंपनी इस्राइल में चिप प्लांट के लिए अतिरिक्त 15 अरब डॉलर के निवेश की योजना बना रही थी। इंटेल की प्रतिद्वंदी कंपनी एनवीडिया, एएमडी और क्वालकॉम से कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दशकों से, इंटेल ने चिप्स के बाजार पर अपना दबदबा बनाए रखा है, जो लैपटॉप से लेकर डेटा सेंटर तक में इस्तेमाल होती हैं, लेकिन हाल के वर्षों में एनवीडिया जैसी कंपनियां एआई के क्षेत्र में आगे बढ़ गई हैं।

जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ दिवालिया प्रॉसीडिंग्स

▶▶ बैंकों ने एनसीएलटी में डाली थी कंपनी के खिलाफ याचिका

▶▶ कंपनी पर 28 बैंकों का 48,000 करोड़ रुपये बकाया हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय संकट से जूझ रहे जेपी ग्रुप ने अपनी प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स को दिवालियापन से बचाने के लिए ग्लोबल क्रेडिट फंड्स से संपर्क साधा है। ग्रुप की योजना वर्डे पार्टनर्स, एरेस, सेर्बेरस और हिलहाउस वैश्विक क्रेडिट फंड्स से 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। इस मुहिम की अगुवाई जेपी ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ मनोज गौड़ कर रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई में बैंकों ने जयप्रकाश एसोसिएट्स के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए के एक याचिका डाली थी जिसे नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 3 जून को स्वीकार कर लिया था। ग्रुप ने अपनी फ्लैगशिप कंपनी को दिवालिया होने से बचाने की मुहिम तेज कर दी है। हालांकि जानकारों का कहना है कि लैंड अथॉरिटीज के साथ जयप्रकाश एसोसिएट्स के विवाद क्रेडिट फंड्स के साथ बातचीत में बाधा बन सकते हैं।

जेएएल और क्रेडिट फंड्स के बीच बातचीत से अवगत एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी के

कर्ज पर मूलधन का भुगतान 2037 में होना है। वे अपनी उधारी को रिफाइनेंस करने के लिए फंड्स जुटाने की कोशिश में हैं। साथ ही कर्ज को कम करने के लिए एसेट्स बिक्री की भी तैयारी है। कंपनी के पास नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर रियल एस्टेट, सीमेंट प्लांट, रेजिडेंशियल बिल्डिंग्स, होटल और एक अस्पताल के अलावा फॉर्मूला वन रेस ट्रैक भी है।

कितना है कर्ज

जेएएल को कर्ज देने वाले एक बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जयप्रकाश एसोसिएट्स एक एसेट हेवी कंपनी है। इस लिहाज से यह किसी भी अन्य कंस्ट्रक्शन कंपनी से अलग है। इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया की वेबसाइट के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल 28 बैंकों ने इस कंपनी के खिलाफ ?48,000 करोड़ के दावे दायर किए हैं। कानूनी जानकारों का कहना है कि आईबीसी में ऐसे प्रावधान हैं कि इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू होने के बाद भी कंपनियों को कानूनी प्रक्रिया से बाहर निकाला जा सकता है।

एकोम लीगल के जॉइंट मैनेजिंग पार्टनर एनपीएस चावला ने कहा कि आईबीसी की धारा 12ए के तहत लेनदारों की समिति के 90 प्रतिशत वोटिंग शेयर की मंजूरी से एनसीएलटी के आदेश द्वारा दिवालियापन कार्यवाही वापस ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि लेनदारों की समिति का गठन नहीं किया गया है, तो लेनदारों की 90 प्रतिशत स्वीकृति की आवश्यकता को भी समाप्त किया जा सकता है। इसके लिए मूल आवेदक को अंतरिम समाधान पेशेवर के माध्यम से फॉर्म एफए दाखिल किया जा सकता है। कंपनी ने पिछले नवंबर में बैंकों को एकमुश्त निपटान प्रस्ताव दिया था। लेकिन लेनदारों ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि तब कंपनी के पास पैसे नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड विधानसभा की कार्यवाही जारी, निलंबित विधायक कर रहे प्रदर्शन, 4 विधेयक पारित

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के छठे दिन की कार्यवाही जारी है। सदन में विपक्षी विधायक नजर नहीं आ रहे हैं। विपक्षी विधायकों के सीटें खाली हैं। कल 18 विपक्षी विधायकों को स्पीकर ने निलंबित कर दिया था।विधायकों ने गुरुवार को सदन में स्पीकर के सामने पर्चे फेंके थे और रिपोर्टर टेबल पर चढ़ गए थे। इसके बाद स्पीकर ने एक्शन लिया।वहीं, आज सुबह विधानसभा परिसर में बीजेपी के निलंबित विधायकों ने प्रदर्शन शुरू किया। विपक्ष के जो विधायक सस्पेंड नहीं हैं, उन्होंने भी कार्यवाही में भाग नहीं लेने का फैसला लिया है।भारतीय जनता पार्टी के सभी 18 निलंबित विधायक विधानसभा परिसर में मौजूद मुख्यमंत्री चैंबर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। दूसरी ओर, सदन में सरकार ने सीएजी की रिपोर्ट को पेश किया है। इसी के साथ सरकार ने चार विधेयक भी पारित किए हैं। झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक, 2024, झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक, 2024, झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक, 2024 और झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक, 2024 पारित हो गया है।

लोहरदगा में हाथियों का आतंक, दो ग्रामीणों के घरों को तोड़ा, घर में रखे सामान को भी खा गये

लोहरदगा, एजेंसी। लोहरदगा जिला में एक बार हाथियों का आतंक देखने को मिला है. कैरो प्रखंड क्षेत्र के सढाबे पंचायत अंतर्गत डुमरटोली गांव में हाथियों ने दो लोगों के घरों को धवस्त कर दिया और घर में रखे 16 बोरा गेंहू, चार बोरा चावल, दो बोरा सरसो को खा गया. साथ ही साथ घर में रखे सामानों को भी तहस नहस कर दिया. भुक्तभोगियों का नाम किशोर उरांव और चौठा उरांव है. घटना के संबंध में भुक्तभोगियों ने बताया कि इस बरसात के मौसम में कभी भी हाथियों का झुंड गांव में आ जाता है और भारी उत्पात मचाता है. बुधवार की देर रात में यही हुआ. रात 11 बजे के करीब 20 से 22 के संख्या में कई गांव से गुजरते हुए हाथियों का झुंड दुमरटोली पहुंचा. इसके बाद गांव के रहने वाले किशोर उरांव और चौठा उरांव के घरों पर धावा बोल दिया. हाथियों के रौद्र रूप को देखते हुए गांव के लोग इधर उधर भागने लगे. हाथियों ने दो ग्रामीणों के घर को तोड़ दिया और घर में रखे अनाज को भी खा गये. करीब तीन घंटे हाथियों का झुंड गांव में तांडव मचाता रहा. इसके बाद फिर राहे पहाड़ की ओर निकल गये. घटना के बाद से ही क्षेत्र में दहशत का माहौल है.

गिरिडीह में कार और ट्रक की जोरदार टक्कर, 5 घायल, एक की स्थिति गंभीर

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में एक कार और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गयी है. इस घटना में पांच लोग घायल हो गये हैं. जिनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर बतायी जा रही है. सभी लोग एक ही परिवार के थे. घटना गुरुवार सुबह ताराटांड थाना क्षेत्र के बडकीटांड मोड़ के पास की है. घायलों का इलाज सदर अस्पताल गिरिडीह में चल रहा है. फिलहाल पुलिस दुर्घटना की जांच पड़ताल में जुट गयी है. जानकारी के अनुसार कार में सवार लोग गिरिडीह से आसनसोल जा रहे थे. इस दौरान स्पंज लोड ट्रक से उनकी जोरदार टक्कर हो गयी. जिससे एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना के बाद पंडरी गांव के लोगों ने पुलिस इसकी सूचना दी. जिसके बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया. जहां एक बच्चे की हालत गंभीर बतायी जा रही है.बताया जाता है कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के साथ हुई टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गये. घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गयी.

रेलवे की अतिक्रमित जमीन पर 7-8 अगस्त को चलेगा बुलडोजर

रांची, एजेंसी। अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण एवं नाला निर्माण को लेकर रेलवे द्वारा 7 एवं 8 अगस्त को अतिक्रमित अवैध दुकानों को बुलडोज किया जाएगा. इस संबंध में सहायक मंडल अभियंता अब्दुस समद ने अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र देकर मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त करने के साथ ही पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिस बल उपलब्ध करने के लिए पत्र भेजा है.

इसके अलावे आरपीएफ एवं जीआरपी के वरीय पदाधिकारियों को महिला एवं पुरुष जवानों को तैनात करने का आग्रह किया है, ताकि बिना किसी रोक-टोक के अतिक्रमित जमीन को खाली कराया जा सके. इस संबंध में सेक्शन इंजीनियर कार्यालय द्वारा 105 अवैध रूप से अतिक्रमित दुकानदारों तथा 25 आवंटित दुकानदारों को बीते मंगलवार को तीसरा नोटिस तामिला कराया गया है.

इस आशय की जानकारी देते हुए सहायक मंडल अभियंता अब्दुस समद ने कहा कि सिनियर सेक्शन इंजीनियर शैलेन्द्र कुमार झा द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमित 12 नंबर गुमटी चकदह चौक से 13 नंबर गुमटी तक अतिक्रमित 105 दुकानदारों तथा 25 आवंटित दुकानदारों को तीन नोटिस दिया गया था. इसके बाद भी इन दुकानदारों द्वारा जमीन खाली नहीं किया गया. ऐसे में अवैध रूप से अतिक्रमित जमीन पर 7 एवं 8 अगस्त को बुलडोजर चलवाकर अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा.

अब्दुल समद ने कहा की रेलवे द्वारा स्टेशन के दुसरे प्रवेश द्वार से लेकर हनुमान मंदिर तक आवंटित 25 दुकानदारों को भी तीसरा नोटिस दिया गया है. इन दुकानदारों के दुकान को खाली कराकर अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा. विदित हो कि रेलवे के कई एकड़ भूमि पर अतिक्रमणकारियों का अवैध रूप से कब्जा है. हालांकि देर से ही सही रेलवे द्वारा की जा रही पहल से स्टेशन चौक पर लगने बाला जाम से मुक्ति मिलने का आसार दिखाई देने लगा है.

अतिक्रमण के कारण शहर के स्टेशन चौक, माल गोदाम रोड एवं 13 नंबर गुमटी पर हमेशा जाम लगा रहता है. आलम यह है कि स्टेशन चौक स्थित हनुमान मंदिर से मालगोदाम जाने वाले सड़क के किनारे रेलवे के कई एकड़ भूमि पर अतिक्रमियों का कब्जा है. जहां बस एवं ऑटो स्टैंड लगाकर कतिपय लोगों द्वारा वसूली कर विभागीय राजस्व को चूना लगाया जा रहा है. जिसके कारण इस सड़क पर हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है. इससे आमलोगों को आने जाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है.अतिक्रमणकारियों पर होगी कार्रवाईमंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने कहा कि जल्द ही मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के अतिक्रमित भूमि पर बुल्डोजर चलाया जाएगा.

इस क्रम में गत दिनों जयनगर स्टेशन के इर्द-गिर्द रेलवे भूमि को अतिक्रमणकारियों के कब्जे से मुक्त कराया गया. यह अभियान चरणबद्ध तरीके से रेलवे के सभी अतिक्रमित भूमि पर चलाया जाएगा. इसके लिए स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि इस संबंध में रेलवे के वरीय पदाधिकारी को जिला प्रशासन एवं पुलिस से वार्ता करने का भी निर्देश दिया गया है. ताकि अतिक्रमित भूमि को अतिक्रमणकारियों के कब्जे से मुक्त कराया जा सके.

विदित हो कि काफी जद्दोजहद के बाद वर्ष 2020 में रेलवे के खाली जमीन पर अतिक्रमित अवैध कब्जे को पुलिस बल के सहयोग से खाली कराया गया था. लेकिन यह सिलसिला कुछ दिनों तक ही चला उसके बाद फिर अतिक्रमणकारियों द्वारा खाली जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर लिया गया. इसके तहत होटल, दुकान, घर सहित बड़े-बड़े जगहों का अतिक्रमण कर अन्य कार्य किया जा रहा है.

‘झारखंड में आदिवासियों को नहीं मिल रहा न्याय’, पाकुड़ में हिमंता बिस्वा सरमा ने हेमंत सोरेन पर बोला हमला

रांची, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पाकुड़ दौरे पर हैं. इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि एसपीटी कानून लागू होने के बाद भी आदिवासियों को न्याय नहीं मिल है. हिमंता ने हेमंत सोरेन सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ सरकार दंभ भरती है कि वह आदिवासियों की सरकार है. आदिवासियों के हितों की रक्षा करने वाली सरकार है. लेकिन उसके उलट पाकुड़ में जो हो रहा है वह अविश्वसनीय है. उन्होंने कहा कि पाकुड़ हिंसा में घायल दो लोगों का इलाज सरकार नहीं करवा रही है.

हिमंता बिस्वा सरमा ने पाकुड़ दौरे के दौरान हेमंत सोरेन सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पूरे संताल परगना में डेमोग्राफी बदली जा रही है. उन्होंने पाकुड़ हिंसा में पीड़ितों को बीजेपी की ओर से 1-1 लाख रुपये की आर्थिक मदद और कानूनी लड़ाई में मदद का ऐलान किया.

पाकुड़ पहुचें हिमंता सरमा को हिंसाग्रस्त गोपीनाथपुर गांव नहीं जाने दिया गया. इसपर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कैसे एक मुख्यमंत्री को कहीं भी जाने देने से रोका जा सकता है. सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन कभी भी असम आए तो उन्हें हम कहीं भी जाने से नहीं रोकेंगे. उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से उन्हें कहा गया है कि वह गांव नहीं जा सकते क्योंकि घुसपैठिये हल्ला कर सकते हैं. इसपर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई मुख्यमंत्री घुसपैठियों के डर से झारखंड के गांव में नहीं जा सकता है तो राज्य की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है.

मोबाइल, सिनेमा और इंटरनेट के साइड इफेक्ट, पांच साल के बच्चे ने चला दी गोली, समाज को सोचने की जरूरत

जमशेदपुर, एजेंसी। गत बुधवार की सुबह बिहार के सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज स्थित सेंट जॉन बोर्डिंग स्कूल में पांच वर्षीय एक छात्र ने 11 साल के स्टूडेंट पर गोली चला दी. गोली लगने से छात्र गंभीर रूप से जख्मी है. उसका इलाज किया जा रहा है. इस घटना ने मानव समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया कि हमारे देश के नौनिहाल किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. जिस कच्ची उम्र में मासूम के साथ में पेंसिल और खिलौने होनी चाहिए, उस उम्र में अगर उसके हाथ में बंदूक पहुंच गयी है, तो इसके लिए किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है. अगर यह स्थिति उत्पन्न हुई है, तो इसके लिए समाज के हर स्टेक होल्डर जिम्मेदार हैं. इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए साझा प्रयास की आवश्यकता है.

स्कूल और क्लास शब्द सुनते ही जेहन में आता है शिक्षक-छात्र, पेन-पेंसिल, कॉपी-किताब, यूनिफॉर्म, चॉक और ब्लैक बोर्ड. लेकिन, अफसोस इस बात की है कि स्कूल के साथ अब पिस्टल, फायरिंग, नशा और धूम्रपान की गतिविधि की सुनायी दे रही है. श्रेष्ठ स्कूली शिक्षा के लिए जिस बिहार-झारखंड को देशभर में जाना जाता है, वहां यह क्या हो रहा है यह सवाल उठना आज लाजमी है. सुपौल की घटना ने सभ्य समाज के हर आम और खास लोगों को झकझोर दिया है. इस प्रकार की घटना के हर पहलू को समझने का प्रयास किया गया, जिसके बाद यह बात उभर कर सामने आयी कि इसमें कहीं ना कहीं अभिभावकों की सबसे बड़ी कमी है. बच्चों के साथ आज के दौर में हैंडल विद केयर से पेश आने की आवश्यकता है. उन्हें किस प्रकार के खिलौने दे रहे हैं, इस पर भी विचार करना चाहिए. यह स्कूल, अभिभावक और पूरे समाज के लिए चुनौती से कम नहीं है.

वर्ष 2016 में दयानंद पब्लिक स्कूल में गोली चल चुकी है. ग्यारहवीं क्लास का एक छात्र अपने स्कूल बैग में छिपा कर पिस्तौल लेकर आ गया था. अपने एक साथी से मामूली विवाद होने पर उसने क्लास रूम में ही गोली चला दी थी. इसके साथ ही शहर के एक अन्य स्कूल में छात्र के बैग से चापड़ निकला था. छात्र से पूछताछ करने पर बताया गया कि छुट्टी के समय उसका किसी के साथ झगड़ा हुआ था, वह उससे बदला लेने के लिए स्कूल बैग में हथियार लेकर आया था.

ऐसी कई घटनाएं विश्व के कई बड़े देशों में भी घटित हो चुकी हैं. जनवरी 2023 में अमेरिका के वर्जीनिया में भी हैरान कर देने वाला मामला सामने आया था. वहां छह साल के एक बच्चे ने अपने क्लासरूम में फायरिंग कर दी थी, जिसमें स्कूल की शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गयी थी.सुपौल की घटना पर लोयोला स्कूल के प्रिंसिपल फादर विनोद फर्नांडिस ने गहरा दुख प्रकट किया. उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों के मनोरंजन और शिक्षा के साधनों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है, ताकि उनमें सही और सकारात्मक मूल्यों का विकास हो सके. यह घटना न केवल एक चेतावनी है, बल्कि एक अवसर भी है कि हम बच्चों के साथ संवेदनशीलता और अधिक समझदारी के साथ ही बेहतर संवाद स्थापित करें. उन्हें यह सिखाएं कि असली नायक वही होता है, जो कानून का पालन करता है और समाज की रक्षा करता है. इस घटना में यह दुखद पहलू है कि स्कूल के डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया.

झारखंड में भी बीएच से शुरू होगा वाहनों का नंबर, इसी महीने से स्टार्ट होगा रजिस्ट्रेशन !

धनबाद, एजेंसी। लंबे समय से इंतजार कर रहे झारखंड के उन लोगों के लिए बड़ी खबर है जो गाड़ियां खरीदने जा रहे हैं। अब वे भी भारत श्रृंखला में शामिल हो जाएंगे। सबकुछ ठीक रहा तो इसी माह से भारत श्रृंखला में वाहनों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा।

बीएच सीरीज नंबर काफी चर्चा में है, जिसे केंद्र सरकार 2022 में लाई थी और अब झारखंड सरकार भी इसे लागू करने जा रही है। यह एक खास तरह की नंबर प्लेट है, जो आपको पूरे भारत में गाड़ी चलाने की अनुमति देती है और अगर आप किसी दूसरे राज्य में शिफ्ट होते हैं तो अपनी गाड़ी का दोबारा रजिस्ट्रेशन नहीं करवाना पड़ेगा।

केवल यही नहीं, इस सीरीज नंबर की गाड़ी जिसके पास होगी, उसे दूसरे राज्य में शिफ्ट होने पर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। परिवहन विभाग द्वारा इस सीरीज की गाड़ियों का नंबर जल्द ही जारी किया जाएगा। गुरुवार को सॉफ्टवेयर में इसका लाइव ट्रायल भी किया गया। लाइव ट्रायल के दौरान देखा गया कि कहां-कहां समस्या आ रही है।

भारत सीरीज की गाड़ी जिसके पास होगी, अगर उसका ट्रांसफर किसी दूसरे राज्य में होता है तो वहां गाड़ी के दोबारा रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे किसी भी राज्य में जाएं उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन नहीं कराना होगा। नंबर प्लेट की शुरुआत बीएच से होगी। इसके बाद रजिस्ट्रेशन साल के अंतिम दो अंक होंगे और फिर आगे का नंबर होगा। नंबर प्लेट काले और सफेद रंग का होगा। सफेद बैकग्राउंड पर काले रंग से नंबर अंकित होगा।

वर्तमान नियमों के मुताबिक, किसी भी राज्य में अधिकतम 12 महीने तक दूसरे राज्य की गाड़ी रखने की मंजूरी है। आप एक निश्चित अवधि के लिए दूसरे राज्य में बिना रजिस्ट्रेशन कराए गाड़ी रख सकते हैं। 12 महीने की तय अवधि खत्म होने से पहले रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है, लेकिन बीएच सीरीज के बाद इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस नंबर का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कार मालिक को दो विकल्प मिलेंगे। इनमें दो साल या दो के गुना में रोड टैक्स का भुगतान करना होगा। 10 लाख रुपये तक की कार के लिए आठ प्रतिशत रोड टैक्स लगेगा। वहीं, 10 से 20 लाख रुपये वाली गाड़ी के लिए 10 प्रतिशत रोड टैक्स होगा। 20 लाख रुपये से ज्यादा कीमत वाली गाड़ी पर 12 प्रतिशत रोड टैक्स लगेगा। डीजल वाहनों के लिए दो प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क देना होगा और इलेक्ट्रिक वाहनों पर दो प्रतिशत कम टैक्स लगाया जाएगा।

60 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद तीनों लाइन में शुरू हुआ रेल परिचालन

खरसावां, एजेंसी। चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां-बडाबांबो रेलवे स्टेशन के बीच पोटोबेडा गांव के पास हुए रेल हादसे के तीसरे दिन गुरुवार को अप और डाउन लाइन पर रेल परिचालन शुरू हो गया. हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग पर रेल परिचालन सामान्य करने के लिये रेलवे के अधिकारियों से लेकर कर्मियों को करीब 60 घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी.जानकारी के अनुसार रेल हादसे के बाद पटरियों पर पड़े दुर्घटनाग्रस्त हावडा-मुंबई मेल व माल गाड़ी के डब्बों के साथ साथ मलवा को हटाया गया. फिर ट्रेक को दुरुस्त किया गया. गुरुवार की शाम 4.03 बजे तीनों ही लाइन पर परिचालन सामान्य हो गया. हालांकि हादसे वाली स्थान पर अब भी रेलवे कर्मी और अधिकारी जमे हुए है. रेल हादसे के करीब 41 घंटे बाद बुधवार की रात 8.50 बजे थर्ड लाइन में रेल परिचालन सामान्य हुआ. थर्ड लाइन पर पहले गुड्स ट्रेन, फिर हावड़ा-मुंबई गीतांजली एक्सप्रेस को पार कराया गया. इसके बाद बुधवार को रात भर थर्ड लाइन के ट्रेक पर अन्य ट्रेनों का आवागमन हुआ. दूसरी ओर रेल कर्मी अप व डाउन लाइन के ट्रेक को दुरुस्त करने में जुट गये. अप लाइन को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा था. गुरुवार को तड़के 4 .02 बजे अप लाइन को दुरुस्त कर हादसे वाले स्थान से माल गाड़ी को पार कराया गया. इसके बाद अहले सुबह 4.27 बजे अप लाइन पर ही हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस को पार कराया गया. अप लाइन को चालू करने के बाद रेल कर्मी डाउन लाइन की मरम्मति में जुट गये. इसके ठीक 12 घंटे बाद दोपहर 4.03 बजे डाउन लाइन को भी दुरुस्त कर चालू कर लिया गया.गुरुवार को शाम 4.03 बजे के बाद डाउन लाइन पर भी एक-एक कर कई ट्रेनों को पार किया गया. इसके साथ ही हावाड़-मुंबई मुख्य मार्ग पर रेल का आवागमन सामान्य हो गया.

झारखंड की जेलों में अंग्रेजी कानून से मिलेगी मुक्ति, विधानसभा में पेश किया जाएगा विधेयक; कैदियों को दंड से ज्यादा सुधार पर होगा जोर

रांची, एजेंसी। राज्य की जेलों में अंग्रेजी कानून से मुक्ति मिलने जा रही है। कैदियों को दंड से ज्यादा उनके सुधार पर जोर दिया जा रहा है। बहुत हद तक झारखंड की जेलों में अंग्रेजों के कानून को खत्म किया जा चुका है और उसके स्थान पर मॉडल जेल मैनुअल के तहत कार्रवाई होती रही है।

अब विधिवत कानून बनाकर उसे लागू करने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसी उद्देश्य से झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2024 तैयार किया गया है, जिसे शुक्रवार को झारखंड विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा।

इस विधेयक के लागू हो जाने से झारखंड की जेलों मं बंद कैदियों को दंड से ज्यादा उनके मानवाधिकार की रक्षा व सुधार से संबंधित एक कानून अधिकृत रूप से लागू हो जाएगा।

वर्तमान में द प्रिजन एक्ट 1984, द प्रिजनर एक्ट 1900 व द ट्रांसफर आफ प्रिजनर्स एक्ट 1950 कार्यरत हैं। इनमें पहले दो अधिनियम सौ वर्षों से भी अधिक समय के पूर्व तैयार व लागू किए गए जो कि तत्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाए गए थे तथा लागू किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट से कई जनहित याचिकाओं में कारा सुधार के संबंध में कई महत्वपूर्ण परामर्श व निर्देश दिए गए हैं। दंड की अवधारणा में भी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। कारा जो पहले दंडात्मक संस्था थी तथा दंड की प्रकृति थी, अब दंड की प्रकृति सुधारात्मक हो गई है। कारा को सुधारात्मक संस्था के तौर पर देखा जाता है। पूर्व के तीनों ही एक्ट सुधारात्मक व मानवाधिकार की अपेक्षा दंड पर आधारित है।इस संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 10 मई 2023 को एक अर्द्धसरकारी पत्र जारी करते हुए राज्यों को ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरएंडडी) से तैयार माडल कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2023 का प्रारूप भेजा था। यह भी लिखा था कि राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार एक्ट में सुधार कर सकते हैं। इसके बाद ही झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2024 तैयार हुआ है।

झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2024 में महिला व पुरुष कैदियों के लिए अलग-अलग जेल व अस्पताल की अवधारणा है। वहां महिला जेल के लिए महिला पदाधिकारी व कर्मी व पुरुष के लिए पुरुष अधिकारी व कर्मी होंगे।

कैदियों के वर्गीकरण के अनुसार उनकी सुरक्षा, आवास व अन्य सुविधाएं होंगी। अगर कोई बंदी बाहरी लोगों से अनधिकृत संवाद करता है या किसी बाहरी व्यक्ति को धमकाता या फिरौती मांगता है तो उसपर कारागार अपराध के तहत कार्रवाई होगी।

झारखंड में प्राइवेट विवि की स्थापना व संचालन के लिए मॉडल एक्ट तैयार

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब प्राइवेट विवि की स्थापना से लेकर संचालन तक सरकार की पूरी नजर रहेगी. स्थापना से लेकर संचालन तक नकेल कसने के लिए राज्य सरकार ने मॉडल एक्ट तैयार किया है. नामांकन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी. नामांकन में झारखंड के विद्यार्थियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीट आरक्षित रखना होगा, जबकि संस्थान द्वारा कुलाधिपति की नियुक्ति विजिटर/आगंतुक के अनुमोदन पर न्यूनतम एक वर्ष व अधिकतम तीन वर्ष के लिए की जायेगी. कुलाधिपति प्राइवेट विवि के प्रधान होंगे. यानी झारखंड के राज्यपाल प्राइवेट विवि के कुलाधिपति नहीं होंगे. कुलपति की नियुक्ति सर्च कमेटी के माध्यम से होगी. इसमें अब राज्य सरकार द्वारा मनोनीत एक गणमान्य व्यक्ति या राज्य सरकार द्वारा नामित उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के एक पदाधिकारी होंगे.

इस एक्ट को झारखंड विधानसभा के चालू सत्र से पारित कराने की संभावना है. इस एक्ट के तहत अब कई शर्तें रखी गयी हैं. इनमें स्थापना के लिए नगर निगम सीमा के भीतर न्यूनतम पांच एकड़ भूमि तथा नगर निगम सीमा के बाहर न्यूनतम 15 एकड़ भूमि आवश्यक होगा. इस भूमि का स्वामित्व या एक पट्टेदार के रूप में तीन वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिए स्थायी पट्टा के माध्यम से दखल जरूरी होगा. विवि की स्थापना के लिए ऋण के अलावा अन्य किसी उद्देश्य के लिए इस जमीन का उपयोग नहीं होगा. स्थापना के लिए नगर निगम सीमा के अंतर्गत भूमि के लिए 10 करोड़ रुपये तथा नगर निगम सीमा के बाहर की भूमि के लिए सात करोड़ रुपये फिक्स होनी चाहिए. इसके अलावा भी संचालन को लेकर कई तरह की व्यवस्था का प्रावधान किया जा रहा है.पुस्तकालय, सभागार, विद्यार्थी संसाधन केंद्र, खेल व्याख्यानशाला, प्रयोगशाला सहित प्रशानिक व शैक्षणिक उद्देश्य के लिए कम से कम 1200 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र होगा. स्थापना के लिए अब आवेदन पोर्टल के माध्यम से जमा होगा. इसके साथ पांच लाख रुपये शुल्क लगेंगे. शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए यूजीसी, एआइसीटीइ, एमसीआइ, डीसीआइ, बीसीआइ, आइएनसी आदि जैसे निकायों से अनुमोदन लेना आवश्यक होगा. स्थापना के प्राप्त आवेदन व मापदंड की जांच के लिए उच्च शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में जांच कमेटी होगी. इस कमेटी में राजकीय विवि के दो कुलपति (रोटेशन पर), उशि विभाग, वित्त विभाग, विधि विभाग, राज्य निबंधन विभाग के संयुक्त सचिव सहित भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सदस्य होंगे. स्थापना के छह वर्ष के भीतर नैक से मूल्यांकन कराना जरूरी होगा. सरकार

पूर्वी सिंहभूम के 12 अंचलों के जमीन की रजिस्ट्री शुल्क में हुई बढ़ोतरी, अगले दो साल के लिए होगी प्रभावी

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर समेत पूर्वी सिंहभूम के 12 अंचलों के 57 मौजा के जमीन की रजिस्ट्री शुल्क में गुरुवार से 10-20 फीसदी वृद्धि लागू हो गयी. यह वैसे 57 मौजा है, जो अंचल व प्रखंड मुख्यालय से जुड़े मेन रोड व आसा-पास के इलाके के हैं. सर्वाधिक 19 फीसदी रजिस्ट्री शुल्क की वृद्धि हुई है. नयी दरें अगले दो सालों के लिए प्रभावी रहेगी.

जबकि पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी 12 अंचलों में 57 मौजा को छोड़कर सामान्य जमीन, फ्लैट व अन्य संपत्ति के रजिस्ट्री का शुल्क 10 फीसदी दरों की रूटीन वृद्धि लागू हुई है. इधर, पुरानी दरों में जमीन, फ्लैट व अन्य संपत्ति की रजिस्ट्री के लिए बुधवार को जिला अवर निबंधन कार्यालय में 52 लोगों ने जमीन, फ्लैट व अन्य संपत्ति के रजिस्ट्री के लिए टोकन लिया था, लेकिन देर शाम तक मात्र 38 लोगों के संपत्ति की रजिस्ट्री हो पायी.

सरकारी नियमों के अनुसार हर दो साल में मकान और जमीन की कीमतों में बढ़ोतरी की जाती है. भूमि-राजस्व और निबंधन विभाग के निर्देश पर हर साल बढ़ोतरी की समीक्षा की जाती है. जिसका सीधा असर कोर्ट में लगने वाले रजिस्ट्री और स्टांफ फीस पर पड़ता है. इस वजह केवल पूर्वी सिंहभूम में ही नहीं बल्कि रांची समेत कई जिलों में रजिस्ट्री शुल्क की बढ़ोतरी हो रही है.

टी 20 संन्यास से वापसी करेंगे हिटमैन!

श्रीलंका में रोहित शर्मा के इस बयान से छिड़ी बहस

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने भारत को बारबाडोस में 2024 टी20 विश्व कप चैंपियन बनाया और फिर ट्रॉफी उठाने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़े ही सामान्य तरीके से इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। इसकी शायद ही किसी ने उम्मीद की थी, लेकिन अब उस सफलता के बाद वह पहली बार टीम इंडिया के साथ श्रीलंका में वनडे सीरीज खेलने के लिए पहुंच गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे से ठीक पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में कुछ ऐसा कह दिया, जिससे उनके चाहने वाले खुश हो गए। सवाल उठने लगा कि क्या रोहित शाहिद अफरीदी की तरह संन्यास से वापसी करेंगे? क्या भारतीय कप्तान एक महीने पहले घोषित किए गए अपने संन्यास से बाहर आने की योजना बना रहे हैं? कोलंबो में भारत और श्रीलंका के बीच पहले वनडे की पूर्व संध्या पर रोहित के बयान से हलचल मच गई है। रोहित ने (अपने मजाकिया अंदाज में) कहा कि ऐसा लग रहा है कि उन्हें अभी भी टी20 से आराम दिया गया है और जब भी कोई बड़ा टूर्नामेंट खेला जाएगा (2026 टी20 विश्व कप या भारत में 2025 एशिया कप) तो उन्हें वापस बुलाया जाएगा।

मुझे टी20 के लिए आराम दिया गया

उन्होंने कहा- मुझे अभी तक ऐसा ही लग रहा है। मुझे लगा कि मुझे टी20 के लिए आराम दिया गया है, जैसा कि पहले होता था और एक बड़ा टूर्नामेंट आने वाला है और हमें फिर से टी20 के लिए तैयार होना होगा। मुझे अभी भी ऐसा ही लगता है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं पूरी तरह से प्रारूप से बाहर हो गया हूं। रोहित ने यह सब मजाक में कहा, लेकिन प्रशंसकों को उम्मीद है कि रोहित ने अभी तक अपने जूते नहीं लटकाए (टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से पूरी तरह से अलग नहीं हुए हैं) हैं। यह अलग बात है कि अगर रोहित संन्यास से वापसी का फैसला करते हैं और अगला टी20 विश्व कप खेलते हैं तो उस समय तक उनकी उम्र 39 साल हो जाएगी, लेकिन कप्तान के इस बयान के बाद से इंटरनेट पर काफी हलचल मच गई है।रोहित 29 जून, 2024 के बाद पहली बार क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। यह वह तारीख है जो अब एक अरब भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के दिमाग में हमेशा के लिए छप गया है। हालांकि, विश्व कप जीत अब इतिहास बन चुकी है और रोहित ने जोर देकर कहा कि उनके पास आगे देखने के लिए बहुत कुछ है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ फिर से जुड़ना और सबसे महत्वपूर्ण बात चैंपियंस ट्रॉफी, जिसकी तैयारी शुक्रवार को कोलंबो में शुरू हो रही है। भारत ने श्रीलंका दौरे की शानदार शुरुआत की। मेजबान टीम को 3-0 से हराया। गंभीर-सूर्यकुमार यादव युग के लिए इससे बेहतर शुरुआत नहीं हो सकती थी, क्योंकि भारत ने तीनों खेलों में श्रीलंका से बेहतर प्रदर्शन किया। मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन ने 29 गेंदों पर 28 रन की जरूरत के बाद अपने एशियाई पड़ोसियों को 9 विकेट से हराने में सफल रहे, जिससे उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है।

बिना स्पेशल गियर के 51 साल के शूटर ने जीता ओलिंपिक मेडल

पेरिस, एजेंसी। ओलिंपिक में 10 मीटर मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत की मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसी इवेंट में तुर्किए को सिल्वर मेडल मिला। यूसुफ डिकेच और शेववल इलैदा तरहान की जोड़ी ने देश के लिए यह मेडल जीता। अपने इवेंट खत्म होने के दो दिन बाद यूसुफ डिकेच सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उनका शूटिंग का अंदाज हर किसी का ध्यान खींच रहा है।तुर्किए के यूसुफ डिकेच 51 साल के शूटर हैं। उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर कई मीम का सबब बन चुकी है, जिसमें वह ओलिंपिक में सिर्फ एक आम-सा चश्मा पहनकर निशाना लगाते दिख रहे हैं। यह तस्वीर वायरल इसलिए हो रही है कि जहां एक ओर ओलिंपिक में हिस्सा लेने वाले बाकी शूटर्स एक-एक पॉइंट हासिल करने के लिए स्पेशल चश्मे और नॉइज कैंसल करने वाले स्पेशल हेडफोन लगाते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के मालिक हैम्पशर काउंटी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के लिए सहमत

लंदन, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर ग्रुप ने इंग्लिश काउंटी टीम हैम्पशायर के साथ 120 मिलियन पाउंड (लगभग 1278 करोड़ रुपये) में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के समझौते पर सहमति व्यक्त की है। हैम्पशायर ऐसे में किसी विदेशी इकाई के स्वामित्व वाली पहली काउंटी टीम बन जाएगी। इससे जीएमआर समूह के पास इस टीम के 51 प्रतिशत शेयरों पर नियंत्रण होगा। एक रिपोर्ट में बताया, 'समझा जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स के मालिकों ने आईपीएल के अपने प्रतिद्वंद्वी लखनऊ सुपरजायंट्स की बोली को पछाड़ दिया। जीएमआर समूह के पास इसके साथ ही यूटिलिटा बाउल (हैम्पशायर में क्रिकेट स्टेडियम), हिल्टन होटल और उसी स्थान पर एक गोल्फ कोर्स का भी नियंत्रण होगा। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक होने के अलावा जीएमआर समूह के पास दुबई कैपिटल्स (आईएलटी20, यूएई) का स्वामित्व और मेजर लीग क्रिकेट (अमेरिका) की फ्रेंचाइजी सिएटल ऑर्कास में भी हिस्सेदारी है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), हैम्पशायर क्लब के अधिकारी और नये मालिक जल्द ही इस सौदे के बारे में आधिकारिक घोषणा करेंगे। इस अधिग्रहण के बाद उम्मीद है कि हैम्पशायर को 'द हंड्रेड जैसे घरेलू टूर्नामेंट के लिए दिल्ली कैपिटल्स के कुछ युवा खिलाड़ियों तक पहुंच मिलने की संभावना भी खुल जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) हालांकि सक्रिय भारतीय क्रिकेटरों को विदेशी टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति नहीं देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, एक अन्य इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशर ने हेडिंग्ले स्थित क्लब के संभावित अधिग्रहण के लिए राजस्थान रॉयल्स के साथ अपनी बातचीत फिर से शुरू कर दी है।

सिगरेट-शराब के विज्ञापनों में नहीं दिखेंगे खिलाड़ी

सरकार ने कहा- बीसीसीआई खिलाड़ियों से ले शपथ पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी से स्वास्थ्य महानिदेशक ने देश की आबादी को स्वस्थ रखने के संकल्प में सरकार का सहयोग देने के लिए कहा है। उन्होंने अपील की है कि आईपीएल या अन्य क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान इस तरह के विज्ञापनों का प्रसार नहीं होना चाहिए।

अब देश का कोई भी खिलाड़ी शराब या धूम्रपान का विज्ञापन करता दिखाई नहीं देगा। केंद्र सरकार के स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने बीसीसीआई और साई को पत्र लिख खिलाड़ियों से तत्काल शपथ पत्र लेने के लिए कहा है। पत्र में डॉ. गोयल ने लिखा है कि खिलाड़ी खासतौर पर क्रिकेटर देश की युवा आबादी के लिए रोल मॉडल हैं। यह युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित कर सकते हैं। हालांकि यह दुर्भाग्य है कि अक्सर खेल जगत के दिग्गज सितारे सिगरेट, बीड़ी या फिर पान मसाला का विज्ञापन करते हुए दिखाई देते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी से स्वास्थ्य महानिदेशक ने देश की आबादी को स्वस्थ रखने के संकल्प में सरकार का सहयोग देने के लिए कहा है। उन्होंने अपील की है कि आईपीएल या अन्य क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान इस तरह के विज्ञापनों का प्रसार नहीं होना चाहिए। साथ ही खिलाड़ियों को इन विज्ञापनों से दूर करने के लिए तत्काल उपायों पर गौर करना चाहिए। डॉ. गोयल ने सुझाव दिया है कि बीसीसीआई खिलाड़ी से एक शपथ पत्र ले सकती है, जिसमें वह इन विज्ञापनों से खुद अलग रखने का वादा करेंगे। इसी तरह का एक पत्र भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान को लिखा गया है।

चर्चित खिलाड़ी व फिल्म स्टार ऐसे विज्ञापनों में आते हैं नजर

दरअसल, देश के चर्चित खिलाड़ी और फिल्म स्टार अक्सर विभिन्न माध्यमों में तंबाकू उत्पादों का विज्ञापन करते दिखाई देते हैं। इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव से लेकर वीरेंद्र सहवाग, सुनील गावस्कर और फिल्म अभिनेता अजय देवगन, अक्षय कुमार, शाहरुख खान तक शामिल हैं। इन विज्ञापनों को लेकर अक्सर ये हस्तियां सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हुई हैं। यह बात अलग है कि कानून बनने के लंबे समय बाद सरकार ने अब इन खिलाड़ियों को नियमों के दायरे में लाने का फैसला लिया है।

पेरिस में हार के बाद पीवी सिंधु ने लिया संन्यास!

पेरिस, एजेंसी। पीवी सिंधु के लिए पेरिस ओलंपिक किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा. भारतीय स्टार शटलर को बैडमिंटन के वुमेंस सिंगल के प्री क्वार्टर फाइनल यानी राउंड 16 से बाहर होना पड़ा. राउंड 16 में सिंधु को चीन की बिंग जियाओ के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी. हार के बाद सिंधु ने अपने संन्यास को लेकर बड़ा अपडेट दिया. उन्होंने 2028 में खेले जाने वाले ओलंपिक को लेकर बात की.

बता दें कि राउंड 16 में पीवी सिंधु को चीन की बिंग जियाओ के खिलाफ 21-19, 21-14 से हार झेलनी पड़ी थी. इस हार के साथ सिंधु का लगातार तीसरे ओलंपिक में मेडल जीतने का सपना चूर हो गया. हार के साथ सिंधु का अभियान खत्म हो गया. हार के बाद सिंधु से 2028 के लॉस एंजिल्स के ओलंपिक के बारे में पूछा गया. सिंधु ने जवाब देते हुए कहा, अभी अगले ओलंपिक में चार हैं. मैं वापस जाकर थोड़ा आराम करूंगी. ब्रेक लेने के बाद देखूंगी कि क्या है. चार साल बहुत लंबा वक्त है. फिलहाल वापस जाने का वक्त है. मैं वो नतीजा नहीं दे पाई, जिसकी मुझे उम्मीद थी. यह दुखद है, लेकिन यह एक सफर है. इसके अलावा भारतीय स्टार ने मुकाबले को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि कैसे वह खुद पर काबू नहीं रख सकीं. भारतीय शटलर ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे अपनी गलतियों पर काबू रखना चाहिए, खासकर दूसरे मैच में. यह दुखद है कि मैं इसे जीत में नहीं बदल पाई. पहले मैच में स्कोर एक वक्त पर 19-19 था.

पिस्टल कोच समरेश जंग को लगा झटका, घर खाली करने को कहा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर और सरबजोत सिंह को कांस्य पदक दिलाने वाले राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग कोच समरेश जंग को घर लौटने पर जबरदस्त झटका लगा जब उन्हें पता लगा कि उनके घर और इलाके को दो दिनों में ध्वस्त कर दिया जाएगा। ओलंपियन जंग को राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइन्स में खैबर पास इलाके के अन्य निवासियों के साथ नोटिस दिया गया था। नोटिस आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि और विकास कार्यालय (एलएनडीओ) द्वारा जारी किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि जिस जमीन पर खैबर पास कॉलोनी स्थित है वह रक्षा मंत्रालय की है और इसलिए अवैध है। बात करते हुए, अर्जुन पुरस्कार विजेता ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह विध्वंस अभियान क्यों हो रहा है। यह उनकी योजना में है और मुझे इसके बारे में पता भी नहीं है। उन्होंने पूरी कॉलोनी को अवैध घोषित कर दिया है..। जंग ने कहा कि कल शाम यह घोषणा की गई कि उन्हें 2 दिनों के भीतर क्षेत्र खाली करना होगा। उन्होंने आईएएनएस को बताया, मेरा परिवार 1950 के दशक से पिछले 75 वर्षों से यहां रह रहा है। हम अदालत गए लेकिन हमारी याचिका खारिज कर दी गई। उन्होंने आगे कहा कि दो दिनों में सामान पैक करना और घर खाली करना वाकई मुश्किल है। जंग ने कहा, हम बस कुछ समय चाहते हैं, यह संभव नहीं है कि आपने आज घोषणा की और कल हम घर खाली कर देंगे और वापस चले जाएंगे। इससे पहले, मेलबर्न में 2006 के राष्ट्रमंडल खेलों में पांच स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतने वाले जंग ने गुरुवार शाम को सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा व्यक्त की और कहा कि यह चौंकाने वाला था कि भूमि एवं विकास कार्यालय ने सिर्फ दो दिन के नोटिस के साथ विध्वंस की बेतरतीब घोषणा की।

समरेश ने गुरुवार रात एक्स पर पोस्ट किया, भारतीय निशानेबाजों के दो ओलंपिक पदक जीतने के उत्साह के बाद, मैं, टीम का कोच, ओलंपिक से घर लौटा और निराशाजनक खबर मिली कि मेरा घर और इलाका 2 दिनों में ध्वस्त कर दिया जाएगा।

एशियाई खेलों के पूर्व कांस्य पदक विजेता और बीजिंग 2008 ओलंपिक में भाग लेने वाले जंग ने कहा कि एक ओलंपियन के रूप में, वह कम से कम एक सम्मानजनक निकास की उम्मीद करते हैं, साथ ही मामले पर स्पष्टता के साथ कम से कम 2 महीने खाली करने की अपील भी करते हैं। उन्होंने कहा, कोई उचित सूचना या नोटिस नहीं दिया गया है। 75 साल से यहां रह रहे परिवार 2 दिनों में कैसे खाली कर सकते हैं? यह चौंकाने वाला है कि ञ्चस्ठह्र्रुतश्ढ्ढ ने सटीक क्षेत्र की कोई स्पष्टता के बिना, 2 दिनों के नोटिस के साथ विध्वंस की बेतरतीब घोषणा की है।

जंग ने निष्कर्ष निकाला, एक ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता होने के नाते, कम से कम मुझे उम्मीद है कि समुदाय के साथ-साथ एक सम्मानजनक निकास होगा। मैं मामले पर स्पष्टता और उचित तरीके से खाली करने के लिए कम से कम 2 महीने की अपील करता हूं। उन्होंने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, खेल मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ-साथ दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, भारतीय ओलंपिक संघ प्रमुख पीटी उषा, आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर और आईओए उपाध्यक्ष और साथी निशानेबाज गगन नारंग को भी टैग किया। नारंग शेफ डी मिशन के रूप में इस समय भारतीय दल के साथ पेरिस में हैं। दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में खैबर दर्रे पर बड़े पैमाने पर विध्वंस अभियान पिछले महीने शुरू हुआ था। 9 जुलाई के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार, भूमि शुरू में रक्षा मंत्रालय की थी।

1 जुलाई को एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें निवासियों को 4 जुलाई तक खाली करने की आवश्यकता थी। इसे चुनौती दी गई थी, और अदालत ने 3 जुलाई को एक तत्काल सुनवाई में विध्वंस को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी, जब तक कि उचित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। 9 जुलाई को अंतिम सुनवाई में, अदालत ने फैसला सुनाया कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी भूमि के स्वामित्व को प्रमाणित करने वाला कोई दस्तावेज पेश नहीं किया था।

मां बनने के दो साल के अंदर तीन महिलाओं ने ओलंपिक में जीते पदक, बच्चों के साथ मनाया जश्न

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में तीन माताओं के लिए नौकायन स्पर्धा में पदक जीतने के बाद अपने बच्चों के साथ जश्न मनाना बेहद खास रहा। ब्रिटेन की अनुभवी हेलेन ग्लोवर, न्यूजीलैंड की लुसी स्पूर्स और ब्रुक फ्रांसिस बच्चे को जन्म देने के दो साल से भी कम समय के अंदर ओलंपिक पदक जीतने में सफल रहीं। स्पूर्स तथा फ्रांसिस की जोड़ी ने महिला युगल स्कल्स में स्वर्ण पदक जीता, जबकि तीन बच्चों की मां ग्लोवर महिला फोर स्पर्धा में रजत पदक हासिल करने में सफल रही। स्पूर्स और फ्रांसिस के जीत दर्ज करने के तुरंत बाद दर्शक दीर्घा में बैठे अपने बच्चों को गोद में उठा लिया।

फ्रांसिस ने कहा, 'मैंने उन्हें स्टैंड में देखा और उन्हें गले लगाने में भी कामयाब रही। मुझे लगता है कि वे अपनी मां के वापस आने का इंतजार कर रहे थे। न्यूजीलैंड की ये दोनों खिलाड़ी अपने बच्चों की देखभाल के मुश्किल समय के दौरान एक-दूसरे को प्रेरित करने के लिए अभ्यास सत्र के दौरान बच्चों के गीत गाते थे। वे अपने परिवारों को पेरिस ले आए ताकि प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित कर सकें। फ्रांसिस ने कहा, 'यह शानदार एहसास है। बच्चों का पालन-पोषण करना आसान नहीं है। हमें इसमें परिवार और दूसरे खिलाड़ियों का भी साथ मिला हैं। यह इसे और भी अधिक खास बनाता है। हमारा परिवार यहां है और हमारे बच्चों को अब यह विरासत देखने को मिलती है।

स्पूर्स ने कहा कि उन्हें और फ्रांसिस को प्रतिस्पर्धियों और अन्य टीमों से समर्थन के संदेश मिल रहे थे, जिसमें कहा गया था कि वे उनका कितना सम्मान करते हैं। स्पूर्स ने कहा, 'फ्रांसिस और मेरी स्थिति बिल्कुल एक जैसी है। मुझे लगता है कि हम जानते हैं कि हम दोनों किस दौर से गुजर रहे हैं। इससे हमें अच्छा करने की और अधिक प्रेरणा मिली।

मां बनने के बाद वापसी कर सकते हैं: ग्लोवर

ग्लोवर ने अभ्यास के दौरान अपने बच्चों को स्तनपान कराने की चुनौती के बारे में बात की है। वह अपनी रेस पूरी करने के बाद सीधे अपने बच्चों को हाई-फाइव करने गईं। उन्होंने पदक समारोह के बाद भी अपने बच्चों गले लगाया। ग्लोवर ने कहा, 'उन्हें यह (मेरा दूसरे स्थान पर रहना और पदक मिलना) बहुत अच्छा रहा है। ग्लोवर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों को सकारात्मक संदेश देगी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इसे (स्तनपान) सामान्य बनाना वास्तव में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह दिखाता है कि आप (मां बनने के बाद) वापसी कर सकते हैं, चाहे वह कुछ भी हो, चाहे वह काम हो, शौक हो, खेल हो या कुछ और। आप बच्चे होने के बावजूद उत्कृष्टता प्राप्त नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि यह समाज के लिए एक संदेश है और महिलाएं जो चाहती हैं वह बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

वरुण धवन-सामंथा रुथ की सिटाडेल हनी बनी 7 नवंबर को होगी रिलीज

आगामी जासूसी एक्शन स्ट्रीमिंग शो सिटाडेल हनी बनी इस साल 7 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगा। शो की रिलीज की तारीख का खुलासा गुरुवार को मुंबई के बांद्रा पश्चिम इलाके में महबूब स्टूडियो में एक कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और शो में उनकी सह-कलाकार सामंथा रुथ प्रभु भी शामिल हुईं। वरुण ने बताया कि शो के निर्माताओं ने उन्हें सख्त निर्देश दिए थे कि यह शो उनका एकमात्र फोकस है और वह कोई अन्य प्रोजेक्ट या फिल्म भी नहीं कर सकते। सिटाडेल हनी बनी वैश्विक श्रृंखला सिटाडेल का भारतीय संस्करण है। मूल शो में प्रियंका चोपड़ा जोनास और रिचर्ड मैडेन मुख्य भूमिका में थे। वरुण ने यह भी खुलासा किया कि वह थोड़ा हैरान थे क्योंकि उन्हें लगा था कि चूंकि यह प्राइम वीडियो शो है इसलिए इसमें बहुत ही भव्य सेट होंगे। हालांकि, शूटिंग मुंबई के ठाणे और भांडुप इलाकों में सड़कों पर हुई। शो की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अभिनेता ने यह भी बताया कि बदलापुर के बाद यह उनके करियर में दूसरा मौका है जब वह किसी डार्क कहानी का हिस्सा हैं। सिटाडेल हनी बनी में के के मेनन भी हैं। इससे पहले वरुण धवन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में कहा था कि वह 1 अगस्त को अपने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं।

वेतन समानता पर तब्बू ने साझा किए अपने विचार

औरों में कहां दम था' की अभिनेत्री तब्बू ने बॉलीवुड में वेतन असमानता को लेकर अपना रुख साफ किया है। अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार के दौरान अपने विचारों को खुलकर रखा। अभिनेत्री वेतन समानता को लेकर क्या कहती हैं

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री तब्बू इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'औरों में कहां दम था' के प्रचार प्रसार में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन भी नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। निर्देशक नीरज पांडे के साथ फिल्म प्रचार के दौरान अभिनेत्री ने बॉलीवुड में वेतन समानता के महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपने विचारों को खुलकर साझा किया। आइए जानते हैं उन्होंने इस मुद्दे पर क्या कहा

वेतन समानता पर अपना रुख किया साफ: मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक साक्षात्कार में अभिनेत्री तब्बू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय फिल्म उद्योग में पुरुष और महिलाओं के वेतन अंतर को लेकर महिलाओं से अक्सर सवाल पूछे जाते हैं। बातचीत में उन्होंने कहा, 'हर मीडियाकर्मी महिलाओं से वेतन समानता के बारे में पूछेगा। वह कहेंगे कि एक पुरुष को अधिक भुगतान किया जाता है और आपको कम भुगतान किया जाता है।' अभिनेत्री ने आगे कहा, आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं आप उस व्यक्ति से क्यों नहीं पूछते जो उन्हें अधिक भुगतान कर रहा है।'

वेतन समानता पर पुरुषों से भी होना चाहिए सवाल: अभिनेत्री को लगता है कि लोग इस मुद्दे को सनसनीखेज बनाने की कोशिश करते हैं और वह बस इतना ही कह सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नफरत है कि मुझे कम भुगतान किया जा रहा है' या 'मुझे जो भुगतान किया जा रहा है, उससे मैं खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, आप पुरुष अभिनेता से क्यों नहीं पूछते कि आपको अधिक भुगतान क्यों मिल रहा है इससे नजरिया बदल सकता है और अगर कोई बाहरी नजरिया होगा तो पूरी बात बदल जाएगी। शारीरिकता हमेशा उस नजरिए के बारे में होती है, जिसे दिखाया जा रहा है।' तब्बू का मानना है कि वेतन असमानता के बारे में बातचीत एक अधिक न्यायसंगत उद्योग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है और इसे सही लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

'औरों में कहां दम था' के लिए तब्बू मिले कितने रुपये: आगामी फिल्म 'औरों में कहां दम था' में अजय देवगन 'कृष्ण' और 'तब्बू' वसुधा की भूमिका निभा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिनेत्री को इस फिल्म के लिए तीन करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है, जबकि अजय देवगन को 25 करोड़ रुपये मिले हैं। यह फिल्म दो अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मुस्कुराना और डांस करना न भूलें : नीरू बाजवा

पंजाबी फिल्म स्टार नीरू बाजवा, जो इस माह 44 साल की होने वाली हैं, वह अपने जन्मदिन के महीने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उन्होंने इसकी शुरुआत वर्कआउट से की। नीरू ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें वह जिम में साइकिल पर वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। एथलीजर पहने अभिनेत्री कैमरे की ओर बड़े अदब से देख रही हैं। उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया- बर्थडे मंथ शुरू हो गया है! हर दिन बन रही शक्तिशाली!

वर्कआउट के बीच में मुस्कुराना और डांस करना न भूलें। वर्क फ्रंट की बात करें तो नीरू ने हाल ही में घोषणा की कि उनकी आगामी फिल्म शुक्राना की तारीख बदल दी गई है। उन्होंने फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर एक पोस्टर के साथ खबर साझा की। फिल्म अब 27 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। उन्होंने एक अनाम फिल्म की भी घोषणा की है जो 9 मई, 2025 को रिलीज होने वाली है। दिलजीत दोसांझ के साथ उनकी हालिया रिलीज जट्ट एंड जूलियट 3 ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। फिल्म ने दुनियाभर में 107.51 करोड़ रुपए कमाए हैं।

तेलुगु एक्ट्रेस श्रीलीला ने छोड़ दी वरुण की फिल्म

तेलुगु एक्ट्रेस श्रीलीला के बारे में खबरें हैं कि उन्होंने वरुण धवन स्टारर एक अपकमिंग कॉमेडी फिल्म छोड़ दी है। कहा जा रहा है कि श्रीलीला के बिना फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया गया है। अब इन खबरों पर फिल्म के प्रोड्यूसर रमेश तौरानी ने सफाई दी है। उन्होंने टिप्स फिल्म्स की तरफ से स्टेटमेंट जारी करके कहा, हमने अभी किसी को अप्रोच ही नहीं किया है। हम अब भी फिल्म की कास्टिंग पूरी करने की प्रोसेस में हैं। हम जैसे ही किसी का नाम तय कर लेंगे वैसे ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर देंगे। तब तक हम ऑडियंस से गुजारिश करते हैं कि वो किसी भी तरह की अफवाहों पर भरोसा न करें। श्रीलीला की बात करें तो वो कम समय में ही तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बना चुकी हैं। 2019 से 2023 तक उन्होंने दस हिट फिल्में दी हैं जिनमें धमाका, स्कंद, आदिकेशव और गुंटूर कारम शामिल हैं। श्रीलीला 22 साल की हैं। इस फिल्म को वरुण के पिता डेविड धवन डायरेक्ट कर रहे हैं। वरुण के साथ 2 अन्य हीरो भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। इनके साथ दो एक्ट्रेसेस भी फिल्म में नजर आएंगी। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म को अगले साल के आखिर में या 2025 के शुरुआती महीनों में रिलीज किया जा सकता है।

कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया में

अपने पति पर बरसाया प्यार

अपकमिंग फिल्म रिस्की रोमियो में नजर आने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया पर एक कविता के जरिए अपने पति अभिनेता पुलकित सम्राट से प्यार का इजहार किया है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पति के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, नींद आ रही है नींद जा रही है पति कमाल है। कृति और पुलकित ने इस साल मार्च में दिल्ली एनसीआर के आईटीसी ग्रैंड भारत में शादी की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने मेहमानों के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों के व्यंजनों से भरा खास फूड मेन्यू तैयार किया था। बाद में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें एक प्यारा सा नोट भी था। शादी से पहले दोनों ने कुछ सालों तक एक-दूसरे को डेट किया। बता दें कि पुलकित की शादी पहले श्वेता रोहिरा से हुई थी। एक्ट्रेस ने हाल ही में सिनेमा में अपने 15 साल पूरे किए हैं। उन्होंने इसके लिए दर्शकों और अपने साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा था, मैंने पिछले 15 साल एक कलाकार के रूप में बिताए हैं। पहचान पाने के लिए एक शौक के रूप में जो शुरू हुआ था वह धीरे-धीरे एक जुनून में बदल गया। यह एक ऐसा जुनून था, जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि वह मेरे अंदर मौजूद है।

नेहा शर्मा ने दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला को किया याद

एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने रोमांटिक ट्रैक 'दिल को करार आया' की चौथी सालगिरह पर दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला को याद किया। फोटो शेयरिंग एप्लीकेशन पर 21 मिलियन फॉलोअर्स वाली नेहा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें गाने की शूटिंग के दौरान की झलकियां दिखाई गई हैं। इस गाने को यासर देसाई और नेहा कक्कड़ ने गाया है।

'बालिका वधू', 'बाबुल का आंगन छूटे ना', 'लव यू जिंदगी', 'दिल से दिल तक' जैसे शो का हिस्सा रहे सिद्धार्थ का 2 सितंबर, 2021 को 40 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वहीं नेहा क्रूक, क्या सुपर कूल हैं हम, यमला पगला दीवाना 2, यंगिस्तान, तुम बिन 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्हें लीगल थ्रिलर सीरीज इलीगल के तीसरे सीजन में एडवोकेट निहारिका सिंह के रूप में देखा गया था। दिवा ने सोनीलिव के लिए विशाल फुरिया द्वारा निर्मित और अप्लॉज एंटरटेनमेंट और बीबीसी स्टूडियो द्वारा निर्मित क्राइम थ्रिलर वेब शो 36 डेज में भी अभिनय किया।

इसमें पूरब कोहली, चंदन रॉय सान्याल, शारिब हाशमी, अमृता खानविलकर, श्रुति सेठ और सुशांत

सितारों ने बढ़ाया मदद का हाथ, विक्रम के बाद सूर्या-रश्मिका मंदाना ने दिया राहत कोष में दान

वायनाड जिले के मुंडक्का क्षेत्र में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद कई मशहूर हस्तियां मदद के लिए अपना योगदान दे रही हैं। विक्रम के बाद सूर्या और रश्मिका मंदाना ने राहत कोष में दान दिया है। इस सप्ताह की शुरुआत में केरल के वायनाड जिले के मुंडक्का क्षेत्र में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद कई मशहूर हस्तियां मदद के लिए अपना योगदान दे रही हैं। तमिल अभिनेता और थंगलान स्टार विक्रम ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में 20 लाख रुपये का दान देकर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के पुनर्निर्माण और बचे लोगों के पुनर्वास के लिए राय सरकार के प्रयासों को अपना समर्थन दिया था। विक्रम ने वायनाड में हुई त्रासदी पर दुख और सदमा जताया।

सूर्या ने दिया 50 लाख रुपये का दान: केरल में राहत कोष में योगदान देने वाली नवीनतम हस्ती कोई और नहीं बल्कि अभिनेता सूर्या हैं। अभिनेता, पत्नी योतिका और भाई कार्थी ने सामूहिक रूप से आपदा राहत कोष में 50 लाख रुपये का दान दिया है। सूर्या ने भी एक ट्वीट में इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया, जिसमें लिखा था, मेरे विचार और प्रार्थनाएं परिवारों के साथ हैंजदिल दहला देने वाला।

सरकारी एजेंसियों के सभी सदस्यों और बचाव कार्यों में परिवारों की मदद करने वाले क्षेत्र के लोगों का सम्मान।

मदद के लिए आगे आई रश्मिका मंदाना: पुष्पा 2 की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के भी केरल राहत कोष में 10 लाख रुपये दान करने की खबर है। इससे पहले, तमिल सुपरस्टार और टीवीके अध्यक्ष दलपति विजय ने अनुरोध किया था कि केरल सरकार भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए जो भी आवश्यक हो वह करें।

सोच-समझकर करती हूं एंडोर्समेंट

सान्या मल्होत्रा काफी समय से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। अमूमन सिलेब्रिटीज पर इस तरह के इल्जाम लगते हैं कि वे ऐसे प्रॉडक्ट्स का ऐड करते हैं, जिनको वे खुद इस्तेमाल नहीं करते। लेकिन उनसे प्रभावित होकर फैंस प्रॉडक्ट को खरीद लेते हैं। प्रोबायोटिक मिल्क याकुल्ट के नए फ्लेवर को लॉन्च करने राजधानी पहुंची सान्या से जब हमने इस बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया, मैं इस प्रॉडक्ट को काफी अरसे से इस्तेमाल कर रही हूं।

मैं सोशल मीडिया पर पहले से ही इसके बारे में पोस्ट करती रहती हूं। मैं दूसरे किसी प्रॉडक्ट को एंडोर्स करते वक्त भी इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं अपने फैंस को किसी ऐसे प्रॉडक्ट को खरीदने के लिए ना कहूं, जिससे मैं पूरी तरह वाकिफ नहीं हूं। मेरे लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि अगर मेरे वैल्यूज किसी ब्रैंड के साथ नहीं मैच करते हैं, तो मैं उसके साथ जुड़ने को सही नहीं मानती। उन्होंने आगे बताया, इसके चलते मैंने कई प्रोडक्ट्स के साथ जुड़ने से इनकार कर दिया। मेरी इस सोच के चलते मेरी टीम भी मुझसे खुश नहीं रहती।

-साभार एजेंसी